IASBABA

One Stop Destination for UPSC/IAS Preparation

60 Days Final Compilation

DELHI

5B, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi –110005. Landmark: Just 50m from Karol Bagh Metro Station, GATE No. 8 (Next to Croma Store)

Ph:0114167500

BANGALORE

#1737/37, MRCR Layout, Vijaynagar Service Road, Vijaynagar, Bangalore 560040. PH: 09035077800 / 7353277800

Q.1) भारतीय संविधान में उल्लिखित शब्द 'संप्रभु' (Sovereign) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

1. इसका तात्पर्य यह है कि भारत न तो किसी अन्य देश पर निर्भर है और न ही किसी का डोमिनियन है तथा इसे पूर्ण राजनीतिक स्वतंत्रता प्राप्त है।
2. भारत या तो विदेशी क्षेत्र का अधिग्रहण कर सकता है या किसी विदेशी राज्य के पक्ष में अपने क्षेत्र का हिस्सा दे सकता है।
3. राष्ट्रमंडल की सदस्यता भारत की संप्रभु स्थिति को सीमित करती है, जहां यह सदस्यता ब्रिटिश राजा / रानी को राष्ट्रमंडल के प्रमुख के रूप में स्वीकार करती है।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही विवरण चुनें

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2
d) उपरोक्त सभी

Q.1) Solution (c)

कथन 1	कथन 2	कथन 3
सत्य	**सत्य**	**असत्य**
भारत को एक संप्रभु इकाई घोषित करके, प्रस्तावना पूर्ण राजनीतिक स्वतंत्रता पर जोर देती है। 'संप्रभु' शब्द का तात्पर्य है कि भारत न तो किसी अन्य राष्ट्र का एक निर्भरता है और न ही एक डोमिनियन है, बल्कि एक स्वतंत्र राज्य है।	एक संप्रभु राज्य होने के नाते, भारत या तो एक विदेशी क्षेत्र का अधिग्रहण कर सकता है या किसी विदेशी राज्य के पक्ष में अपने क्षेत्र का हिस्सा दे सकता है।	1949 में, भारत ने राष्ट्रमंडल की अपनी पूर्ण सदस्यता जारी रखने की घोषणा की तथा ब्रिटिश क्राउन को राष्ट्रमंडल के प्रमुख के रूप में स्वीकार किया। हालाँकि, कुछ आलोचकों का कहना है कि 'राष्ट्रमंडल की सदस्यता भारत राष्ट्र की संप्रभु स्थिति को सीमित करती है, जहाँ तक यह सदस्यता ब्रिटिश राजा / रानी को राष्ट्रमंडल के प्रमुख के रूप में स्वीकार करती है। हालाँकि, यह दृष्टिकोण सही नहीं है। राष्ट्रमंडल अब ब्रिटिश राष्ट्रमंडल नहीं है। 1949 से यह संप्रभु समान मित्रों का संघ रहा है, जिन्होंने अपने ऐतिहासिक संबंधों के कारण, सहकारी प्रयासों के माध्यम से अपने राष्ट्रीय हितों के संवर्धन के लिए राष्ट्रमंडल में हाथ मिलाना पसंद किया है। भारत की राष्ट्रमंडल की सदस्यता एक स्वैच्छिक कार्य और एक शिष्टाचार व्यवस्था है। राष्ट्रमंडल के प्रमुख के रूप में ब्रिटिश राजा / रानी का भारतीय संविधान में कोई स्थान नहीं है। भारत उसके प्रति कोई निष्ठा नहीं रखता है। "ब्रिटिश राजा राष्ट्रमंडल संघ का एक प्रतीकात्मक प्रमुख है।" (नेहरु)

Q.2) भारत में प्रचलित पंथनिरपेक्षता के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

1. भारतीय संविधान पंथनिरपेक्षता की सकारात्मक अवधारणा का प्रतीक है।
2. यह अंतर-धार्मिक और विभिन्न धर्मों के मध्य प्रभुत्व पर समान ध्यान केंद्रित करता है।
3. यह स्थापित धर्मों के कुछ (जड़) पहलुओं के लिए समान अनादर की अनुमति देता है।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही कथन चुनें

a) 1 और 2
b) 1 और 3
c) 2 और 3
d) उपरोक्त सभी

Q.2) Solution (d)

कथन 1	कथन 2	कथन 3
सत्य	सत्य	सत्य
भारतीय संविधान पंथनिरपेक्षता की सकारात्मक अवधारणा को मूर्त रूप देता है, अर्थात हमारे देश में सभी धर्म (चाहे उनकी संख्या कुछ भी हो) को राज्य से समान दर्जा और समर्थन प्राप्त है।	भारतीय पंथनिरपेक्षता ने एक ऐसे रूप में एक अलग रूप धारण किया, जो पहले से मौजूद समाज में धार्मिक विविधता और पश्चिम से आए विचारों के मध्य में था। इसने अंतर-धार्मिक और विभिन्न धर्मों के मध्य प्रभुत्व पर समान ध्यान केंद्रित किया। भारतीय पंथनिरपेक्षता ने समान रूप से दलितों और महिलाओं के हिंदू धर्म के भीतर उत्पीड़न, भारतीय इस्लाम या ईसाई धर्म के भीतर महिलाओं के खिलाफ भेदभाव को समाप्त किया तथा आश्वस्त किया कि बहुसंख्यक समुदाय अल्पसंख्यक धार्मिक समुदायों के अधिकारों के लिए कोई खतरा नहीं खड़ा कर सकता है।	भारतीय पंथनिरपेक्षता की जटिलता की "सभी धर्मों के लिए समान सम्मान" वाक्यांश द्वारा व्याख्या नहीं की जा सकती है। यदि इस वाक्यांश का अर्थ सभी धर्मों या परस्पर सहसंबंधों के शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व से है, तो यह पर्याप्त नहीं होगा क्योंकि पंथनिरपेक्षता केवल शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व या भोगवाद से कहीं अधिक है। यदि इस वाक्यांश का अर्थ सभी स्थापित धर्मों और उनकी प्रथाओं के प्रति सम्मान की समान भावना है, तो एक अस्पष्टता है जिसे समाशोधन की आवश्यकता है। भारतीय पंथनिरपेक्षता सभी धर्मों में सैद्धांतिक रूप से राज्य के हस्तक्षेप की अनुमति देती है। इस तरह के हस्तक्षेप से हर धर्म के कुछ पहलुओं का अनादर होता है। उदाहरण के लिए, भारतीय पंथनिरपेक्षता के भीतर धार्मिक रूप से स्वीकृत जाति-पदानुक्रम स्वीकार्य नहीं हैं। पंथनिरपेक्ष राज्य को हर धर्म के हर पहलू को समान सम्मान के साथ व्यवहार नहीं करना पड़ता है। यह स्थापित धर्मों के कुछ पहलुओं के लिए समान अनादर की अनुमति देता है।

Q.3) भारतीय संविधान की निम्नलिखित विशेषताओं का मिलान उन स्रोतों से करें जिनसे ये लिए गए हैं

1. राष्ट्रपति के चुनाव की विधि	a. ब्रिटिश संविधान
2. न्याय का विचार	b. सोवियत संविधान
3. उपराष्ट्रपति का पद	c. अमेरिकी संविधान
4. मौलिक कर्तव्य	d. आयरिश संविधान
5. कैबिनेट प्रणाली	

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

a) 1-d, 2-c, 3-c, 4-b, 5-a
b) 1-d, 2-b, 3-c, 4-b, 5-a
c) 1-a, 2-b, 3-c, 4-d, 5- a
d) 1-c, 2-b, 3-d, 4-b, 5-a

Q.3) Solution (b)

विशेषताएं	स्रोत
राष्ट्रपति के चुनाव की विधि	आयरिश संविधान
प्रस्तावना में न्याय (सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक) का आदर्श	सोवियत संविधान (USSR, अब रूस)
उप-राष्ट्रपति का पद	अमेरिकी संविधान
मौलिक कर्तव्य	सोवियत संविधान (USSR, अब रूस)
कैबिनेट प्रणाली	ब्रिटिश संविधान

Q.4) पिट्स इंडिया एक्ट के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

1. इसने पहली बार गवर्नर-जनरल की परिषद के विधायी और कार्यकारी कार्य को अलग किया।
2. इसने कंपनी के वाणिज्यिक और राजनीतिक कार्यों के मध्य विभेद किया।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही कथन चुनें

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.4) Solution (b)

कथन 1	कथन 2
असत्य	सत्य

1853 का चार्टर अधिनियम, पहली बार, गवर्नर-जनरल की परिषद के विधायी और कार्यकारी कार्यों को अलग करता है। इसने गवर्नर जनरल की विधायी परिषद में छह नए सदस्यों को शामिल करने का प्रावधान किया।	1784 का पिट्स इंडिया एक्ट ने, कंपनी के वाणिज्यिक और राजनीतिक कार्यों के मध्य विभेद किया। इसने कोर्ट ऑफ डायरेक्टर्स को वाणिज्यिक मामलों का प्रबंधन करने की अनुमति दी, लेकिन राजनीतिक मामलों के प्रबंधन के लिए बोर्ड ऑफ कंट्रोल नामक एक नया निकाय बनाया। इस प्रकार, इसने दोहरी सरकार की एक प्रणाली स्थापित की।

Q.5) निम्नलिखित में से कौन सी विशेषताएं भारत सरकार अधिनियम, 1935 का हिस्सा नहीं थीं?

1. इसने प्रांतों में द्विसदनीयता (bicameralism) प्रदान की।
2. इसने प्रांतों में द्वैधशासन (dyarchy) अपनाने के लिए प्रावधान किया।
3. इसने तीन सूचियों-संघीय सूची, प्रांतीय सूची और समवर्ती सूची के संदर्भ में केंद्र और प्रांतों के बीच शक्तियों को विभाजित किया, जिसमें प्रांतीय सूची में अधिकतम संख्या में विषय थे।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

a) केवल 1
b) 1 और 3
c) 2 और 3
d) उपरोक्त सभी

Q.5) Solution (d)

कथन 1	कथन 2	कथन 3
असत्य	**असत्य**	**असत्य**
इसने ग्यारह प्रांतों में से छह में द्विसदनीयता का परिचय दिया। इस प्रकार, बंगाल, बॉम्बे, मद्रास, बिहार, असम और संयुक्त प्रांत की विधानसभाओं को एक विधान परिषद (उच्च सदन) और एक विधान सभा (निम्न सदन) से युक्त द्विसदनीय बनाया गया। हालांकि, उन पर कई प्रतिबंध लगाए गए थे।	इसने प्रांतों में द्वैधशासन को समाप्त कर दिया तथा इसके स्थान पर 'प्रांतीय स्वायत्तता' की शुरुआत की। इसने केंद्र में द्वैधशासन अपनाने का प्रावधान किया।	अधिनियम ने केंद्र और प्रांतों के बीच शक्तियों को तीन सूचियों के संदर्भ में विभाजित किया- संघीय सूची (केंद्र के लिए, 59 विषयों के साथ), प्रांतीय सूची (प्रांतों के लिए, 54 विषयों के साथ) और समवर्ती सूची (दोनों के लिए, 36 विषयों के साथ)।

Q.6) निम्नलिखित में से कौन सा कार्य संविधान सभा द्वारा किया गया था?

1. इसने स्वतंत्र भारत की पहली संसद के रूप में कार्य किया।
2. इसने ब्रेटन वुड्स संस्थान में भारत की सदस्यता की पुष्टि की।
3. इसने पंडित जवाहर लाल नेहरू द्वारा लाए गए उद्देश्य संकल्प को अपनाया।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही कथन चुनें

a) केवल 1
b) 1 और 2
c) 1 और 3
d) 2 और 3

Q.6) Solution (c)

कथन 1	कथन 2	कथन 3
सत्य	असत्य	सत्य
संविधान सभा स्वतंत्र भारत (डोमिनियन लेजिस्लेचर) की पहली संसद बन गई। जब भी सभा की बैठक संविधान सभा के रूप में हुई, इसकी अध्यक्षता डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने की तथा जब यह विधायी निकाय के रूप में मिले, तो इसकी अध्यक्षता जी वी मावलंकर ने की थी।	भारत ब्रेटन वुड्स प्रणाली का सदस्य बन गया था, जबकि यह अभी भी एक ब्रिटिश कॉलोनी था।	22 जनवरी, 1947 को संविधान सभा द्वारा सर्वसम्मति से उद्देश्य संकल्प को अपनाया गया था।

Q.7) निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

1. भारतीय क्षेत्र में राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के क्षेत्र शामिल हैं।
2. 1975 में, केंद्र शासित प्रदेश होने के बाद सिक्किम को एक राज्य का दर्जा मिला।
3. भारतीय राष्ट्रपति केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य प्रशासक हैं।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही कथन चुनें

a) 1 और 2
b) 2 और 3
c) केवल 3
d) उपरोक्त सभी

Q.7) Solution (c)

कथन 1	कथन 2	कथन 3
असत्य	असत्य	सत्य
'भारत के क्षेत्र' में केवल राज्य ही नहीं, बल्कि केंद्र शासित प्रदेश और वो क्षेत्र भी शामिल हैं, जिन्हें भविष्य के किसी भी समय भारत सरकार द्वारा अधिग्रहित किया जा सकता है। राज्य संघीय प्रणाली के सदस्य हैं तथा केंद्र के साथ शक्तियों का वितरण साझा करते हैं। दूसरी ओर केंद्र शासित प्रदेश और अधिग्रहित प्रदेश, सीधे केंद्र सरकार द्वारा प्रशासित होते हैं।	1947 में, ब्रिटिश राज की समाप्ति के बाद, सिक्किम भारत का 'संरक्षक' राज्य बन गया, जिससे भारत सरकार ने सिक्किम के रक्षा, बाहरी मामलों और संचार की जिम्मेदारी संभाली। 1974 में, सिक्किम ने भारत के साथ अधिक सहयोग की इच्छा व्यक्त की। तदनुसार, 35 वां संवैधानिक संशोधन अधिनियम (1974) संसद द्वारा अधिनियमित किया गया था। इस संशोधन ने सिक्किम को भारतीय संघ के 'सहयोगी राज्य'	भारतीय राष्ट्रपति अनुच्छेद 239 के अनुसार केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य प्रशासक के रूप में कार्य करता है।

	का दर्जा देकर संविधान के तहत राज्य का एक नया वर्ग प्रस्तुत किया। 36 वें संवैधानिक संशोधन अधिनियम (1975) को सिक्किम को भारतीय संघ (22 वां राज्य) का पूर्ण राज्य बनाने के लिए लागू किया गया था। यह कभी केंद्र शासित प्रदेश नहीं था।	

Q.8) भारत में राज्यों के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

1. किसी को 'राज्य' का दर्जा प्रदान करना, या, 'राज्य' का दर्जा छीन लेना, अनुच्छेद 368 के तहत संवैधानिक संशोधन के अंतर्गत आता है।
2. अनुच्छेद 368 के तहत संविधान में संशोधन करके ही भारतीय क्षेत्र को एक विदेशी राज्य के रूप में जाना जा सकता है।
3. भारत और दूसरे देश के बीच सीमा विवाद के निपटारे के लिए संवैधानिक संशोधन की आवश्यकता नहीं है।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

a) 1 और 2
b) 2 और 3
c) 1 और 3
d) उपरोक्त सभी

Q.8) Solution (b)

कथन 1	कथन 2	कथन 3
असत्य	**सत्य**	**सत्य**
अनुच्छेद 4 यह घोषणा करता है कि नए राज्यों के प्रवेश या स्थापना (नए अनुच्छेद के तहत) तथा नए राज्यों के गठन और क्षेत्रों, सीमाओं या मौजूदा राज्यों के नाम (अनुच्छेद 3 के तहत) के परिवर्तन के लिए बनाए गए कानूनों को अनुच्छेद 368 के अंतर्गत संविधान संशोधनों के रूप में नहीं माना जाता है। इसका अर्थ है कि ऐसे कानून एक साधारण बहुमत और साधारण विधायी प्रक्रिया द्वारा पारित किए जा सकते हैं। आप उन उदाहरणों पर भी विचार कर सकते हैं जहाँ केंद्र शासित प्रदेशों को राज्य बनाया गया था, और राज्यों को केन्द्र शासित प्रदेश (J & K) बनाया गया था, वे संविधान में संशोधन नहीं थे।	बेरुबरी यूनियन केस (1960) में, सुप्रीम कोर्ट ने माना कि किसी राज्य के क्षेत्र को कम करने के लिए संसद की शक्ति (अनुच्छेद 3 के तहत) एक विदेशी देश द्वारा भारतीय क्षेत्र के अधिग्रहण को कवर नहीं करती है। इसलिए, भारतीय क्षेत्र को अनुच्छेद 368 के तहत संविधान में संशोधन करके केवल एक विदेशी राज्य द्वारा अधिग्रहित किया जा सकता है। नतीजतन, 9 वें संवैधानिक संशोधन अधिनियम (1960) को उक्त क्षेत्र को पाकिस्तान में स्थानांतरित करने के लिए अधिनियमित किया गया था।	सुप्रीम कोर्ट ने 1969 में निर्णय सुनाया कि, भारत और दूसरे देश के बीच सीमा विवाद के निपटारे के लिए किसी संविधान संशोधन की आवश्यकता नहीं है। यह कार्यकारी कार्रवाई द्वारा किया जा सकता है क्योंकि इसमें किसी विदेशी देश द्वारा भारतीय क्षेत्र का अधिग्रहण शामिल नहीं है।

Q.9) भारत में नागरिकता के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

1. भारत में जन्म लेने वाले शरणार्थियों के बच्चों को भारतीय नागरिक माना जाता है।
2. यदि कोई विदेशी क्षेत्र भारत का हिस्सा बन जाता है, तो उसके सभी नागरिक स्वतः ही भारत के नागरिक बन जाते हैं।
3. भारत में तैनात विदेशी राजनयिकों के बच्चे और विदेशी शत्रु जन्म से भारतीय नागरिकता हासिल नहीं कर सकते हैं।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

a) 1 और 2
b) 2 और 3
c) केवल 3
d) उपरोक्त सभी

Q.9) Solution (c)

कथन 1	**कथन 2**	**कथन 3**
असत्य	**असत्य**	**सत्य**
वर्तमान भारतीय राष्ट्रीयता कानून काफी हद तक जस सेंगुईनिस (jus sanguinis) (वंश द्वारा नागरिकता) का पालन करता है, जो कि जस सोली (jus soli) (क्षेत्र के भीतर जन्म के अधिकार से नागरिकता) के विपरीत है।	यदि कोई भी विदेशी क्षेत्र भारत का हिस्सा बन जाता है, तो भारत सरकार उन लोगों को निर्दिष्ट करती है जो क्षेत्र के लोगों में से हैं, वे भारत के नागरिक होंगे। ऐसे व्यक्ति अधिसूचित तिथि से भारत के नागरिक बन जाते हैं। उदाहरण के लिए, जब पांडिचेरी भारत का हिस्सा बन गया, तो भारत सरकार ने नागरिकता अधिनियम, 1955 के तहत नागरिकता (पांडिचेरी) आदेश, 1962 जारी किया।	भारत में तैनात विदेशी राजनयिकों के बच्चे और विदेशी शत्रु जन्म से भारतीय नागरिकता हासिल नहीं कर सकते हैं।

Q.10) निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

1. भारत में, चाहे वे जिस भी राज्य में पैदा हुए हों या निवास करते हों, सभी नागरिक पूरे देश में नागरिकता के समान राजनीतिक और नागरिक अधिकारों का आनंद लेते हैं तथा उनके बीच कोई भेदभाव नहीं किया जाता है।
2. जब कोई व्यक्ति अपनी भारतीय नागरिकता का त्याग करता है, तो उस व्यक्ति का नाबालिग बच्चा अपनी भारतीय नागरिकता नहीं खोता है।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.10) Solution (d)

कथन 1	कथन 2
असत्य	असत्य
भारत में, चाहे वे जिस भी राज्य में पैदा हुए हों या निवास करते हों, सभी नागरिक पूरे देश में नागरिकता के समान राजनीतिक और नागरिक अधिकारों का आनंद लेते हैं तथा उनके बीच कोई भेदभाव नहीं किया जाता है। हालाँकि, भेदभाव की अनुपस्थिति का यह सामान्य नियम कुछ अपवादों के अधीन है, • संसद (अनुच्छेद 16 के तहत) उस राज्य या केंद्र शासित प्रदेश में कुछ नियोजन या नियुक्तियों के लिए एक शर्त या उस राज्य या केंद्र शासित प्रदेश के भीतर स्थानीय प्राधिकारी या अन्य प्राधिकारी के रूप में एक राज्य या केंद्र शासित प्रदेश के भीतर निवास आवश्यक कर सकती है। • संविधान (अनुच्छेद 15 के तहत) किसी भी नागरिक के खिलाफ धर्म, जाति, वंश, लिंग या जन्म स्थान के आधार पर भेदभाव का निषेध करता है, न कि निवास के आधार पर। • आवागमन और निवास की स्वतंत्रता (अनुच्छेद 19 के तहत) किसी भी अनुसूचित जनजाति के हितों के संरक्षण के अधीन है।	जब कोई व्यक्ति अपनी भारतीय नागरिकता का त्याग करता है, तो उस व्यक्ति का प्रत्येक नाबालिग बच्चा भी भारतीय नागरिकता खो देता है। हालांकि, जब ऐसा बच्चा अठारह वर्ष की आयु प्राप्त करता है, तो वह भारतीय नागरिकता फिर से आरंभ कर सकता है।

Q.11) नागरिकता संशोधन अधिनियम, 2019 के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

1. अधिनियम संविधान की छठी अनुसूची के साथ-साथ इनर लाइन परमिट शासन वाले क्षेत्रों पर लागू नहीं होता है।
2. यह अधिनियम भारत में किसी भी देश के उन छह धर्मों के लोगों के लिए 12 वर्ष के निवास के प्रावधान को शिथिल करके 6 वर्ष करता है।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.11) Solution (a)

कथन 1	कथन 2
सत्य	असत्य
नागरिकता (संशोधन) विधेयक (CAB) संविधान की छठी अनुसूची के तहत क्षेत्रों पर लागू नहीं होगा - जो असम, मेघालय, त्रिपुरा और मिजोरम में स्वायत्त आदिवासी	1955 के अधिनियम के तहत, प्राकृतिककरण द्वारा नागरिकता के लिए आवश्यकताओं में से एक यह है कि आवेदक को पिछले 12 महीनों के दौरान, तथा पिछले 14

बहुल क्षेत्रों से संबंधित है। यह विधेयक उन राज्यों पर भी लागू नहीं होगा जिनके पास इनर-लाइन परमिट शासन है (अरुणाचल प्रदेश, नागालैंड और मिजोरम)।	वर्षों में से 11 के लिए भारत में रहना चाहिए था। संशोधन अधिनियम इस 11 साल की आवश्यकता को समान छह धर्मों और तीन देशों से संबंधित व्यक्तियों के लिए 5 साल तक के लिए छूट देता है।

नागरिकता (संशोधन) अधिनियम, 2019 ने हिंदू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी और ईसाई धार्मिक अल्पसंख्यकों के अवैध प्रवासियों के लिए भारतीय नागरिकता का मार्ग प्रदान करते हुए 1955 के नागरिकता अधिनियम में संशोधन किया, जो पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से दिसंबर 2014 से पहले उत्पीड़न से भाग गए थे।

Q.12) निम्नलिखित में से कौन भारतीय संविधान की किसी अनुसूची में शामिल नहीं है?

1. भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त के पद, भत्ते और विशेषाधिकारों से संबंधित प्रावधान।
2. मणिपुर के आदिवासी क्षेत्रों के प्रशासन से संबंधित प्रावधान।
3. भूमि सुधारों से संबंधित राज्य विधानसभाओं के अधिनियम।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

a) 1 और 2
b) केवल 1
c) केवल 2
d) 2 और 3

Q.12) Solution (a)

कथन 1	कथन 2	कथन 3
सत्य	**सत्य**	**असत्य**
दूसरी अनुसूची में परिलब्धियां, भत्ते, विशेषाधिकार और इसी तरह से संबंधित प्रावधान हैं: 1. भारत के राष्ट्रपति 2. राज्यों के राज्यपाल 3. लोकसभा के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष 4. राज्यसभा के सभापति और उपाध्यक्ष 5. राज्यों में विधान सभा के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष 6. राज्यों में विधान परिषद के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष 7. सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश 8. उच्च न्यायालयों के न्यायाधीश 9. भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक	छठी अनुसूची में असम, मेघालय, त्रिपुरा और मिजोरम राज्यों के जनजातीय क्षेत्रों के प्रशासन से संबंधित प्रावधान हैं।	नौवीं अनुसूची में भूमि सुधारों और जमींदारी व्यवस्था के उन्मूलन तथा अन्य मामलों से निपटने वाले संसद के कानूनों से संबंधित राज्य विधानसभाओं के अधिनियम और विनियम (मूल रूप से 13 लेकिन वर्तमान में 282) शामिल हैं।

Q.13) भारत के प्रवासी नागरिक (OCI) योजना के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

1. ओसीआई, पंजीकृत ओसीआई व्यक्तियों को राजनीतिक अधिकार प्रदान करता है।

2. पंजीकृत ओसीआई सार्वजनिक रोजगार के मामलों में अवसर की समानता के संबंध में संविधान के अनुच्छेद 16 के तहत भारत के नागरिक पर प्रदत्त अधिकारों का हकदार नहीं होगा।
3. उनके पास कृषि या वृक्षारोपण संपत्तियों के अधिग्रहण से संबंधित मामलों को छोड़कर, आर्थिक, वित्तीय और शैक्षिक क्षेत्रों में उपलब्ध सभी सुविधाओं के संबंध में गैर-निवासी भारतीयों (NRI) के साथ समानता है।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

a) 1 और 2
b) 1 और 3
c) 2 और 3
d) उपरोक्त सभी

Q.13) Solution (c)

कथन 1	कथन 2	कथन 3
असत्य	**सत्य**	**सत्य**
ओसीआई को 'दोहरी नागरिकता' के रूप में माने जाने की गलती नहीं करना चाहिए। ओसीआई राजनीतिक अधिकारों को प्रदान नहीं करता है।	भारत के पंजीकृत प्रवासी नागरिक, सार्वजनिक रोजगार के मामलों में अवसर की समानता के संबंध में संविधान के अनुच्छेद 16 के तहत भारत के नागरिक को प्रदत्त अधिकारों के हकदार नहीं होंगे।	भारत के एक पंजीकृत प्रवासी नागरिक को भारत में आने के लिए कई प्रवेश, बहुउद्देश्यीय, जीवन-कालीन वीजा दिया जाता है, उसे भारत में किसी भी लम्बे प्रवास के लिए विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण अधिकारी या विदेशी पंजीकरण अधिकारी के पास पंजीकरण से छूट दी जाती है, तथा उसे सामान्य 'गैर-निवासी भारतीयों (NRI) की तरह कृषि, वृक्षारोपण संपत्तियों के अधिग्रहण से संबंधित मामलों को छोड़कर, आर्थिक, वित्तीय और शैक्षिक क्षेत्रों में उपलब्ध सभी सुविधाओं के संबंध में।' समान अधिकार हैं, जो मंत्रालय द्वारा समय-समय पर विशिष्ट लाभ / समता अधिसूचित किए जाते है।

भारत की प्रवासी नागरिकता (OCI) योजना अगस्त 2005 में नागरिकता अधिनियम, 1955 में संशोधन करके प्रस्तुत की गई थी। यह योजना भारतीय मूल के सभी व्यक्तियों (PIO) के प्रवासी नागरिक (OCI) के रूप में पंजीकरण के लिए प्रावधान प्रदान करती है, जो भारत के नागरिक 26 जनवरी, 1950 या उसके बाद या 26 जनवरी, 1950 को भारत के नागरिक बनने के योग्य थे या नहीं, सिवाय जो पाकिस्तान या बांग्लादेश का नागरिक रहा है या ऐसे अन्य देश जिन्हें केंद्र सरकार, आधिकारिक राजपत्र में अधिसूचना द्वारा, निर्दिष्ट करें।

Q.14) भारत और ब्रिटेन द्वारा सरकार के संसदीय रूप की निम्नलिखित में से कौन सी विशेषताएँ साझा की जाती हैं?

1. संसद की संप्रभुता
2. दोहरी कार्यकारी (Dual executive)
3. सामूहिक उत्तरदायित्व
4. गणतंत्रवादी प्रणाली

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

a) 1 और 2
b) 2 और 3
c) 1 और 4
d) 3 और 4

Q.14) Solution (b)

कथन 1	कथन 2	कथन 3	कथन 4
असत्य	**सत्य**	**सत्य**	**असत्य**
ब्रिटिश प्रणाली संसद की संप्रभुता के सिद्धांत पर आधारित है, जबकि संसद भारत में सर्वोच्च नहीं है तथा एक लिखित संविधान, संघीय प्रणाली, न्यायिक समीक्षा और मौलिक अधिकारों के कारण सीमित और प्रतिबंधित शक्तियों का आनंद लेती है	दोनों देशों में दोहरी कार्यकारी है। राष्ट्रपति नाममात्र के कार्यकारी (de jure executive or titular executive) होते हैं जबकि प्रधानमंत्री वास्तविक कार्यकारी (de facto executive) होते हैं।	दोनों देशों में सामूहिक उत्तरदायित्व है, जहां मंत्री सामूहिक रूप से संसद के प्रति उत्तरदायी होते हैं।	ब्रिटिश प्रणाली संसद की संप्रभुता के सिद्धांत पर आधारित है, जबकि भारत में संसद सर्वोच्च नहीं है तथा एक लिखित संविधान, संघीय प्रणाली, न्यायिक समीक्षा और मौलिक अधिकारों के कारण सीमित और प्रतिबंधित शक्तियों का आनंद लेती है।

Q.15) राष्ट्रपति प्रणाली के स्थान पर सरकार के संसदीय स्वरूप को वरीयता देने के निम्नलिखित में से कौन से कारण हैं?

1. स्थिर सरकार
2. उत्तरदायी सरकार
3. शक्तियों का पृथक्करण
4. व्यापक प्रतिनिधित्व

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

a) 2 और 4
b) 1, 2 और 3
c) 2, 3 और 4
d) उपरोक्त सभी

Q.15) Solution (a)

कथन 1	कथन 2	कथन 3	कथन 4
असत्य	**सत्य**	**असत्य**	**सत्य**

संसदीय प्रणाली अस्थिर सरकार की ओर ले जाती है।	उत्तरदायी सरकार संसदीय प्रणाली का प्रमुख लाभ है।	संसदीय प्रणाली शक्तियों के पृथक्करण के विरुद्ध है तथा इसमें विधायिका और कार्यपालिका के बीच सामंजस्य होता है	संसदीय प्रणाली विभिन्न समूहों से व्यापक प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करती है।

Q.16) भारत में क्षेत्रीय परिषदों (Zonal councils) के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

1. 6 क्षेत्रीय परिषदें हैं, जो राज्य पुनर्गठन अधिनियम 1956 के माध्यम से स्थापित की गयी हैं।
2. केंद्रीय गृह मंत्री इनमें से प्रत्येक परिषद् के अध्यक्ष होते हैं।
3. क्षेत्रीय परिषदों की स्थापना के मुख्य उद्देश्यों में से एक तीव्र राज्य चेतना, क्षेत्रवाद, भाषावाद और विशिष्ट प्रवृत्ति की वृद्धि पर रोक लगाना है।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

a) 1 और 2
b) 1 और 3
c) 2 और 3
d) उपरोक्त सभी

Q.16) Solution (c)

कथन 1	कथन 2	कथन 3
असत्य	**सत्य**	**सत्य**
पांचों क्षेत्रीय परिषदें - पश्चिमी, पूर्वी, उत्तरी, दक्षिणी और मध्य - राज्य पुनर्गठन अधिनियम, 1956 के तहत राज्यों के बीच अंतर-राज्य सहयोग और समन्वय को बढ़ावा देने के लिए स्थापित की गई थीं। उत्तर पूर्वी परिषद की स्थापना 1971 में भारत के सात उत्तर पूर्वी राज्यों की समस्याओं से निपटने के लिए की गई थी। इसे उत्तर पूर्वी परिषद अधिनियम, 1972 नामक कानून के तहत स्थापित किया गया था।	केंद्रीय गृह मंत्री इनमें से प्रत्येक परिषद् के अध्यक्ष होते हैं।	क्षेत्रीय परिषदों की स्थापना के मुख्य उद्देश्य निम्नानुसार हैं: • राष्ट्रीय एकीकरण लाना; • तीव्र राज्य चेतना, क्षेत्रवाद, भाषावाद और विशिष्ट प्रवृत्ति की वृद्धि पर रोक लगाना; • केंद्र और राज्यों को विचारों और अनुभवों का सहयोग तथा आदान-प्रदान करने के लिए सक्षम करना; • विकास परियोजनाओं के सफल और त्वरित निष्पादन के लिए राज्यों के बीच सहयोग के वातावरण की स्थापना करना।

Q.17) प्रस्तावना से निम्नलिखित में से कौन सी सामग्री या घटक का पता चलता है -

1. संविधान के अधिकार का स्रोत
2. भारतीय राज्य की प्रकृति
3. संविधान के उद्देश्य
4. संविधान को अपनाने की तिथि

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

a) 2 और 3
b) 1, 3 और 4
c) 2, 3 और 4
d) 1, 2, 3 और 4

Q.17) Solution (d)

कथन 1	कथन 2	कथन 3	कथन 4
सत्य	सत्य	सत्य	सत्य

प्रस्तावना में चार अवयवों या घटकों का पता चलता है:

- संविधान के अधिकार का स्रोत: प्रस्तावना में कहा गया है कि संविधान भारत के लोगों से अपने अधिकार प्राप्त करता है।
- भारतीय राज्य की प्रकृति: यह भारत को एक संप्रभु, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष लोकतांत्रिक और गणतंत्रात्मक राजनीति की घोषणा करता है।
- संविधान के उद्देश्य: यह न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व को उद्देश्यों के रूप में निर्दिष्ट करता है।
- संविधान को अपनाने की तिथि: इसमें तिथि के रूप में 26 नवंबर, 1949 निर्धारित है।

Q.18) निम्नलिखित में से कौन-सी योग्यता प्राकृतिकिकरण (naturalization) द्वारा नागरिकता प्राप्त करने की योग्यता है?

1. उन्हें संविधान की आठवीं अनुसूची में निर्दिष्ट भाषा का पर्याप्त ज्ञान है।
2. वह किसी भी ऐसे देश का विषय या नागरिक नहीं है, जहां भारत के नागरिकों को प्राकृतिक रूप से उस देश का विषय या नागरिक बनने से रोका जाता है।
3. वह अच्छे चरित्र का है।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

a) 1 और 2
b) 1 और 3
c) 2 और 3
d) उपरोक्त सभी

Q.18) Solution (d)

कथन 1	कथन 2	कथन 3
सत्य	सत्य	सत्य

केंद्र सरकार, किसी आवेदन पर, किसी भी व्यक्ति के लिए प्राकृतिककरण का प्रमाण पत्र प्रदान कर सकती है (अवैध प्रवासी नहीं होने पर) यदि उसके पास निम्न योग्यताएँ हैं:

(a) वह किसी भी देश का विषय या नागरिक नहीं है, जहां भारत के नागरिकों को प्राकृतिक रूप से उस देश का विषय या नागरिक बनने से रोका जाता है; (b) यदि वह किसी भी देश का नागरिक है, तो वह भारतीय नागरिकता स्वीकार किए जाने के लिए आवेदन करने की स्थिति में उस देश की नागरिकता का त्याग करने का वचन देता है; (c) वह या तो भारत में रहता है या भारत में एक सरकार की सेवा में है या आंशिक रूप से पहले में है और आंशिक रूप से दूसरे में है, तो उसे नागरिकता संबंधी आवेदन देने के कम से कम 12 माह पूर्व से भारत में निवास कर रहा हो; (d) यदि 12 माह की इस अवधि से 14 वर्ष पूर्व से वह भारत में रह रहा हो या भारत सरकार की सेवा में हो, या आंशिक रूप से पहले में है और आंशिक रूप से दूसरे में है, इनकी कुल अवधि 11 वर्ष से कम नहीं होनी चाहिए ; (e) वह अच्छे चरित्र का है; (f) कि उसे संविधान की आठवीं अनुसूची में निर्दिष्ट भाषा का पर्याप्त ज्ञान है, और (g) कि उसे दिए गए प्राकृतिककरण के प्रमाण पत्र की स्थिति में, वह भारत में निवास करने का इरादा रखता है, या एक सेवा के तहत सेवा में प्रवेश करना या जारी रखना चाहता है। भारत में सरकार या एक अंतरराष्ट्रीय संगठन के तहत, जिसका सदस्य भारत है या भारत में स्थापित सोसइटी, कंपनी या व्यक्तियों का निकाय है।

Q.19) निम्नलिखित में से कौन-सी ऐसी स्थितियाँ हैं जो किसी को उसकी भारतीय नागरिकता से वंचित करने के लिए उत्तरदायी हैं?

1. धोखे से नागरिकता प्राप्त करना।
2. युद्ध के दौरान शत्रु के साथ अवैध रूप से व्यापार या संचार।
3. राजद्रोह के आरोपों (Sec124A) के तहत दर्ज (Booked) किया गया हो।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

a) 1 और 2
b) 1 और 3
c) 2 और 3
d) उपरोक्त सभी

Q.19) Solution (a)

कथन 1	**कथन 2**	**कथन 3**
सत्य	**सत्य**	**असत्य**

वंचितता (Deprivation) भारतीय नागरिकता का अनिवार्य समापन है केंद्र सरकार, यदि: (a) धोखाधड़ी से नागरिकता प्राप्त की है: (b) नागरिक ने भारत के संविधान के प्रति अनिष्ठा दिखाई है: (c) नागरिक ने युद्ध के दौरान शत्रु के साथ अवैध रूप से व्यापार या संचार किया है; (d) नागरिक को पंजीकरण या प्राकृतिककरण के बाद पांच वर्ष के भीतर किसी भी देश में दो साल तक कैद में रखा गया है; तथा (e) नागरिक सात वर्षों तक लगातार भारत से बाहर रहा	राजद्रोह के आरोपों का लगना नागरिकता वंचित करने का आधार नहीं है।

है।	

Q.20) संविधान सभा की समितियों के साथ निम्नलिखित व्यक्तित्वों का मिलान उनके द्वारा किया गया

समितियां	व्यक्तित्व
1. राज्यों के लिए समिति	a. डॉ. राजेंद्र प्रसाद
2. प्रांतीय संविधान समिति	b. डॉ. के.एम. मुंशी
3. प्रक्रिया नियम समिति	c. जवाहर लाल नेहरू
4. कार्य संचालन समिति	d. सरदार पटेल

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

a) 1-c, 2-d, 3-b, 4-a
b) 1-d, 2-c, 3-a, 4-b
c) 1-d, 2-c, 3-b, 4-a
d) 1-c, 2-d, 3-a, 4-b

Q.20) Solution (d)

समिति	व्यक्तित्व
1. राज्यों के लिए समिति	जवाहर लाल नेहरू
2. प्रांतीय संविधान समिति	सरदार पटेल
3. प्रक्रिया नियम समिति	डॉ. राजेंद्र प्रसाद
4. कार्य संचालन समिति	डॉ. के.एम. मुंशी

Q.21) मौलिक अधिकारों के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

1. ये निगमों या कंपनियों के लिए भी उपलब्ध हैं।

2. ये निजी व्यक्तियों की कार्रवाई के विरुद्ध भी उपलब्ध हैं।
3. ये पवित्र (sacrosanct) या स्थायी हैं।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही कथन चुनें

a) 1 और 2
b) 1 और 3
c) 2 और 3
d) उपरोक्त सभी

Q.21) Solution (a)

कथन 1	कथन 2	कथन 3
सत्य	सत्य	असत्य
उनमें से कुछ केवल नागरिकों के लिए उपलब्ध हैं, जबकि अन्य सभी व्यक्तियों के लिए उपलब्ध हैं चाहे नागरिक, विदेशी या कानूनी व्यक्ति जैसे निगम या कंपनियां।	उनमें से अधिकांश राज्य की मनमानी कार्रवाई के विरुद्ध, कुछ अपवाद जैसे कि राज्य की कार्रवाई के विरुद्ध और निजी व्यक्तियों की कार्रवाई के विरुद्ध उपलब्ध हैं। जब राज्य की कार्रवाई के विरुद्ध उपलब्ध अधिकार केवल निजी व्यक्तियों द्वारा उल्लंघन किए जाते हैं, तो कोई संवैधानिक उपचार नहीं होते हैं, केवल सामान्य कानूनी उपचार होते हैं।	वे पवित्र या स्थायी नहीं हैं। संसद उन्हें कम कर सकती है या निरस्त कर सकती है लेकिन केवल एक संविधान संशोधन अधिनियम द्वारा तथा इसे एक साधारण अधिनियम द्वारा नहीं किया जा सकता है। इसके अलावा, यह संविधान के 'बुनियादी ढांचे' को प्रभावित किए बिना किया जा सकता है।

Q.22) निम्नलिखित में से किसे अनुच्छेद 12 के तहत 'राज्य' माना जाता है?

1. पंचायतें और नगर पालिकाएँ
2. ओएनजीसी
3. एनसीईआरटी
4. न्यायपालिका

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही कथन चुनें

a) 1 और 2
b) 1,2 और 3
c) 1,2 और 4
d) उपरोक्त सभी

Q.22) Solution (a)

कथन 1	कथन 2	कथन 3	कथन 4
सत्य	सत्य	असत्य	असत्य
ऐसा कोई भी प्राधिकरण जिसके पास कोई भी कानून बनाने, किसी भी आदेश को पारित करने, विनियमन और उपनियम	वैधानिक और गैर-वैधानिक निकाय जो सरकार से वित्तीय संसाधन प्राप्त करते हैं, उन पर सरकार का समुचित नियंत्रण होता है	वैधानिक और गैर-वैधानिक निकाय जो आमतौर पर सरकार द्वारा वित्तपोषित नहीं होते हैं, वे राज्य की परिभाषा में नहीं	न्यायपालिका राज्य नहीं है। बॉम्बे उच्च न्यायालय ने द नेशनल फेडरेशन ऑफ़ द ब्लाइंड, महाराष्ट्र और Anr

बनाने, आदि की शक्ति है, राज्य की परिभाषा के अंतर्गत आता है। इस प्रकार पंचायत, नगरपालिका, जिला बोर्ड और अन्य वैधानिक, संवैधानिक निकाय राज्य की परिभाषा में आते हैं।	तथा कार्यात्मक चरित्र जैसे कि ICAR, CSIR, ONGC, IDBI, विद्युत् बोर्ड, NAFED, दिल्ली परिवहन निगम आदि राज्य की परिभाषा में आते हैं।	आते हैं। उदाहरण स्वायत्त निकाय, सहकारिता, एनसीईआरटी आदि हैं।	v. के मामले में इस प्रश्न का उत्तर दिया। बॉम्बे उच्च न्यायालय, जिसमें यह निर्धारित किया गया था कि 'न्यायालय' की परिभाषा में प्रशासनिक कर्मचारियों के साथ व्यवहार करते समय या प्रशासनिक क्षमता में निर्णय लेते समय, केवल "राज्य" शामिल हैं तथा न्यायिक पक्ष पर नहीं' ।

Q.23) भारतीय प्रणाली पर कानून के नियम (Rule of law) के निम्नलिखित में से कौन से अवयव लागू हैं?

1. मनमानी शक्ति का अभाव
2. कानून के समक्ष समानता
3. व्यक्तिगत अधिकारों की प्रधानता

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही कथन चुनें

a) 1 और 2
b) 2 और 3
c) 1 और 3
d) उपरोक्त सभी

Q.23) Solution (a)

कथन 1	कथन 2	कथन 3
सत्य	**सत्य**	**असत्य**

कानून के नियम की अवधारणा में निम्नलिखित तीन तत्व या पहलू हैं:
(i) मनमानी शक्ति की अनुपस्थिति, अर्थात कानून के उल्लंघन के अलावा किसी भी व्यक्ति को दंडित नहीं किया जा सकता है।
(ii) कानून के समक्ष समानता, अर्थात सभी नागरिकों (अमीर या गरीब, उच्च या निम्न, आधिकारिक या गैर-आधिकारिक) की समान अधीनता जो सामान्य कानून न्यायालयों द्वारा प्रशासित भूमि के सामान्य कानून के लिए हो।
(iii) व्यक्तिगत अधिकारों की प्रधानता, अर्थात् संविधान व्यक्ति के अधिकारों का परिणाम है, जो कि कानून के न्यायालयों द्वारा परिभाषित और लागू किया जाता है बजाय कि संविधान व्यक्तिगत अधिकारों का स्रोत है।

पहला और दूसरा तत्व भारतीय प्रणाली पर लागू होते हैं तथा तीसरा नहीं। भारतीय प्रणाली में, संविधान व्यक्तिगत अधिकारों का स्रोत है।

Q.24) निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

1. उचित प्रतिबंध लगाने के लिए अपराध हेतु मानहानि और उकसाना एक आधार है।
2. अकेले कार्यकारी कार्रवाई द्वारा उचित प्रतिबंध लगाए जा सकते हैं।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही कथन चुनें

a) केवल 1
b) केवल 2

c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.24) Solution (a)

कथन 1	कथन 2
सत्य	**असत्य**
राज्य भारत की संप्रभुता और अखंडता, राज्य की सुरक्षा, विदेशी राज्यों के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध, सार्वजनिक व्यवस्था, शालीनता या नैतिकता, न्यायालय की अवमानना, मानहानि और अपराध के लिए उकसाने के आधार पर वाक् एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अभ्यास पर उचित प्रतिबंध लगा सकता है।	उचित प्रतिबंधों की तीन महत्वपूर्ण विशेषताएं हैं: (1) उनके तहत प्रतिबंध केवल या किसी कानून के अधिकार के तहत लगाया जा सकता है: कोई कार्यकारी प्रतिबंध अकेले बिना किसी कानून का पालन किए नहीं लगाया जा सकता है। (2) प्रत्येक प्रतिबंध उचित होना चाहिए। (3) प्रतिबंध 19 (2) से (6) में उल्लिखित उद्देश्यों से संबंधित होना चाहिए।

Q.25) विदेश यात्रा का अधिकार किसके अंतर्गत आता है
a) अनुच्छेद 15
b) अनुच्छेद 19
c) अनुच्छेद 21
d) अनुच्छेद 22

Q.25) Solution (c)

अनुच्छेद 21 के तहत विदेश यात्रा का अधिकार एक मौलिक अधिकार है।
अनुच्छेद 19 देश के भीतर आवागमन अधिकार की रक्षा करता है।

Q.26) शिक्षा के अधिकार के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें
1. इसे 2002 के 86 वें संवैधानिक संशोधन अधिनियम द्वारा जोड़ा गया था।
2. यह संविधान में सम्मिलित होने वाला मुफ्त एवं अनिवार्य शिक्षा संबंधी पहला ऐसा प्रावधान था।
3. यह अधिकार नागरिकों के साथ-साथ विदेशियों, दोनों के लिए उपलब्ध है।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही कथन चुनें
a) 1 और 2
b) 1 और 3
c) 2 और 3
d) उपरोक्त सभी

Q.26) Solution (b)

कथन 1	कथन 2	कथन 3
सत्य	**असत्य**	**सत्य**
शिक्षा का अधिकार (अनुच्छेद 21	इस संशोधन से पहले भी, संविधान के	यह नागरिकों के साथ-साथ

A) प्रावधान 2002 के 86 वें संवैधानिक संशोधन अधिनियम द्वारा जोड़ा गया था।	भाग IV में अनुच्छेद 45 के तहत बच्चों के लिए मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा का प्रावधान था।	विदेशियों, दोनों के लिए भी उपलब्ध है।

Q.27) निम्नलिखित में से किसे अनुच्छेद 13 के तहत 'कानून' (Law) माना जा सकता है?

1. अध्यादेशों
2. नागा प्रथागत कानून (Naga customary laws)
3. संवैधानिक संशोधन
4. केंद्र सरकार द्वारा अधिसूचना

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही कथन चुनें

a) 1 और 2
b) 1,2 और 3
c) 1,2 और 4
d) उपरोक्त सभी

Q.27) Solution (c)

कथन 1	कथन 2	कथन 3	कथन 4
सत्य	**सत्य**	**असत्य**	**सत्य**
राष्ट्रपति या राज्य के राज्यपालों द्वारा जारी किए गए अध्यादेश जैसे अस्थायी कानून को अनुच्छेद 13 के तहत कानून माना जाता है।	कानून के गैर-विधायी स्रोत, अर्थात्, कानून की शक्ति वाले कस्टम या मान्यता को अनुच्छेद 13 के तहत कानून माना जाता है।	अनुच्छेद 13 घोषित करता है कि एक संविधान संशोधन कानून नहीं है और इसलिए इसे चुनौती नहीं दी जा सकती है। हालाँकि, सर्वोच्च न्यायालय ने केशवानंद भारती मामले (1973) में कहा कि एक संवैधानिक संशोधन को इस आधार पर चुनौती दी जा सकती है कि यह एक मौलिक अधिकार का उल्लंघन करता है, जो संविधान के 'बुनियादी ढांचे' का एक हिस्सा है तथा इसलिए, इसे शून्य घोषित किया जा सकता है।	अनुच्छेद 13 के तहत आदेश, उपनियम, नियम, विनियमन या अधिसूचना जैसे प्रत्यायोजित विधान (कार्यकारी कानून) की प्रकृति में वैधानिक उपकरण को कानून माना जाता है।

Q.28) भारतीय संविधान में उल्लिखित अनुच्छेद 25 के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

1. इसमें एक व्यक्ति को दूसरे के धर्म में परिवर्तन का अधिकार शामिल है।
2. इसके तहत, राज्य हिंदू धार्मिक संस्थानों के सुधार के लिए प्रावधान प्रदान कर सकता है।
3. इस अधिकार के तहत आने वाले हिंदुओं में सिख, पारसी, जैन और बौद्ध शामिल हैं

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही कथन चुनें

a) 1 और 2
b) केवल 2
c) 1 और 3

d) उपरोक्त सभी

Q.28) Solution (b)

कथन 1	कथन 2	कथन 3
असत्य	सत्य	असत्य
इसमें दूसरों में धार्मिक विश्वासों का प्रसारण और प्रसार या किसी के धर्म के सिद्धांतों को उजागर करना शामिल है। लेकिन, इसमें किसी अन्य व्यक्ति को एक व्यक्ति को अपने धर्म में परिवर्तित करने का अधिकार शामिल नहीं है। जबरन धर्म परिवर्तन सभी व्यक्तियों को समान रूप से 'अंतश्चेतना की स्वतंत्रता' को प्रतिबंधित करता है।	राज्य को सामाजिक कल्याण और सार्वजनिक वर्गों के हिंदू धार्मिक संस्थानों को हिंदुओं के सभी वर्गों और समूहों के लिए सुधार प्रदान करने की अनुमति है।	इस संदर्भ में हिंदुओं में सिख, जैन और बौद्ध शामिल हैं

Q.29) निम्नलिखित में से कौन राज्य नीति के निर्देशक सिद्धांतों में समाजवादी सिद्धांतों पर आधारित नहीं है / हैं?

1. समान काम के लिए समान वेतन
2. गरीबों को मुफ्त कानूनी सहायता
3. अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति के शैक्षिक और आर्थिक हितों को बढ़ावा देना
4. पर्यावरण का संरक्षण और सुधार

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

a) 1 और 2
b) 3 और 4
c) केवल 4
d) 1,2 और 3

Q.29) Solution (b)

कथन 1	कथन 2	कथन 3	कथन 4
असत्य	असत्य	सत्य	सत्य
पुरुषों और महिलाओं के लिए समान काम के लिए समान वेतन (अनुच्छेद 39 (d) एक समाजवादी सिद्धांत है।	समान न्याय को बढ़ावा देना तथा गरीबों को मुफ्त कानूनी सहायता प्रदान करना (अनुच्छेद 39 A) एक समाजवादी सिद्धांत है।	अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और समाज के अन्य कमजोर वर्गों के शैक्षिक और आर्थिक हितों को बढ़ावा देने तथा उन्हें सामाजिक अन्याय और शोषण से बचाने के लिए (अनुच्छेद 46) एक गांधीवादी सिद्धांत है।	पर्यावरण की रक्षा और सुधार तथा वनों और वन्यजीवों की रक्षा के लिए (अनुच्छेद 48 A) एक उदार-बौद्धिक सिद्धांत है।

Q.30) निम्नलिखित में से कौन सी जोड़ी सही ढंग से सुमेलित है?

1. 42 वां संशोधन अधिनियम: आय, पदस्थिति (status), सुविधाओं और अवसरों में असमानता को कम करना
2. 44 वां संशोधन अधिनियम: उद्योगों के प्रबंधन में श्रमिकों की भागीदारी को सुरक्षित करना
3. 86 वां संशोधन अधिनियम: सभी बच्चों के प्रारंभिक बचपन की देखभाल तथा शिक्षा, जब तक वे छह वर्ष की आयु पूरी नहीं कर लेते

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

a) 1 और 2
b) केवल 2
c) केवल 3
d) 2 और 3

Q.30) Solution (c)

कथन 1	कथन 2	कथन 3
असत्य	**असत्य**	**सत्य**
1978 के 44 वें संशोधन अधिनियम ने नए निर्देशक सिद्धांत को जोड़ा, जिससे राज्य को आय, पदस्थिति, सुविधाओं और अवसरों में असमानताओं को कम करने की आवश्यकता है (अनुच्छेद 38)।	उद्योगों के प्रबंधन में श्रमिकों की भागीदारी को सुरक्षित करने के लिए कदम उठाने हेतु 1976 के 42 वें संशोधन अधिनियम ने निर्देशक सिद्धांत, (अनुच्छेद 43 A) जोड़ा।	2002 के 86 वें संशोधन अधिनियम ने अनुच्छेद 45 की विषय-वस्तु को बदल दिया, जिससे राज्य को सभी बच्चों के लिए बचपन की देखभाल तथा शिक्षा प्रदान करने की आवश्यकता होती है, जब तक कि वे छह वर्ष की आयु पूरी नहीं कर लेते।

Q.31) निम्नलिखित में से कौन सा कार्य निर्देशक सिद्धांतों को लागू करने के लिए किया गया है?

1. बाल और किशोर श्रम निषेध एवं विनियमन अधिनियम
2. मातृत्व लाभ अधिनियम
3. खादी और ग्रामोद्योग बोर्ड का गठन
4. आपराधिक प्रक्रिया संहिता

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

a) 1 और 2
b) 1,2 और 3
c) 1,2 और 4
d) उपरोक्त सभी

Q.31) Solution (d)

कथन 1	कथन 2	कथन 3	कथन 4
सत्य	**सत्य**	**सत्य**	**सत्य**
बाल और किशोर श्रम निषेध तथा विनियमन अधिनियम, (1986) को बच्चों और श्रमिक वर्ग के	महिला श्रमिकों के हितों की रक्षा के लिए मातृत्व लाभ अधिनियम (1961) और समान पारिश्रमिक	खादी और ग्रामोद्योग बोर्ड, खादी और ग्रामोद्योग आयोग, लघु उद्योग बोर्ड, राष्ट्रीय लघु उद्योग निगम, हथकरघा	आपराधिक प्रक्रिया संहिता (1973) ने राज्य की सार्वजनिक सेवाओं में न्यायपालिका को

हितों की रक्षा के लिए अधिनियमित किया गया है।	अधिनियम (1976) बनाया गया है।	बोर्ड, हस्तशिल्प बोर्ड, कॉयर बोर्ड, रेशम बोर्ड आदि ग्रामीण क्षेत्रों में कुटीर उद्योगों के विकास के लिए स्थापित किए गए हैं।	कार्यपालिका से पृथक कर दिया।

Q.32) भारतीय संविधान के अनुच्छेद 51 ए के तहत दिए गए निम्नलिखित में से कौन से मौलिक कर्तव्य नहीं हैं?

1. देश की रक्षा करना
2. करों का भुगतान करना
3. सार्वजनिक संपत्ति की सुरक्षा करना
4. वोट देना

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

a) 1,2 और 4
b) 2,3 और 4
c) 2 और 4
d) उपरोक्त सभी

Q.32) Solution (c)

कथन 1	कथन 2	कथन 3	कथन 4
असत्य	**सत्य**	**असत्य**	**सत्य**
देश की रक्षा करना अनुच्छेद 51 A (d) के तहत एक मौलिक कर्तव्य है।	करों का भुगतान करने की विशेषता एक मौलिक कर्तव्य नहीं है।	सार्वजनिक संपत्ति की सुरक्षा करना अनुच्छेद 51 A (i) के तहत एक मौलिक कर्तव्य है।	वोट डालने की विशेषता कोई मौलिक कर्तव्य नहीं है

Q.33) मौलिक कर्तव्यों के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

1. भारतीय संविधान विश्व का एकमात्र लोकतांत्रिक संविधान है जिसमें नागरिकों के कर्तव्यों की एक सूची है।
2. इनमें नैतिक कर्तव्यों के साथ-साथ नागरिक कर्तव्य दोनों शामिल हैं।
3. वे कानून द्वारा प्रवर्तनीय हैं।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

a) 1 और 2
b) 2 और 3
c) 1 और 3
d) उपरोक्त सभी

Q.33) Solution (b)

कथन 1	कथन 2	कथन 3
असत्य	**सत्य**	**सत्य**
जापानी संविधान, संभवतः, विश्व का एकमात्र लोकतांत्रिक संविधान	उनमें से कुछ नैतिक कर्तव्य हैं जबकि अन्य नागरिक कर्तव्य हैं। उदाहरण के लिए,	वे कानून द्वारा प्रवर्तनीय हैं। इसलिए, संसद उनमें से किसी को

है जिसमें नागरिकों के कर्तव्यों की एक सूची शामिल है।	स्वतंत्रता संग्राम के महान आदर्शों को बनाए रखना एक नैतिक संकल्पना है तथा संविधान, राष्ट्रीय ध्वज और राष्ट्रीय गान का सम्मान करना एक नागरिक कर्तव्य है।	पूरा करने में विफलता के लिए उचित जुर्माना या सजा का प्रावधान कर सकती है।

Q.34) निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

1. मौलिक अधिकार सकारात्मक हैं, क्योंकि उनके लिए राज्य को कुछ कार्य करने की आवश्यकता होती है।
2. निर्देशक सिद्धांतों को उनके कार्यान्वयन के लिए कानून की आवश्यकता होती है तथा वे स्वचालित रूप से लागू नहीं होते हैं।
3. मौलिक अधिकार सदैव निर्देशक सिद्धांतों पर प्रभावी होते हैं।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही कथन चुनें

a) 1 और 3
b) केवल 2
c) 2 और 3
d) उपरोक्त सभी

Q.34) Solution (b)

कथन 1	कथन 2	कथन 3
असत्य	**सत्य**	**असत्य**
मौलिक अधिकार नकारात्मक प्रकृति हैं क्योंकि वे राज्य को कुछ कार्य करने से रोकते हैं।	निर्देशक सिद्धांतों को उनके कार्यान्वयन के लिए कानून की आवश्यकता होती है तथा वे स्व-चालित रूप से लागू नहीं होते हैं।	मौलिक अधिकार आमतौर पर निर्देशक सिद्धांतों पर प्रभावी होते हैं। इसके अपवाद हैं, अनुच्छेद 14 और अनुच्छेद 19 द्वारा प्रदत्त मौलिक अधिकारों को अनुच्छेद 39 (b) और (c) में निर्दिष्ट निर्देशक सिद्धांतों के अधीनस्थ के रूप में स्वीकार किया गया था।

Q.35) पुट्टस्वामी अधिनिर्णय में सर्वोच्च न्यायालय के अनुसार, निजता का अधिकार किसके अंतर्गत सुरक्षित है

1. अनुच्छेद 14
2. अनुच्छेद 19
3. अनुच्छेद 21

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

a) 1 और 2
b) 1 और 3
c) 2 और 3
d) उपरोक्त सभी

Q.35) Solution (d)

कथन 1	कथन 2	कथन 3

सत्य	सत्य	सत्य

न्यायमूर्ति के.एस. पुट्टस्वामी (सेवानिवृत्त) और Anr. बनाम यूनियन ऑफ इंडिया और अन्य भारत के सर्वोच्च न्यायालय का एक ऐतिहासिक निर्णय है, जो मानता है कि भारत के संविधान के अनुच्छेद 14, 19 और 21 के तहत निजता के अधिकार को एक मौलिक संवैधानिक अधिकार के रूप में संरक्षित किया गया है।

Q.36) निम्नलिखित में से किस कानून को अनुच्छेद 14 और 19 द्वारा प्रदत्त मौलिक अधिकारों के उल्लंघन के आधार पर चुनौती देने और अमान्य होने से बचाया गया है?

1. निगमों का समामेलन (Amalgamation of corporations)
2. निगमों के शेयरधारकों के अधिकारों में संशोधन
3. राज्य द्वारा अल्पसंख्यक शैक्षणिक संस्थान की संपत्ति का अधिग्रहण
4. राज्य द्वारा संपत्तियों का प्रबंधन संभालना

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

a) 1, 2 और 4
b) 1, 3 और 4
c) 2 और 4
d) उपरोक्त सभी

Q.36) Solution (a)

कथन 1	कथन 2	कथन 3	कथन 4
सत्य	सत्य	असत्य	सत्य

अनुच्छेद 31A कानून की पाँच श्रेणियों को चुनौती देता है तथा अनुच्छेद 14 (कानून के समक्ष समानता तथा कानूनों के समान संरक्षण) द्वारा प्रदत्त मौलिक अधिकारों और अनुच्छेद 19 (भाषण, सभा, आवागमन आदि के संबंध में छह अधिकारों का संरक्षण) के उल्लंघन के आधार पर चुनौती देता है। वे कृषि भूमि सुधार, उद्योग और वाणिज्य से संबंधित हैं और इसमें निम्नलिखित शामिल हैं:
(a) राज्य द्वारा संपत्ति और संबंधित अधिकारों का अधिग्रहण;
(b) राज्य द्वारा संपत्तियों के प्रबंधन का अधिग्रहण;
(c) निगमों का समामेलन;
(d) निगमों के निदेशकों या शेयरधारकों के अधिकारों का शमन या संशोधन; तथा
(e) खनन पट्टों की निकासी या संशोधन।

जब राज्य अल्पसंख्यक शैक्षणिक संस्थान (अनुच्छेद 30) की संपत्ति का अधिग्रहण करता है, तो उसे मुआवजा प्रदान करना होगा।

Q.37) निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

1. अनुच्छेद 35 राज्य सूची में निर्दिष्ट मामलों पर एक कानून बनाने के लिए संसद की क्षमता को विस्तृत करता है।
2. अनुच्छेद 35 राज्य विधायिका को कुछ मामलों पर कानून बनाने के लिए प्रतिबंधित करता है।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

a) केवल 1
b) केवल 2

c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.37) Solution (c)

कथन 1	कथन 2
सत्य	सत्य
अनुच्छेद 35, उपरोक्त निर्दिष्ट मामलों पर एक कानून बनाने के लिए संसद की क्षमता का विस्तार करता है, भले ही उन मामलों में से कुछ राज्य विधानसभाओं (यानी, राज्य सूची) के दायरे में आ सकते हैं।	अनुच्छेद 35 कहता है कि कुछ विशिष्ट मौलिक अधिकारों के लिए कानून बनाने की शक्ति केवल संसद में निहित होगी तथा राज्य विधानसभाओं में नहीं।

Q.38) अनुच्छेद 34 मौलिक अधिकारों पर प्रतिबंध के लिए प्रावधान प्रदान करता है, जब मार्शल लॉ भारतीय क्षेत्र के भीतर किसी भी क्षेत्र में लागू हो। मार्शल लॉ के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा सही है?

1. 'मार्शल लॉ' की व्याख्या को संविधान में 'एक क्षेत्र में सेना के शासन' के रूप में परिभाषित किया गया है।
2. मार्शल लॉ की घोषणा के परिणाम स्वरुप बंदी प्रत्यक्षीकरण रिट का निलंबन हो जाता है।
3. यह सरकार और सामान्य कानूनी न्यायालयों को निलंबित करता है।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

a) 1 और 2
b) 2 और 3
c) केवल 3
d) उपरोक्त सभी

Q.38) Solution (c)

कथन 1	कथन 2	कथन 3
असत्य	असत्य	सत्य
'मार्शल लॉ' शब्द को संविधान में कहीं भी परिभाषित नहीं किया गया है। शाब्दिक रूप में, इसका अर्थ 'सैन्य शासन' है।	सुप्रीम कोर्ट ने बरक़रार रखा है कि मार्शल लॉ की घोषणा के कारण बंदी प्रत्यक्षीकरण रिट के अधिकार को निलंबित नहीं किया जा सकता है।	यह सरकार और सामान्य कानून न्यायालयों को निलंबित करता है।

Q.39) उत्प्रेषण (certiorari) रिट किसके विरुद्ध जारी की जा सकती है

1. न्यायिक और अर्ध-न्यायिक प्राधिकरण
2. प्रशासनिक अधिकारी
3. वैधानिक निकायों (Legislative bodies)

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

a) 1 और 2
b) 2 और 3
c) 1 और 3
d) उपरोक्त सभी

Q.39) Solution (a)

कथन 1	कथन 2	कथन 3
सत्य	सत्य	असत्य

पहले, उत्प्रेषण रिट केवल न्यायिक और अर्ध-न्यायिक अधिकारियों के विरुद्ध जारी की जा सकती थी, न कि प्रशासनिक प्राधिकारण के विरुद्ध। हालांकि, 1991 में, सुप्रीम कोर्ट ने फैसला दिया कि व्यक्तियों के अधिकारों को प्रभावित करने वाले प्रशासनिक प्राधिकारियों के विरुद्ध भी उत्प्रेषण रिट जारी किया जा सकता है।	उत्प्रेषण विधायी निकायों और निजी व्यक्तियों या निकायों के विरुद्ध उपलब्ध नहीं है।

Q.40) अनुच्छेद 28 चार प्रकार के शिक्षण संस्थानों के बीच अंतर करता है। धार्मिक निर्देश निम्नलिखित में से किसमें पूरी तरह से निषिद्ध है?

1. राज्य द्वारा पूर्णतः पोषित संस्थान
2. राज्य से सहायता प्राप्त करने वाली संस्थाएँ
3. राज्य द्वारा मान्यता प्राप्त संस्थान
4. राज्य द्वारा प्रशासित संस्थान लेकिन किसी धर्मस्व (endowment) या ट्रस्ट के तहत स्थापित।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

a) केवल 1
b) 1 और 2
c) 1,2 और 4
d) उपरोक्त सभी

Q.40) Solution (a)

कथन 1	कथन 2	कथन 3	कथन 4
सत्य	असत्य	असत्य	असत्य

इस प्रकार, अनुच्छेद 28 चार प्रकार के शैक्षिक संस्थानों के बीच अंतर करता है: (a) राज्य द्वारा पूरी तरह से पोषित किए गए। (b) राज्य द्वारा प्रशासित लेकिन किसी धर्मस्थ (endowment) या ट्रस्ट के तहत स्थापित। (c) राज्य द्वारा मान्यता प्राप्त संस्थान। (d) राज्य से सहायता प्राप्त करने वाली संस्थाएँ। (a) में धार्मिक निर्देश पूरी तरह से प्रतिबंधित है जबकि (b) में, धार्मिक निर्देश की अनुमति है। (c) और (d) में, स्वैच्छिक आधार पर धार्मिक निर्देश की अनुमति है।

Q.41) संविधान के संशोधन की प्रक्रिया के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें जैसा कि अनुच्छेद 368 में निर्धारित किया गया है

1. विधेयक के प्रस्ताव को राष्ट्रपति की पूर्व अनुमति की आवश्यकता होती है।
2. विधेयक को प्रत्येक सदन में पूर्ण बहुमत से पारित किया जाना चाहिए।

3. दोनों सदनों के बीच मतभेद के मामले में, दोनों सदनों की संयुक्त बैठक आयोजित की जाती है।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

a) केवल 1
b) 1 और 2
c) 2 और 3
d) उपरोक्त में से कोई नहीं

Q.41) Solution (d)

कथन 1	**कथन 2**	**कथन 3**
असत्य	**असत्य**	**असत्य**
विधेयक को मंत्री या निजी सदस्य द्वारा प्रस्तुत किया जा सकता है तथा उसे राष्ट्रपति की पूर्व अनुमति की आवश्यकता नहीं होती है।	प्रत्येक सदन में विधेयक को विशेष बहुमत से पारित किया जाना चाहिए, अर्थात, सदन की कुल सदस्यता का बहुमत (यानी 50 प्रतिशत से अधिक) तथा वर्तमान में सदन उपस्थित और मतदान करने वाले सदस्यों का दो-तिहाई बहुमत।	प्रत्येक सदन को पृथक रूप से विधेयक पारित करना होगा। दोनों सदनों के बीच असहमति के मामले में, विधेयक के विचार-विमर्श और पारित होने के लिए दोनों सदनों की संयुक्त बैठक आयोजित करने का कोई प्रावधान नहीं है।

Q.42) निम्नलिखित में से किस प्रावधान के लिए संसद के विशेष बहुमत तथा आधे राज्य विधान सभाओं की सहमति की आवश्यकता है?

1. राज्य नीति के निर्देशक सिद्धांत
2. राष्ट्रपति का चुनाव
3. सर्वोच्च न्यायालय से संबंधित प्रावधान

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

a) केवल 1
b) 1 और 2
c) 2 और 3
d) उपरोक्त सभी

Q.42) Solution (c)

कथन 1	**कथन 2**	**कथन 3**
असत्य	**सत्य**	**सत्य**
मौलिक अधिकार और राज्य नीति के निर्देशक सिद्धांत संविधान में उन प्रावधानों में से हैं जिन्हें संसद के विशेष बहुमत से संशोधित करने की आवश्यकता होती है।	निम्नलिखित प्रावधानों को संसद के एक विशेष बहुमत द्वारा संशोधित किया जा सकता है तथा एक साधारण बहुमत की आधे राज्य विधानसभाओं से सहमति की भी आवश्यकता होती है: 1. राष्ट्रपति का चुनाव और उसके तरीके। 2. संघ और राज्यों की कार्यकारी शक्ति का विस्तार। 3. सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालय। 4. संघ और राज्यों के बीच विधायी शक्तियों का वितरण। 5. सातवीं अनुसूची में कोई भी सूची। 6. संसद में राज्यों का प्रतिनिधित्व।	

	7. संविधान और उसकी प्रक्रिया में संशोधन के लिए संसद की शक्ति (अनुच्छेद 368 स्वयं)।

Q.43) निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

1. राज्य विधानसभाएँ संविधान में संशोधन के लिए कभी कोई विधेयक या प्रस्ताव नहीं ला सकती हैं।
2. संविधान में संशोधन करने के लिए संसद की शक्ति की सीमा मिनर्वा मिल्स मामले के तहत स्थापित की गई थी।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.43) Solution (b)

कथन 1	**कथन 2**
असत्य	**सत्य**
संविधान में संशोधन करने की शक्ति संसद में निहित है। इसलिए, संयुक्त राज्य अमेरिका के विपरीत, राज्य विधानसभाएं एक मामले को छोड़कर, संविधान में संशोधन के लिए कोई विधेयक या प्रस्ताव नहीं ला सकती हैं, अर्थात, राज्यों में विधान परिषदों के निर्माण या उन्मूलन के लिए संसद से अनुरोध करने का प्रस्ताव पारित करना।	मिनर्वा मिल्स मामले में सुप्रीम कोर्ट के अनुसार, "चूंकि संविधान ने संसद सीमित संशोधन शक्ति प्रदान की थी, संसद उस सीमित शक्ति के अभ्यास के अंतर्गत नहीं आ सकती है जो विस्तृत शक्ति को एक पूर्ण शक्ति में बदल देती है। वास्तव में, एक सीमित संशोधन शक्ति संविधान की मूल विशेषताओं में से एक है तथा इसलिए, उस शक्ति की सीमाएं नष्ट नहीं की जा सकती हैं। दूसरे शब्दों में, संसद अनुच्छेद 368 के तहत, अपनी संशोधित शक्ति का विस्तार नहीं कर सकती है, ताकि संविधान को निरस्त करने या कम करने या इसकी बुनियादी विशेषताओं को नष्ट करने का अधिकार प्राप्त हो सके। एक सीमित शक्ति का कार्य उस शक्ति के अभ्यास से नहीं हो सकता है जो सीमित शक्ति को असीमित में बदल देता है। नोट- केशवानंद भारती मामले ने आधारभूत संरचना सिद्धांत को अधिनियमित किया, लेकिन संसद की संशोधित शक्ति पर सीमा को मिनर्वा मिल्स केस द्वारा स्थापित किया गया था।

Q.44) राष्ट्रपति के चुनाव के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

1. राज्यों की विधानसभाओं के निर्वाचित सदस्य केवल निर्वाचक मंडल में भाग ले सकते हैं।
2. जब कोई विधानसभा भंग होती है, तो सदस्य राष्ट्रपति चुनाव में मतदान करने के लिए योग्य होते हैं, केवल तभी, जब राष्ट्रपति चुनाव से पहले भंग विधानसभा के लिए नए सिरे से चुनाव नहीं हो सकते हैं।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों

d) न तो 1 और न ही 2

Q.44) Solution (a)

कथन 1	कथन 2
सत्य	**असत्य**
राष्ट्रपति का चुनाव सीधे लोगों द्वारा नहीं, बल्कि निर्वाचक मंडल के सदस्यों द्वारा किया जाता है: 1. संसद के दोनों सदनों के निर्वाचित सदस्य; 2. राज्यों की विधानसभाओं के निर्वाचित सदस्य; तथा 3. केंद्र शासित प्रदेशों दिल्ली और पुदुचेरी की विधानसभाओं के निर्वाचित सदस्य।	जहां एक विधानसभा को भंग कर दिया जाता है, वहां के सदस्य राष्ट्रपति चुनाव में मतदान करने के लिए योग्य नहीं होते हैं, भले ही भंग विधानसभा के नए चुनाव राष्ट्रपति चुनाव से पहले न हों।

Q.45) निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

1. अपने पदावधि के दौरान, राष्ट्रपति किसी भी आपराधिक कार्यवाही से प्रतिरक्षित रहता है, यहां तक कि अपने व्यक्तिगत कृत्यों के संबंध में भी।
2. राष्ट्रपति अपने पांच वर्ष के कार्यकाल के बाद भी पद धारण कर सकता है।
3. संसद के किसी भी सदन के नामित सदस्य (nominated members) राष्ट्रपति के महाभियोग में भाग नहीं लेते हैं।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

a) 1 और 2
b) 1 और 3
c) 2 और 3
d) उपरोक्त सभी

Q.45) Solution (a)

कथन 1	कथन 2	कथन 3
सत्य	**सत्य**	**असत्य**
राष्ट्रपति के अपने कार्यकाल के दौरान, राष्ट्रपति किसी भी आपराधिक कार्यवाही से प्रतिरक्षित रहते हैं, यहां तक कि अपने व्यक्तिगत कृत्यों के संबंध में भी।	राष्ट्रपति पांच वर्ष के अपने कार्यकाल के बाद भी तब तक पद संभाल सकते हैं जब तक कि उनके उत्तराधिकारी पदभार नहीं लेते	संसद के दोनों सदनों के नामित सदस्य राष्ट्रपति के महाभियोग में भाग ले सकते हैं

Q.46) राष्ट्रपति की शक्तियों के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही है?

1. वह किसी भी क्षेत्र को अनुसूचित क्षेत्र घोषित कर सकता है।
2. अनुदान की कोई माँग उसकी अनुशंसा के अलावा नहीं की जा सकती।
3. वह चुनाव आयोग के परामर्श से संसद के सदस्यों की अयोग्यता के रूप में प्रश्नों पर निर्णय लेता है।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

a) 1 और 2
b) 1 और 3

c) 2 और 3
d) उपरोक्त सभी

Q.46) Solution (d)

कथन 1	कथन 2	कथन 3
सत्य	सत्य	सत्य
अपनी कार्यकारी शक्तियों के तहत, वह किसी भी क्षेत्र को अनुसूचित क्षेत्र घोषित कर सकता है तथा अनुसूचित क्षेत्रों और जनजातीय क्षेत्रों के प्रशासन के संबंध में अधिकार रखता है।	उनकी वित्तीय शक्तियों के तहत, उनकी सिफारिश के अलावा अनुदान की कोई मांग नहीं की जा सकती है।	अपनी विधायी शक्तियों के तहत, वह चुनाव आयोग के परामर्श से संसद के सदस्यों की अयोग्यता के रूप में प्रश्नों पर निर्णय लेता है।

Q.47) निरपेक्ष वीटो (Absolute veto) का प्रयोग, निम्नलिखित में से किस मामले में नहीं किया जा सकता है?

1. निजी सदस्यों के विधेयक
2. संवैधानिक संशोधन विधेयक
3. धन विधेयक

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

a) 1 और 2
b) केवल 2
c) केवल 3
d) 2 और 3

Q.47) Solution (b)

कथन 1	कथन 2	कथन 3
असत्य	सत्य	असत्य
आमतौर पर, निरपेक्ष वीटो (absolute veto) का प्रयोग निम्नलिखित दो मामलों में किया जाता है: (a) निजी सदस्यों के विधेयक के संबंध में (यानी, संसद के किसी भी सदस्य द्वारा प्रस्तुत किए गए विधेयक जो मंत्री नहीं हैं); तथा (b) कैबिनेट के इस्तीफे के बाद (विधेयकों के पारित होने के बाद लेकिन राष्ट्रपति द्वारा सहमति से पहले) सरकारी बिल के संबंध में और नए कैबिनेट राष्ट्रपति को सलाह देते हैं कि वे ऐसे बिलों के लिए अपनी सहमति न दें।	संवैधानिक संशोधन विधेयक के संबंध में राष्ट्रपति के पास वीटो शक्ति नहीं है। 1971 के 24 वें संवैधानिक संशोधन अधिनियम ने राष्ट्रपति के लिए संवैधानिक संशोधन विधेयक पर अपनी सहमति देना अनिवार्य कर दिया।	राष्ट्रपति या तो धन विधेयक को अपनी सहमति दे सकता है या धन विधेयक के लिए अपनी सहमति वापस ले सकता है लेकिन संसद के पुनर्विचार के लिए इसे वापस नहीं कर सकता है। इसका अर्थ है कि धन विधेयक के मामले में राष्ट्रपति के पास कोई भी निलंबनकारी वीटो शक्ति उपलब्ध नहीं है। वह धन विधेयक के मामले में निरपेक्ष वीटो का प्रयोग कर सकते हैं।

Q.48) सुप्रीम कोर्ट ने विभिन्न मामलों के तहत राष्ट्रपति की क्षमा शक्ति की जांच की तथा निम्नलिखित सिद्धांतों को निर्धारित किया। इस संदर्भ में, निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही है?

1. दया के लिए याचिकाकर्ता को राष्ट्रपति द्वारा मौखिक सुनवाई (oral hearing) का अधिकार है।
2. राष्ट्रपति नए सिरे से साक्ष्यों की जांच कर सकता है तथा न्यायालय द्वारा लिए गए दृष्टिकोण से अलग विचार कर सकता है।
3. राष्ट्रपति अपने आदेश के लिए कारण देने हेतु बाध्य नहीं है।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

a) 1 और 2
b) 1 और 3
c) 2 और 3
d) उपरोक्त सभी

Q.48) Solution (c)

कथन 1	**कथन 2**	**कथन 3**
असत्य	**सत्य**	**सत्य**
उच्चतम न्यायालय ने विभिन्न मामलों के तहत राष्ट्रपति की क्षमा शक्ति की जांच की तथा निम्नलिखित सिद्धांत निर्धारित किए: 1. दया के लिए याचिकाकर्ता को राष्ट्रपति द्वारा मौखिक सुनवाई का कोई अधिकार नहीं है। 2. राष्ट्रपति नए सिरे से साक्ष्यों की जांच कर सकता है और न्यायालय द्वारा लिए गए दृष्टिकोण से अलग विचार कर सकता है। 3. केंद्रीय मंत्रिमंडल की सलाह पर राष्ट्रपति द्वारा शक्ति का प्रयोग किया जाना है। 4. राष्ट्रपति अपने आदेश के लिए कारण देने के लिए बाध्य नहीं है। 5. राष्ट्रपति न केवल एक ऐसे दंड से राहत दे सकता है जिसे वह अनुचित रूप से कठोर मानता है बल्कि एक स्पष्ट गलती से भी दिए गए को। 6. राष्ट्रपति द्वारा शक्ति के प्रयोग के लिए विशिष्ट दिशानिर्देशों को निर्धारित करने के लिए सर्वोच्च न्यायालय की कोई आवश्यकता नहीं है। 7. राष्ट्रपति द्वारा शक्ति का प्रयोग न्यायिक समीक्षा के अधीन नहीं है, सिवाय इसके कि राष्ट्रपति का निर्णय मनमाना, तर्कहीन, गैर-कानूनी या भेदभावपूर्ण न हो।		

Q.49) निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

1. राष्ट्रपति के पास संवैधानिक के साथ-साथ स्थितिजन्य विवेकाधिकार भी है।

2. वह प्रधानमंत्री की नियुक्ति में अपने विवेकाधिकार पर कार्य कर सकता है, जब किसी भी दल के पास लोकसभा में स्पष्ट बहुमत नहीं होता है।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.49) Solution (b)

कथन 1	कथन 2
असत्य	**सत्य**
यद्यपि राष्ट्रपति के पास कोई संवैधानिक विवेकाधिकार नहीं है, उनके पास कुछ स्थितिजन्य विवेकाधिकार हैं। दूसरे शब्दों में, राष्ट्रपति अपने विवेकाधिकार से (अर्थात मंत्रियों की सलाह के बिना) निम्नलिखित स्थितियों में कार्य कर सकते हैं: (i) प्रधानमंत्री की नियुक्ति तब होती है जब किसी भी दल के पास लोकसभा में स्पष्ट बहुमत नहीं होता है या जब कार्यालय में प्रधान मंत्री की अचानक मृत्यु हो जाती है और कोई स्पष्ट उत्तराधिकारी नहीं होता है। (ii) जब वह लोकसभा के विश्वास को प्रमाणित नहीं कर सकता, तो मंत्रिपरिषद का विघटन। (iii) यदि मंत्रिपरिषद ने अपना बहुमत खो दिया है तो लोकसभा का विघटन।	

Q.50) उपराष्ट्रपति के कार्यालय के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

1. उपराष्ट्रपति का चुनाव एकल हस्तांतरणीय मत के माध्यम से आनुपातिक प्रतिनिधित्व की प्रणाली के अनुसार होता है।
2. संविधान के अनुसार, उस पर 'संविधान के उल्लंघन' के लिए महाभियोग लगाया जा सकता है।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.50) Solution (a)

कथन 1	कथन 2
सत्य	**असत्य**
उपराष्ट्रपति का चुनाव, राष्ट्रपति के चुनाव की तरह, एकल हस्तांतरणीय वोट के माध्यम से आनुपातिक प्रतिनिधित्व की प्रणाली के अनुसार आयोजित किया जाता है तथा मतदान गुप्त मतदान द्वारा होता है।	उसके निष्कासन के लिए एक औपचारिक महाभियोग की आवश्यकता नहीं है। उन्हें पूर्ण बहुमत से पारित राज्य सभा के प्रस्ताव के द्वारा हटाया जा सकता है (अर्थात, सदन के कुल सदस्यों का बहुमत) और लोकसभा द्वारा सहमति व्यक्त की जाती है। लेकिन, जब तक कम से कम 14 दिनों की अग्रिम सूचना नहीं दी जाती है, तब तक इस तरह के किसी भी प्रस्ताव को नहीं लाया जा सकता है। विशेष रूप से, उनके निष्कासन के लिए संविधान में किसी भी आधार का उल्लेख नहीं किया गया है।

Q.51) 'भारतीय संविधान के प्रति सच्चा विश्वास और निष्ठा रखना', निम्नलिखित में से किसकी शपथ का हिस्सा है?

1. राष्ट्रपति
2. प्रधान मंत्री
3. मंत्रिपरिषद
4. सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

a) 1,2 और 3
b) 1,3 और 4
c) 2,3 और 4
d) उपरोक्त सभी

Q.51) Solution (c)

कथन 1	कथन 2	कथन 3	कथन 4
असत्य	**सत्य**	**सत्य**	**सत्य**
राष्ट्रपति की शपथ: 1. कार्यालय को ईमानदारी से निष्पादित करने के लिए; 2. संविधान और कानून का संरक्षण, सुरक्षा और बचाव करना; तथा 3. भारत के लोगों की सेवा और कल्याण के लिए स्वयं को समर्पित करना।	प्रधानमंत्री और मंत्रिपरिषद की शपथ 1. भारत के संविधान के प्रति सच्चा विश्वास और निष्ठा रखना, 2. भारत की संप्रभुता और अखंडता को बनाए रखना, 3. ईमानदारी से और कर्तव्यनिष्ठा से अपने कार्यालय के कर्तव्यों का निर्वहन करना, और 4. बिना किसी भय या पक्ष, स्नेह या दुर्भावना के, संविधान और कानून के अनुसार सभी प्रकार के लोगों को समान अधिकार प्रदान करना।		सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश की शपथ: 1. भारत के संविधान के प्रति सच्चा विश्वास और निष्ठा रखना; 2. भारत की संप्रभुता और अखंडता को बनाए रखना; 3. विधिवत और विश्वासपूर्वक और उसकी क्षमता, ज्ञान और निर्णय कार्यालय के कर्तव्यों को बिना किसी डर या पक्ष, स्नेह या दुर्भावना के निभाते हैं; तथा 4. संविधान और कानूनों को बनाए रखना।

Q.52) प्रधान मंत्री कार्यालय के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

1. संविधान के अनुसार, एक व्यक्ति जो संसद के किसी भी सदन का सदस्य नहीं है, उसे छह महीने के लिए प्रधान मंत्री के रूप में नियुक्त किया जा सकता है, जिसके भीतर, उसे संसद के किसी भी सदन का सदस्य बनना चाहिए।
2. वह राष्ट्रपति की प्रसाद पर्यंत्र पद धारण करता है, इसलिए किसी भी समय राष्ट्रपति द्वारा हटाया जा सकता है।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.52) Solution (d)

कथन 1	कथन 2
असत्य	**असत्य**
1997 में, सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि जो व्यक्ति संसद के किसी भी सदन का सदस्य नहीं है, उसे छह महीने के लिए प्रधान मंत्री के रूप में नियुक्त किया जा सकता है, जिसके भीतर उसे संसद के किसी भी सदन का सदस्य बनना चाहिए; अन्यथा, उसका प्रधान मंत्री पद समाप्त हो जायेगा। नोट- संविधान में ऐसा कोई प्रावधान नहीं है।	प्रधानमंत्री का कार्यकाल तय नहीं है और वह राष्ट्रपति के प्रसाद पर्यंत्र के दौरान पद पर रहते हैं। हालांकि, इसका अर्थ यह नहीं है कि राष्ट्रपति किसी भी समय प्रधानमंत्री को हटा सकता है। जब तक प्रधानमंत्री को लोकसभा में बहुमत का समर्थन प्राप्त है, उन्हें राष्ट्रपति द्वारा हटाया नहीं जा सकता है। हालांकि, अगर वह लोकसभा का विश्वास खो देता है, तो उसे इस्तीफा देना चाहिए या राष्ट्रपति उसे हटा सकते हैं।

Q.53) प्रधानमंत्री के कार्यों के बारे में निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही है?

a) वह राय के अंतर के मामले में राष्ट्रपति को एक मंत्री को बर्खास्त करने की सलाह देता है।
b) वह मंत्रियों के वेतन और भत्ते का निर्धारण करता है।
c) वह वित्त आयोग के सदस्यों की नियुक्ति करता है।
d) वह लोकसभा अध्यक्ष (Speaker) की नियुक्ति के लिए राष्ट्रपति को सलाह देता है।

Q.53) Solution (a)

कथन 1	कथन 2	कथन 3	कथन 4
सत्य	**असत्य**	**असत्य**	**असत्य**
प्रधानमंत्री को केंद्रीय मंत्रिपरिषद के प्रमुख के रूप में निम्नलिखित शक्तियां प्राप्त हैं: 1. वह उन लोगों की सिफारिश करता है जिन्हें राष्ट्रपति द्वारा मंत्री के रूप में नियुक्त किया जा सकता है। राष्ट्रपति केवल उन व्यक्तियों को मंत्री के रूप में नियुक्त कर सकते हैं जो प्रधानमंत्री द्वारा अनुशंसित हैं। 2. वह मंत्रियों के बीच विभिन्न विभागों का आवंटन और फेरबदल करता है। 3. वह किसी मंत्री को इस्तीफा देने या राय के अंतर के मामले में उसे हटने	मंत्रियों के वेतन और भत्ते समय-समय पर संसद द्वारा निर्धारित किए जाते हैं।	वह राष्ट्रपति को भारत के महान्यायवादी, भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक, UPSC के अध्यक्ष और सदस्यों, चुनाव आयुक्तों, वित्त आयोग के अध्यक्ष और सदस्यों और ऐसे अन्य महत्वपूर्ण अधिकारियों की नियुक्ति के संबंध में सलाह देता है।	अध्यक्ष (Speaker) का चुनाव लोकसभा द्वारा उसके सदस्यों में से किया जाता है (जैसे उसकी प्रथम बैठक के बाद हो सकता है)।

की सलाह देने के लिए कह सकता है। 4. वह मंत्रिपरिषद की बैठक की अध्यक्षता करता है और उसके निर्णयों को प्रभावित करता है। 5. वह सभी मंत्रियों की गतिविधियों का मार्गदर्शन, निर्देशन, नियंत्रण और समन्वय करता है। 6. वह पद से इस्तीफा देकर मंत्रिपरिषद के पतन का कारण बन सकता है।			

Q.54) 91 वें संवैधानिक संशोधन अधिनियम द्वारा निम्नलिखित में से कौन सा प्रावधान प्रस्तुत किया गया था?

a) राष्ट्रपति को किसी सलाह पर पुनर्विचार करने के लिए मंत्रिपरिषद की आवश्यकता हो सकती है तथा राष्ट्रपति इस तरह के पुनर्विचार के बाद प्रदान की गई सलाह के अनुसार कार्य करेगा।
b) मंत्रिपरिषद में प्रधान मंत्री सहित मंत्रियों की कुल संख्या, लोकसभा के कुल सदस्य संख्या के 15% से अधिक नहीं होगी।
c) दलबदल के आधार पर संसद और राज्य विधानसभाओं के सदस्यों को अयोग्य ठहराने का प्रावधान
d) लोकसभा और राज्य विधान सभा चुनावों के लिए मतदान की आयु 21 वर्ष से घटाकर 18 वर्ष कर दी गई।

Q.54) Solution (b)

कथन a	कथन b	कथन c	कथन d
असत्य	**सत्य**	**असत्य**	**असत्य**
चालीसवां (40) संशोधन अधिनियम, 1978- पुनर्विचार के लिए कैबिनेट की सलाह हेतु राष्ट्रपति को वापस भेजने का अधिकार। लेकिन, राष्ट्रपति पर पुनर्विचार की सलाह बाध्यकारी होती है।	इक्यानवे (91) संशोधन अधिनियम, 2003- केंद्रीय मंत्रिपरिषद में प्रधान मंत्री सहित मंत्रियों की कुल संख्या लोकसभा के कुल सदस्य संख्या के 15% से अधिक नहीं होगी (अनुच्छेद 75 (1 ए))।	बावनवाँ (52) संशोधन अधिनियम, 1985- दलबदल के आधार पर संसद और राज्य विधानसभाओं के सदस्यों को अयोग्य ठहराने का प्रावधान किया गया और इस संबंध में विवरण सहित एक नई दसवीं अनुसूची जोड़ी गई।	एकसठवां (61) संशोधन अधिनियम, 1989- लोकसभा और राज्य विधान सभा चुनावों के लिए मतदान की आयु को 21 वर्ष से घटाकर 18 वर्ष कर दिया गया।

Q.55) संघ कार्यकारिणी (union executive) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

1. राष्ट्रपति मंत्रिपरिषद की सहायता और सलाह के बिना कार्यकारी शक्ति का प्रयोग नहीं कर सकता।
2. मंत्रिपरिषद सामूहिक रूप से लोकसभा के प्रति उत्तरदायी होती है।
3. एक मंत्री जो संसद के एक सदन का सदस्य होता है, उसे दूसरे सदन में मतदान करने और कार्यवाही में भाग लेने का अधिकार होता है।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

a) 1 और 2
b) 1 और 3

c) 2 और 3
d) उपरोक्त सभी

Q.55) Solution (a)

कथन 1	कथन 2	कथन
सत्य	सत्य	असत्य
सर्वोच्च न्यायालय के अनुसार, अनुच्छेद 74 अनिवार्य है तथा इसलिए, राष्ट्रपति मंत्रिपरिषद की सहायता और सलाह के बिना कार्यकारी शक्ति का प्रयोग नहीं कर सकता है।	अनुच्छेद 75 स्पष्ट रूप से बताता है कि मंत्रियों की परिषद सामूहिक रूप से लोकसभा के प्रति उत्तरदायी है इसका अर्थ यह है कि सभी मंत्री अपने सभी कार्य के लिए लोकसभा के प्रति संयुक्त रूप से उत्तरदायी हैं।	एक मंत्री जो संसद के एक सदन का सदस्य होता है, उसे बोलने और दूसरे सदन की कार्यवाही में भाग लेने का अधिकार होता है, लेकिन वह केवल उसी सदन में मतदान कर सकता है, जिसके वह सदस्य हैं।

Q.56) मंत्रिपरिषद में तीन श्रेणी के मंत्री होते हैं, अर्थात् कैबिनेट मंत्री, राज्य मंत्री, और उप मंत्री। निम्नलिखित में से कौन सा कथन गलत है?

1. राज्य मंत्रियों को मंत्रालयों / विभागों का स्वतंत्र प्रभार नहीं मिल सकता है।
2. राज्य मंत्री कैबिनेट की बैठकों में भाग नहीं ले सकते, जब तक कि विशेष रूप से आमंत्रित नहीं किया जाता है।
3. उप मंत्री कैबिनेट के सदस्य बन सकते हैं।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

a) 1 और 2
b) 1 और 3
c) 2 और 3
d) उपरोक्त सभी

Q.56) Solution (b)

कथन 1	कथन 2	कथन 3
असत्य	सत्य	असत्य
राज्य मंत्रियों को या तो मंत्रालयों / विभागों का स्वतंत्र प्रभार दिया जा सकता है या उन्हें कैबिनेट मंत्रियों से संबद्ध किया जा सकता है।	राज्य मंत्री कैबिनेट के सदस्य नहीं होते हैं तथा कैबिनेट की बैठकों में शामिल नहीं होते हैं जब तक कि विशेष रूप से आमंत्रित नहीं किया जाता है जब उनके मंत्रालयों / विभागों से संबंधित कुछ को कैबिनेट द्वारा माना जाता है।	उप मंत्री कैबिनेट के सदस्य नहीं हैं तथा कैबिनेट की बैठकों में शामिल नहीं होते हैं।

Q.57) 'मंत्रिपरिषद' और 'मंत्रिमंडल' शब्दों का उपयोग अक्सर परस्पर विनिमय के लिए किया जाता है, हालांकि उनके बीच एक निश्चित अंतर है। मंत्रिपरिषद और मंत्रिमंडल के बीच अंतर के बारे में निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही है?

1. मंत्रिपरिषद के पास मंत्रिमंडल की तुलना में कोई सामूहिक कार्य नहीं होता है जो आम तौर पर सप्ताह में एक बार बैठक करके जानकारी प्राप्त करता है और सरकारी व्यवसाय के संचालन के बारे में निर्णय लेने के लिए होता है।

2. मंत्रिपरिषद मंत्रिमंडल द्वारा अपने निर्णयों के कार्यान्वयन का पर्यवेक्षण करती है।
3. मंत्रिपरिषद, मंत्रिमंडल की तुलना में मंत्रियों की संख्या के संदर्भ में एक व्यापक निकाय है।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

a) 1 और 2
b) 1 और 3
c) 2 और 3
d) उपरोक्त सभी

Q.57) Solution (b)

कथन 1	कथन 2	कथन 3
सत्य	**असत्य**	**सत्य**
सरकारी कार्य संचालन हेतु, मंत्रिपरिषद एक निकाय के रूप में नहीं मिलती है। इसका कोई सामूहिक कार्य नहीं है। कैबिनेट, एक निकाय के रूप में, अक्सर मिलता है तथा जो आम तौर पर सप्ताह में एक बार बैठक करके जानकारी प्राप्त करता है और सरकारी व्यवसाय के संचालन के बारे में निर्णय लेने के लिए होता है। इस प्रकार, इसके सामूहिक कार्य हैं।	मंत्रिमंडल मंत्रिपरिषद द्वारा अपने निर्णयों के कार्यान्वयन का पर्यवेक्षण करता है।	मंत्रिपरिषद एक व्यापक निकाय है जिसमें 60 से 70 मंत्री होते हैं। मंत्रिमंडल एक छोटा निकाय है जिसमें 15 से 20 मंत्री होते हैं।

Q.58) कैबिनेट समितियों के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

1. ये व्यापार के नियमों (Rules of Business) के तहत स्थापित किए गए हैं।
2. यदि प्रधान मंत्री किसी समिति का सदस्य है, तो वह सदैव इसकी अध्यक्षता करता है।
3. संसदीय मामलों की समिति की अध्यक्षता वित्त मंत्री करते हैं।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

a) 1 और 2
b) 1 और 3
c) 2 और 3
d) उपरोक्त सभी

Q.58) Solution (a)

कथन 1	कथन 2	कथन 3
सत्य	**सत्य**	**असत्य**
मंत्रिमंडल समितियाँ अतिरिक्त संवैधानिक हैं। दूसरे शब्दों में, संविधान में उनका उल्लेख नहीं है। हालांकि, व्यापार के नियम उनकी	वे ज्यादातर प्रधान मंत्री के नेतृत्व में हैं। कुछ बार अन्य कैबिनेट मंत्री, विशेष रूप से गृह मंत्री या वित्त मंत्री भी इसके अध्यक्ष के रूप में कार्य करते हैं। लेकिन,	संसदीय मामलों की समिति वर्तमान में रक्षा मंत्री की अध्यक्षता में है।

स्थापना के लिए प्रावधान प्रदान करते हैं।	यदि प्रधान मंत्री किसी समिति का सदस्य होता है, तो वह निश्चित रूप से इसकी अध्यक्षता करता है।	

Q.59) भारत के महान्यायवादी के कार्यालय के लिए योग्यता संबंधी निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

1. उसे भारत का नागरिक होना चाहिए।
2. वह राष्ट्रपति के विचार में पाँच वर्षों के लिए किसी उच्च न्यायालय का न्यायाधीश या दस वर्षों के लिए किसी उच्च न्यायालय का अधिवक्ता या एक प्रतिष्ठित न्यायविद रहा होगा।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.59) Solution (c)

कथन 1	कथन 2
सत्य	**सत्य**
महान्यायवादी को एक ऐसा व्यक्ति होना चाहिए जो सर्वोच्च न्यायालय का न्यायाधीश नियुक्त होने के योग्य हो। दूसरे शब्दों में, वह भारत का नागरिक होना चाहिए तथा वह राष्ट्रपति के विचार में पांच वर्ष के लिए किसी उच्च न्यायालय का न्यायाधीश या दस वर्ष के लिए किसी उच्च न्यायालय का अधिवक्ता या एक प्रतिष्ठित न्यायविद रहा होगा।	

Q.60) भारत के महान्यायवादी के कार्यालय के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

1. महान्यायवादी उन सभी विशेषाधिकारों और प्रतिरक्षाओं का आनंद लेता है जो संसद के सदस्य के लिए उपलब्ध हैं।
2. अपने निजी कानूनी व्यवहार में, वह भारत सरकार की अनुमति के बिना आपराधिक अभियोगों में आरोपी व्यक्तियों की रक्षा कर सकता है।
3. वह केंद्रीय कैबिनेट का सदस्य है।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

a) केवल 1
b) 1 और 2
c) 1 और 3
d) केवल 2

Q.60) Solution (a)

कथन 1	कथन 2	कथन 3
सत्य	**असत्य**	**असत्य**
महान्यायवादी उन सभी विशेषाधिकारों और प्रतिरक्षाओं का आनंद लेता है जो संसद के सदस्य के लिए उपलब्ध हैं।	कर्तव्य की किसी भी जटिलता और संघर्ष से बचने के लिए महान्यायवादी पर सीमाएं लगाई जाती हैं। उनमें से एक है, उसे भारत सरकार की अनुमति के	महान्यायवादी केंद्रीय कैबिनेट का सदस्य नहीं है। सरकारी स्तर पर कानूनी मामलों की देखभाल के लिए केंद्रीय कैबिनेट में एक अलग कानून

	बिना आपराधिक मुकदमों में आरोपी व्यक्तियों का बचाव नहीं करना चाहिए।	मंत्री होता है।

Q.61) संसद के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

1. भारतीय प्रणाली अमेरिकी पैटर्न के समान है जहां राष्ट्रपति संसद का अभिन्न अंग है।
2. नौ केंद्र शासित प्रदेशों में से केवल तीन का लोकसभा में प्रतिनिधित्व है।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.61) Solution (d)

कथन 1	कथन 2
असत्य	**असत्य**
भारतीय प्रणाली ब्रिटिश प्रणाली के समान है जहां राष्ट्रपति संसद का अभिन्न अंग होता है। अमेरिकी राष्ट्रपति विधायिका का अभिन्न अंग नहीं हैं।	नौ केंद्र शासित प्रदेशों में से केवल तीन (दिल्ली, पुडुचेरी और जम्मू और कश्मीर) का राज्यसभा में प्रतिनिधित्व है। सभी केंद्र शासित प्रदेशों का लोकसभा में प्रतिनिधित्व है।

Q.62) निम्नलिखित में से किसका संविधान में उल्लेख नहीं है?

a) मंत्रिमंडल
b) लाभ का पद
c) चुनाव आयुक्त
d) उपरोक्त सभी संविधान में उल्लिखित हैं

Q.62) Solution (d)

संविधान में उपरोक्त तीनों का उल्लेख है।

कथन a	कथन b	कथन c
सत्य	**सत्य**	**सत्य**
अनुच्छेद 352 के अनुसार, राष्ट्रपति केवल मंत्रिमंडल की लिखित सिफारिशों पर आपातकाल लगाएगा।	अनुच्छेद 324 में अन्य चुनाव आयुक्तों का उल्लेख है	अनुच्छेद 102 (1) (ए) और 191 (1) (ए) में लाभ के पद के बारे में वर्णन है।

Q.63) परिसीमन आयोग के बारे में निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही है?

1. आयोग का अध्यक्ष सदैव भारत का मुख्य चुनाव आयुक्त होगा।

2. आयोग की रिपोर्ट के संबंध में विवाद के मामले में, अपील केवल भारत के राष्ट्रपति की पूर्व अनुमति के साथ ही उच्चतम न्यायालय में की जा सकती है।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.63) Solution (d)

कथन 1	**कथन 2**
असत्य	**असत्य**
परिसीमन आयोग में तीन सदस्य होते हैं: a) केंद्र सरकार द्वारा नियुक्त किए जाने वाले अध्यक्ष (सर्वोच्च न्यायालय के एक न्यायाधीश)। b) मुख्य चुनाव आयुक्त या एक चुनाव आयुक्त, मुख्य चुनाव आयुक्त द्वारा पदेन सदस्य के रूप में नामित किया जाता है। c) संबंधित राज्य के राज्य निर्वाचन आयुक्त, पदेन सदस्य के रूप में ही।	भारत में परिसीमन आयोग एक उच्च शक्ति निकाय है, जिसके आदेशों में कानून की शक्ति होती है तथा किसी भी न्यायालय के समक्ष इसे प्रश्न नहीं कहा जा सकता है।

Q.64) राज्य सभा संसद में राज्य सूची में एक मामले पर कानून बनाने के लिए एक प्रस्ताव पारित कर सकती है। राज्यसभा की इस शक्ति के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

1. इस तरह के प्रस्ताव को पूर्ण बहुमत (absolute majority) से पारित किया जाना चाहिए।
2. जब तक राज्य इसके समापन के लिए अनुरोध नहीं करते तब तक यह संकल्प अनिश्चित काल तक लागू रहता है।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.64) Solution (d)

कथन 1	**कथन 2**
असत्य	**असत्य**
यदि राज्यसभा यह घोषणा करती है कि राष्ट्रहित में यह आवश्यक है कि संसद राज्य सूची में किसी मामले पर कानून बनाये, तो संसद उस मामले पर कानून बनाने के लिए सक्षम हो जाती है। इस तरह के प्रस्ताव को उपस्थित और मतदान करने वाले दो-तिहाई सदस्यों (विशेष बहुमत) द्वारा समर्थित	प्रस्ताव एक वर्ष तक लागू रहता है; इसे किसी भी समय नवीनीकृत किया जा सकता है लेकिन एक बार में एक वर्ष से अधिक नहीं। प्रस्ताव के समाप्त होने के छह महीने बाद लागु होने वाले कानूनों का प्रभाव समाप्त हो जाता है।

होना चाहिए।	

Q.65) संसद के सदस्य के रूप में चुने जाने के लिए निम्नलिखित में से कौन सी अयोग्यताओं को संविधान द्वारा निर्धारित किया गया है?

1. वह संघ या राज्य सरकार के अधीन लाभ का कोई भी पद रखता है
2. वह भारत का नागरिक नहीं है
3. उसे दो या अधिक वर्षों के कारावास के लिए किसी भी अपराध के परिणामस्वरूप दोषी ठहराया गया है

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

a) 1 और 2
b) 1 और 3
c) 2 और 3
d) उपरोक्त सभी

Q.65) Solution (a)

कथन 1	**कथन 2**	**कथन 3**
सत्य	**सत्य**	**असत्य**
संविधान के तहत, एक व्यक्ति को संसद के सदस्य के रूप में चुने जाने के लिए अयोग्य घोषित किया जाएगा: 1. यदि वह संघ या राज्य सरकार (संसद द्वारा मुक्त किसी मंत्री या किसी अन्य कार्यालय को छोड़कर) के तहत किसी भी लाभ का पद धारण करता है। 2. यदि वह विकृत बुध्दि का है और न्यायालय द्वारा घोषित किया गया है। 3. यदि वह एक अघोषित दिवालिया है। 4. यदि वह भारत का नागरिक नहीं है या उसने स्वेच्छा से किसी विदेशी राज्य की नागरिकता प्राप्त कर ली है या किसी विदेशी राज्य के प्रति निष्ठा की किसी भी स्वीकृति के अधीन है; तथा 5. यदि वह संसद द्वारा बनाए गए किसी कानून के तहत अयोग्य है।		संसद ने जन प्रतिनिधित्व अधिनियम (1951) में निम्नलिखित अतिरिक्त अयोग्यता को निर्धारित किया है: 1. वह चुनावों में कुछ विशेष अपराधों या भ्रष्ट आचरण का दोषी नहीं पाया गया हो। 2. उसे दो या अधिक वर्षों के कारावास के लिए किसी भी अपराध के परिणामस्वरूप दोषी ठहराया गया हो। लेकिन, निवारक निरोध कानून के तहत किसी व्यक्ति को हिरासत में लेना अयोग्यता नहीं है। 3. वह समय के भीतर अपने चुनावी खर्चों का लेखा-जोखा रखने में विफल नहीं रहा हो। 4. उसका सरकारी अनुबंधों, कार्यों या सेवाओं में कोई हित नहीं होना चाहिए। 5. वह एक निदेशक या प्रबंध एजेंट नहीं होना चाहिए और न ही एक निगम में लाभ का पद धारण करना चाहिए जिसमें सरकार का कम से कम 25 प्रतिशत हिस्सा हो। 6. उन्हें भ्रष्टाचार या राज्य के प्रति अनिष्ठा के लिए सरकारी सेवा से बर्खास्त नहीं किया गया होगा। 7. उसे विभिन्न समूहों के बीच शत्रुता को बढ़ावा देने या रिश्वत के अपराध के लिए दोषी नहीं ठहराया जाना चाहिए था। 8. अस्पृश्यता, दहेज और सती जैसे सामाजिक अपराधों के प्रचार और अभ्यास

	के लिए उन्हें दंडित नहीं किया गया हो।

Q.66) राज्य सभा भारत की संसद का उच्च सदन (द्वितीय चैंबर) है, जो भारतीय संघ के राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों का प्रतिनिधित्व करता है। संसद के उच्च सदन के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा कथन गलत है / हैं?

1. राज्यसभा का गठन पहली बार 26 जनवरी 1950 को किया गया था।
2. संविधान ने राज्यसभा के सदस्यों के पद का कार्यकाल छह वर्ष निर्धारित किया है।
3. राज्यसभा में सीटों का आवंटन, संयुक्त राज्य अमेरिका की सीनेट के समान है।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

a) 1 और 2
b) 2 और 3
c) केवल 3
d) उपरोक्त सभी

Q.66) Solution (d)

कथन 1	**कथन 2**	**कथन 3**
असत्य	**असत्य**	**असत्य**
1952 में राज्यसभा पहली बार गठित की गई थी।	संविधान ने राज्य सभा के सदस्यों के कार्यालय का कार्यकाल तय नहीं किया है इसे संसद के लिए इसे छोड़ दिया। तदनुसार, संसद में जनप्रतिनिधित्व अधिनियम (1951) में यह प्रावधान है कि राज्य सभा के सदस्य के पद का कार्यकाल छह वर्ष का होगा।	राज्यसभा में जनसंख्या के आधार पर राज्यों को सीटें आवंटित की जाती हैं। इसलिए, प्रतिनिधियों की संख्या राज्य से अलग-अलग होती है। संयुक्त राज्य अमेरिका में, सभी राज्यों को उनकी आबादी के बावजूद सीनेट में समान प्रतिनिधित्व दिया जाता है। संयुक्त राज्य अमेरिका में 50 राज्य हैं और प्रत्येक राज्य से सीनेट के 100 सदस्य हैं।

Q.67) लोकसभा के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

1. लोक सभा की उत्पत्ति 1853 के चार्टर अधिनियम से की जा सकती है।
2. लोकसभा की अधिकतम सदस्य संख्या 550 तय की गई है।
3. प्रधान मंत्री सदैव लोकसभा के लिए सदन के नेता के रूप में कार्य करते हैं।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही कथन चुनें

a) केवल 1
b) 2 और 3
c) 1 और 3
d) उपरोक्त सभी

Q.67) Solution (a)

कथन 1	**कथन 2**	**कथन 3**
सत्य	**असत्य**	**असत्य**

1853 के चार्टर एक्ट में लोकसभा की उत्पत्ति का पता लगाया जा सकता है। 1853 के चार्टर एक्ट ने पहली बार 12 सदस्यीय विधान परिषद के रूप में सीमित विधायिका प्रदान की।	लोकसभा की अधिकतम सदस्य संख्या 552 पर निर्धारित है। इसमें से 530 सदस्य राज्यों के प्रतिनिधि हैं, 20 सदस्य केंद्र शासित प्रदेशों के प्रतिनिधियों और 2 सदस्यों को एंग्लो-इंडियन समुदाय से राष्ट्रपति द्वारा नामित किया जाना है	प्रधान मंत्री 'सदन के नेता' के रूप में कार्य करता है, यदि वह लोकसभा का सदस्य है, अन्यथा वह मंत्री जो लोकसभा का सदस्य है और प्रधानमंत्री द्वारा नामित किया जाता है, 'सदन के नेता' के रूप में कार्य करता है'।

Q.68) लोकसभा अध्यक्ष के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

1. वह मत बराबर होने के मामले में एक निर्णायक मत डालता है।
2. वह सदन में मतदान नहीं कर सकता है जब उसके निष्कासन का प्रस्ताव सदन में विचाराधीन हो।
3. वह लोकसभा के विघटन के बाद भी अपने पद पर बने रहते हैं।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही कथन चुनें

a) केवल 1
b) 2 और 3
c) 1 और 3
d) उपरोक्त सभी

Q.68) Solution (c)

कथन 1	कथन 2	कथन 3
सत्य	**असत्य**	**सत्य**
आम तौर पर, अध्यक्ष पहली बार में वोट नहीं करता है। लेकिन वह बराबर मत होने के मामले में एक निर्णायक मत डाल सकता है।	जब अध्यक्ष को हटाने का प्रस्ताव सदन के विचाराधीन होता है, तो वह सदन के बैठक में अध्यक्षता नहीं कर सकता, हालांकि वह उपस्थित हो सकता है। हालांकि, वह ऐसे समय में सदन की कार्यवाही में भाग ले सकते हैं तथा पहली बार में मतदान कर सकते हैं, हालांकि वोटों की समानता के मामले में नहीं।	जब भी लोकसभा को भंग किया जाता है, अध्यक्ष अपना पद नहीं छोड़ता है तथा तब तक जारी रखता है जब तक कि नव-निर्वाचित लोकसभा की पहली बैठक नहीं हो जाती।

Q.69) धन विधेयक के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

1. एक धन विधेयक केवल एक मंत्री द्वारा प्रस्तुत किया जा सकता है।
2. राज्य सभा धन विधेयक को अस्वीकार या संशोधित नहीं कर सकती है।
3. राष्ट्रपति विधेयक को अपनी सहमति देने से मना नहीं कर सकते हैं।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही कथन चुनें

a) 1 और 2
b) 1 और 3
c) 2 और 3
d) उपरोक्त सभी

Q.69) Solution (a)

कथन 1	कथन 2	कथन 3
सत्य	**सत्य**	**असत्य**
संविधान का अनुच्छेद 110 धन विधेयकों की परिभाषा से संबंधित है। इस तरह के हर विधेयक को सरकारी विधेयक माना जाता है और इसे केवल एक मंत्री द्वारा ही प्रस्तुत किया जा सकता है।	राज्यसभा ने धन विधेयक के संबंध में शक्तियों को प्रतिबंधित कर दिया है। यह धन विधेयक को अस्वीकार या संशोधित नहीं कर सकती है।	जब एक धन विधेयक राष्ट्रपति के समक्ष प्रस्तुत किया जाता है, तो वह या तो विधेयक को अपनी सहमति दे सकता है या विधेयक के लिए अपनी सहमति रोक सकता है, लेकिन सदनों के पुनर्विचार के लिए विधेयक वापस नहीं कर सकता है।

Q.70) बजट के अधिनियमन के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा संवैधानिक प्रावधान गलत है?

a) संसद कर बढ़ा नहीं सकती है।
b) राज्य सभा अनुदान की माँग पर मतदान नहीं कर सकती।
c) एक धन विधेयक के विपरीत, कराधान से संबंधित एक वित्त विधेयक राज्यसभा में प्रस्तुत किया जा सकता है।
d) कानून के अधिकार को छोड़कर कोई कर नहीं लगाया जाएगा।

Q.70) Solution (c)

<table>
<tr><th>कथन 1</th><th>कथन 2</th><th>कथन 3</th><th>कथन 4</th></tr>
<tr><td>सत्य</td><td>सत्य</td><td>असत्य</td><td>सत्य</td></tr>
<tr><td colspan="4">भारत के संविधान में बजट के अधिनियमन के संबंध में निम्नलिखित प्रावधान हैं:
1. राष्ट्रपति प्रत्येक वित्तीय वर्ष के संबंध में संसद के दोनों सदनों के समक्ष भारत सरकार के अनुमानित प्राप्तियों और व्यय का विवरण देने के लिए निर्धारित किया जाएगा।
2. राष्ट्रपति की सिफारिश के अलावा अनुदान की कोई मांग नहीं की जाएगी।
3. कानून द्वारा किए गए विनियोग के अतिरिक्त भारत के समेकित कोष से कोई धन नहीं निकाला जाएगा।
4. कर लगाने वाला कोई भी धन विधेयक संसद में राष्ट्रपति की सिफारिश के अतिरिक्त प्रस्तुत नहीं किया जाएगा, तथा ऐसा बिल राज्य सभा में प्रस्तुत नहीं किया जाएगा।
5. कानून के अधिकार के अलावा कोई कर नहीं लगाया जाएगा या एकत्र नहीं किया जाएगा।
6. संसद एक कर को कम या समाप्त कर सकती है लेकिन इसे बढ़ा नहीं सकती है।
7. संविधान ने संसद के दोनों सदनों की सापेक्ष भूमिकाओं या स्थिति को बजट के अधिनियमन के संबंध में निम्न प्रकार से परिभाषित किया है:
(a) कराधान से संबंधित धन विधेयक या वित्त विधेयक राज्यसभा में प्रस्तुत नहीं किया जा सकता है - इसे केवल लोकसभा में प्रस्तुत किया जाना चाहिए।
(b) राज्य सभा को अनुदान की माँग पर मतदान करने की कोई शक्ति नहीं है; यह लोकसभा का विशेष विशेषाधिकार है।
(c) राज्यसभा को धन विधेयक (या वित्त विधेयक) को चौदह दिनों के भीतर लोकसभा में वापस करना चाहिए। लोकसभा इस संबंध में राज्यसभा द्वारा की गई सिफारिशों को स्वीकार या अस्वीकार कर सकती है।
8. बजट में सन्निहित व्यय के अनुमान भारत के समेकित कोष पर भारित तथा भारत के समेकित कोष से किए गए व्यय को अलग-अलग दर्शाएंगे।
9. बजट राजस्व खाते पर व्यय को अन्य व्यय से अलग करेगा।
10. भारत के समेकित कोष पर भारित व्यय संसद में मत के लिए प्रस्तुत नहीं किया जाएगा। हालाँकि, इस पर संसद में चर्चा की जा सकती है।</td></tr>
</table>

Q.71) राष्ट्रपति चुनाव में मतदान का अधिकार एक है

a) प्राकृतिक अधिकार
b) संवैधानिक अधिकार
c) मौलिक अधिकार
d) वैधानिक अधिकार

Q.71) Solution (d)

संवैधानिक अधिकार वे हैं जिनका संविधान में स्पष्ट उल्लेख किया गया है।

अनुच्छेद 54 में राष्ट्रपति चुनाव और निर्वाचक मंडल के सदस्यों के बारे में उल्लेख किया गया है, लेकिन उनके वोट के अधिकार के बारे में नहीं। जनप्रतिनिधित्व कानून के तहत इस पर ध्यान दिया जाता है। तो यह एक वैधानिक अधिकार है।

Q.72) राज्यसभा चुनाव के बारे में निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही है / हैं?

1. लोक सभा चुनावों में गुप्त मतपत्रों के उपयोग के विपरीत, राज्यसभा चुनावों में खुले मतपत्रों का उपयोग किया जाता है।
2. लोकसभा चुनावों की तरह ही, राज्यसभा चुनावों में भी NOTA (उपरोक्त में से कोई नहीं) विकल्प के उपयोग की अनुमति है।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.72) Solution (a)

कथन 1	कथन 2
सत्य	असत्य
लोकसभा के आम चुनावों के विपरीत, जो गुप्त मतपत्रों (या वोटों) के साथ आयोजित किए जाते हैं और बहुमत के सिद्धांत (first past the post principle) के आधार पर होते है, राज्यसभा चुनाव में खुले मतपत्र उपयोग किए जाते हैं। ये चुनाव एकल हस्तांतरणीय मत के आधार पर आनुपातिक प्रतिनिधित्व प्रणाली का पालन करते हैं।	चुनाव आयोग ने उच्चतम न्यायालय के निर्देश के बाद राज्यसभा और विधान परिषद चुनावों के मतदान पत्रों में से (NOTA) विकल्प को समाप्त ले लिया है।

Q.73) 'सचेतक के कार्यालय' (office of whip) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें।

1. सदन के नियमों में 'सचेतक' के कार्यालय का उल्लेख किया गया है।
2. सचेतक की अवधारणा एक भारतीय नवाचार है।
3. कुछ मामले हैं जैसे कि राष्ट्रपति चुनाव जहां सचेतक एक संसद सदस्य (सांसद) या विधान सभा के सदस्य (विधायक) को किसी विशेष पक्ष में मतदान करने का निर्देश नहीं दे सकते।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही कथन चुनें

a) 1 और 2
b) केवल 2
c) केवल 3

d) 2 और 3

Q.73) Solution (c)

कथन 1	कथन 2	कथन 3
असत्य	**असत्य**	**सत्य**
‘सचेतक’ के कार्यालय का उल्लेख न तो भारत के संविधान में है और न ही सदन के नियमों में और न ही संसदीय क़ानून में। यह संसदीय सरकार के कन्वेंशन पर आधारित है।	भारत को ब्रिटिश संसदीय प्रणाली से सचेतक की अवधारणा विरासत में मिली।	ऐसे कुछ मामले हैं जैसे कि राष्ट्रपति चुनाव जहां सचेतक एक संसद सदस्य (सांसद) या विधान सभा के सदस्य (विधायक) को किसी खास पक्ष में मतदान करने का निर्देश नहीं दे सकते।

Q.74) संसद के सत्रों के बारे में निम्नलिखित में से कौन सा कथन गलत है?

1. सदन की पहली बैठक और उसके सत्रावसान के बीच की अवधि को 'अवकाश' कहा जाता है।
2. स्थगन की शक्ति सदन के पीठासीन अधिकारी के पास है जबकि अनिश्चित कालीन स्थगन के लिए, यह शक्ति राष्ट्रपति के पास होती है।
3. सत्रावसान सदन के समक्ष लंबित विधेयक या किसी अन्य व्यवसाय को समाप्त कर देता है।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही कथन चुनें

a) 1 और 2
b) 1 और 3
c) 2 और 3
d) उपरोक्त सभी

Q.74) Solution (d)

कथन 1	कथन 2	कथन 3
असत्य	**असत्य**	**असत्य**
संसद का एक ‘सत्र’ किसी सदन के पहली बैठक और उसके सत्रावसान (या लोकसभा के मामले में विघटन) के बीच फैली अवधि है। एक सत्र के दौरान, सदन प्रतिदिन कार्यसंचालन को पूरा करता है। एक नए सत्र में किसी सदन के सत्रावसान और उसके पुनः मिलने के बीच की अवधि को 'अवकाश' कहा जाता है।	स्थगन के साथ-साथ अनिश्चित कालीन स्थगन की शक्ति सदन के पीठासीन अधिकारी के पास होती है।	सत्रावसान सदन के समक्ष लंबित विधेयक या किसी अन्य व्यवसाय को प्रभावित नहीं करता है। हालांकि, अगले सत्र के लिए सभी लंबित नोटिस (बिल प्रस्तुत करने के अलावा अन्य) को सत्रावसान में समाप्त हो जाती है। ब्रिटेन में, सत्रावसान सभी बिलों या सदन के समक्ष लंबित किसी अन्य व्यवसाय को समाप्त कर देती है।

Q.75) निम्नलिखित में से कौन सा विधेयक लोकसभा के भंग होने पर समाप्त नहीं होता है?

1. एक विधेयक जो लोकसभा में लंबित है
2. एक विधेयक जो राज्यसभा में लंबित है लेकिन लोकसभा द्वारा पारित नहीं किया गया है
3. एक विधेयक जो लोकसभा द्वारा पारित किया गया था लेकिन राज्यसभा में लंबित है

4. दोनों सदनों द्वारा पारित विधेयक लेकिन राष्ट्रपति द्वारा सदनों को पुनर्विचार के लिए लौटाया गया है

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही कथन चुनें

a) 1,2 और 3
b) 2 और 4
c) 3 और 4
d) 1,3 और 4

Q.75) Solution (b)

कथन 1	कथन 2	कथन 3	कथन 4
असत्य	सत्य	असत्य	सत्य
लोक सभा के विघटन पर बिलों के समापन के संबंध में स्थिति निम्नानुसार है: 1. लोक सभा में लंबित एक विधेयक (चाहे वह लोकसभा में उत्पन्न हो या राज्यसभा द्वारा प्रेषित हो)। 2. लोकसभा द्वारा पारित एक विधेयक, लेकिन राज्यसभा में लंबित है। 3. असहमति के कारण दोनों सदनों द्वारा पारित नहीं किया गया एक विधेयक तथा यदि राष्ट्रपति ने लोकसभा के विघटन से पहले संयुक्त बैठक के आयोजन को अधिसूचित किया है, तो समाप्त नहीं होता है। 4. राज्यसभा में लंबित एक विधेयक, लेकिन लोकसभा द्वारा अभी पारित नहीं हुआ विधेयक समाप्त नहीं होगा। 5. दोनों सदनों द्वारा पारित विधेयक, लेकिन राष्ट्रपति की सहमति हेतु लंबित विधेयक समाप्त नहीं होता है। 6. दोनों सदनों द्वारा पारित विधेयक लेकिन राष्ट्रपति द्वारा सदनों के पुनर्विचार के लिए लौटाया गया विधेयक समाप्त नहीं होता है।			

Q.76) संसद में प्रश्नकाल के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

1. तारांकित प्रश्न के लिए एक मौखिक उत्तर की आवश्यकता होती है तथा पूरक प्रश्न नहीं पूछे जा सकते हैं।
2. एक अतारांकित प्रश्न के लिए लिखित उत्तर की आवश्यकता होती है तथा पूरक प्रश्न नहीं पूछे जा सकते हैं।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.76) Solution (b)

कथन 1	कथन 2
असत्य	सत्य
तारांकित प्रश्न (तारांकन द्वारा प्रतिष्ठित) के लिए एक मौखिक उत्तर की आवश्यकता होती है तथा इसलिए पूरक प्रश्नों को पूछा जा सकता है।	एक अतारांकित प्रश्न के लिए लिखित उत्तर की आवश्यकता होती है तथा इसलिए, पूरक प्रश्नों को नहीं पूछा जा सकता है।

Q.77) संसदीय कार्यवाही के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा कथन गलत है / हैं?

1. प्रत्येक संसदीय बैठक का पहला घंटा शून्य काल के लिए रखा गया है।
2. प्रश्नकाल के विपरीत, प्रक्रिया के नियमों (Rules of Procedure) में शून्य काल का उल्लेख किया गया है।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही कथन चुनें

a) केवल 1

b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.77) Solution (c)

कथन 1	कथन 2
असत्य	असत्य
प्रत्येक संसदीय बैठक का पहला घंटा प्रश्नकाल के लिए रखा गया है।	प्रश्नकाल के विपरीत, प्रक्रिया के नियमों में शून्य काल का उल्लेख नहीं किया गया है। इस प्रकार यह बिना किसी पूर्व सूचना के मामलों को उठाने के लिए संसद के सदस्यों के लिए एक अनौपचारिक उपकरण है।

Q.78) निम्नलिखित में से कौन संसद के सदस्य की दलबदल के आधार पर अयोग्यता के प्रश्न निर्णय लेता है?
a) भारत के राष्ट्रपति
b) चुनाव आयोग
c) सर्वोच्च न्यायालय
d) सदन के पीठासीन अधिकारी

Q.78) Solution (d)

दसवीं अनुसूची के तहत अयोग्यता के प्रश्न पर निर्णय लोकसभा के मामले में अध्यक्ष द्वारा और राज्यसभा के मामले में सभापति द्वारा लिया जाता है (और भारत के राष्ट्रपति द्वारा नहीं)।

Q.79) निम्नलिखित कथनों पर विचार करें
1. संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों के लिए निर्वाचकों का पंजीकरण
2. संसद की सदस्यता के लिए योग्यता और अयोग्यता
3. राजनीतिक दलों का पंजीकरण
4. चुनाव संबंधी विवाद

उपर्युक्त में से कौन सा प्रावधान जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 में मौजूद हैं?
a) 1,2 और 3
b) 1,3 और 4
c) 2,3 और 4
d) उपरोक्त सभी

Q.79) Solution (c)

कथन 1	कथन 2	कथन 3	कथन 4
असत्य	सत्य	सत्य	सत्य
जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों तथा विधानसभा और परिषद	जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 में निम्नलिखित चुनावी मामलों से संबंधित प्रावधान शामिल हैं: 1. संसद और राज्य विधानसभाओं की सदस्यता के लिए योग्यता और अयोग्यता 2. आम चुनाव की अधिसूचना		

निर्वाचन क्षेत्रों के लिए मतदाताओं के पंजीकरण के लिए प्रदान किया गया, और इस तरह के पंजीकरण के लिए योग्यता और अयोग्यता।	3. चुनाव के संचालन के लिए प्रशासनिक मशीनरी 4. राजनीतिक दलों का पंजीकरण 5. चुनाव का संचालन 6. मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के उम्मीदवारों को कुछ सामग्री की मुफ्त आपूर्ति 7. चुनाव को लेकर विवाद 8. भ्रष्ट आचरण और चुनावी अपराध

Q.80) निम्नलिखित में से कौन सी स्थिति एक राजनीतिक दल को राष्ट्रीय पार्टी के रूप में मान्यता देने के योग्य बनाती है?

1. यदि यह चार या उससे अधिक राज्यों में लोक सभा के लिए एक आम चुनाव में मतदान किए गए वैध मतों में से छह प्रतिशत प्राप्त करता है तथा इसके अलावा, यह राज्य की किसी भी लोकसभा से दो सीटें जीतता है।
2. यदि यह आम चुनाव में लोकसभा की दो प्रतिशत सीटें जीतता है तथा ये उम्मीदवार तीन राज्यों से चुने जाते हैं
3. यदि इसे चार राज्यों में राज्य पार्टी के रूप में मान्यता प्राप्त है।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही कथन चुनें

a) 1 और 2
b) 1 और 3
c) 2 और 3
d) उपरोक्त सभी

Q.80) Solution (c)

कथन 1	कथन 2	कथन 3
असत्य	सत्य	सत्य
यदि निम्न में से कोई भी शर्त पूरी हो जाती है, तो एक पार्टी को एक राष्ट्रीय पार्टी के रूप में मान्यता दी जाती है: 1. यदि यह लोकसभा या विधान सभा के आम चुनाव में किसी भी चार या अधिक राज्यों में मतदान किए गए छह प्रतिशत वैध मतों को प्राप्त करता है; तथा, इसके अलावा, यह किसी भी राज्य या राज्यों से लोकसभा में चार सीटें जीतता है; या 2. यदि यह आम चुनाव में लोकसभा की दो प्रतिशत सीटें जीतता है; और ये उम्मीदवार तीन राज्यों से चुने गए हैं; या 3. यदि इसे चार राज्यों में राज्य पार्टी के रूप में मान्यता प्राप्त है।		

Q.81) संसद के संबंध में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

1. राज्यसभा में सीटों का आवंटन जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 के आधार पर किया जाता है।
2. वर्तमान लोकसभा अपनी अधिकतम सदस्य संख्या (सदस्यों के संदर्भ में) पर कार्य कर रही है।
3. संसद में नामित सदस्य रहने का प्रावधान एक स्थायी विशेषता है जो अनिश्चित काल तक जारी रहेगी।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

a) 1 और 2
b) 1 और 3
c) उपरोक्त सभी
d) उपरोक्त में से कोई नहीं

Q.81) Solution (d)

कथन 1	कथन 2	कथन 3
असत्य	असत्य	असत्य
राज्य सभा में सीटों का आवंटन संविधान के पारित होने के समय उपलब्ध जनगणना के आंकड़ों से ज्ञात प्रत्येक राज्य की जनसंख्या के आधार पर किया गया था। राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के प्रतिनिधियों द्वारा भरी जाने वाली सीटों का आवंटन संविधान की चौथी अनुसूची में रखा गया है जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 के भाग IVA में केंद्रशासित प्रदेशों को आवंटित राज्यसभा की सीटों को भरने का तरीका बताया गया है।	लोकसभा की अधिकतम सदस्य संख्या 552 निर्धारित की गई है। वर्तमान में, लोकसभा में 545 सदस्य हैं। इनमें से 530 सदस्य राज्यों का प्रतिनिधित्व करते हैं, 13 सदस्य संघ शासित प्रदेशों का प्रतिनिधित्व करते हैं तथा 2 एंग्लो-इंडियन सदस्य से राष्ट्रपति द्वारा नामित किए जाते हैं	राष्ट्रपति 12 सदस्यों को राज्य सभा में नामित करता है, जिन्हें कला, साहित्य, विज्ञान और सामाजिक सेवा में विशेष ज्ञान या व्यावहारिक अनुभव है। यदि समुदाय पर्याप्त रूप से लोकसभा में प्रतिनिधित्व नहीं करता है तो राष्ट्रपति एंग्लो-इंडियन समुदाय से दो सदस्यों को नामित कर सकता है। मूल रूप से, यह प्रावधान 1960 तक संचालित था, लेकिन 2020 तक इसे 95 वें संशोधन अधिनियम, 2009 से बढ़ा दिया गया है। इस प्रकार, यह लोकसभा के लिए एक स्थायी विशेषता नहीं है।

Q.82) संविधान प्रतिनिधित्व की एकरूपता (uniformity of representation) सुनिश्चित करता है

1. विभिन्न राज्यों के बीच
2. विभिन्न राज्यों के निर्वाचन क्षेत्रों के बीच।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.82) Solution (a)

कथन 1	कथन 2
सत्य	असत्य
संविधान यह सुनिश्चित करता है कि दो तरह से प्रतिनिधित्व की एकरूपता हो: (a) विभिन्न राज्यों के बीच, और (b) एक ही राज्य में अलग-अलग निर्वाचन क्षेत्रों के बीच। 1. प्रत्येक राज्य को लोकसभा में सीटें इस तरह से आवंटित की जाती हैं कि सीटों की संख्या और उसकी आबादी के बीच का अनुपात सभी राज्यों के लिए समान हो। यह प्रावधान छह लाख से कम आबादी वाले राज्य पर लागू नहीं होता है। 2. प्रत्येक राज्य को क्षेत्रीय निर्वाचन क्षेत्रों में इस प्रकार विभाजित किया गया है कि प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र की जनसंख्या और उसके लिए आवंटित सीटों की संख्या के बीच का अनुपात पूरे राज्य में समान हो।	

Q.83) भारत के राष्ट्रपति के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

1. राष्ट्रपति हमारी राजनीतिक-प्रशासनिक प्रणाली में सर्वोच्च निर्णय लेने वाले प्राधिकारी हैं।
2. राष्ट्रपति को, मंत्रियों की परिषद पर विचार करने के लिए, जिस पर किसी मंत्री द्वारा निर्णय लिया गया हो, लेकिन जिसे परिषद द्वारा नहीं माना गया है, प्रधान मंत्री को प्रस्तुत करने की आवश्यकता हो सकती है।
3. राष्ट्रपति अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, लक्षद्वीप, दादरा और नगर हवेली और दमन और दीव की शांति, प्रगति और अच्छी सरकार के लिए नियम बना सकते हैं।
4. पुडुचेरी और दिल्ली के मामले में, राष्ट्रपति नियम बनाकर कानून बना सकता है, लेकिन केवल तभी जब विधानसभा निलंबित या भंग हो।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

a) 1, 3 और 4
b) 2 और 3
c) 1, 2 और 3
d) उपरोक्त सभी

Q.83) Solution (b)

कथन 1	**कथन 2**	**कथन 3**	**कथन 4**
असत्य	**सत्य**	**सत्य**	**असत्य**
मंत्रिमंडल हमारी राजनीतिक-प्रशासनिक प्रणाली में सर्वोच्च निर्णय लेने वाला प्राधिकरण है।	अनुच्छेद 78 के अनुसार, राष्ट्रपति को, मंत्रियों की परिषद पर विचार करने के लिए, जिस पर किसी मंत्री द्वारा निर्णय लिया गया हो, लेकिन जिसे परिषद द्वारा नहीं माना गया है, प्रधान मंत्री को प्रस्तुत करने की आवश्यकता हो सकती है।	राष्ट्रपति अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, लक्षद्वीप, दादरा और नगर हवेली और दमन और दीव की शांति, प्रगति और अच्छी सरकार के लिए नियम बना सकते हैं।	केवल पुडुचेरी (दिल्ली नहीं) के मामले में, राष्ट्रपति विनियम बनाकर विधान लागु कर सकते हैं, लेकिन केवल तभी जब विधानसभा निलंबित या भंग कर दी गयी हो।

Q.84) एक सदस्य पर दल-बदल कानून के तहत अयोग्यता का आरोप लगता है

1. यदि वह स्वैच्छिक रूप से उस राजनीतिक दल की सदस्यता छोड़ देता है जिसके टिकट पर वह सदन के लिए निर्वाचित होता है
2. यदि वह सदन में वोट देते समय अनुपस्थित होता है या अपनी राजनीतिक पार्टी द्वारा दिए गए किसी भी निर्देश के विपरीत करता है;
3. यदि कोई स्वतंत्र रूप से निर्वाचित सदस्य 6 महीने के बाद किसी भी राजनीतिक दल में शामिल हो जाता है।
4. यदि कोई भी नामित सदस्य 6 महीने से पहले किसी भी राजनीतिक दल में शामिल हो जाता है।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

a) 1, 2 और 3
b) 1 और 2
c) 2, 3 और 4
d) उपरोक्त सभी

Q.84) Solution (a)

कथन 1	कथन 2	कथन 3	कथन 4
सत्य	सत्य	सत्य	असत्य
एक सदस्य दल-बदल कानून के तहत अयोग्य ठहराया जाता है: 1. यदि वह स्वैच्छिक रूप से राजनीतिक दल की सदस्यता छोड़ देता है जिसके टिकट पर वह सदन के लिए निर्वाचित होता है; 2. यदि वह सदन में वोट देते समय अनुपस्थित रहता है या अपनी राजनीतिक पार्टी द्वारा दिए गए किसी भी निर्देश के विपरीत मतदान करता है; 3. यदि कोई स्वतंत्र रूप से निर्वाचित सदस्य किसी भी राजनीतिक दल में शामिल होता है; 4. यदि कोई भी नामित सदस्य छह महीने की समाप्ति के बाद किसी भी राजनीतिक दल में शामिल होता है।			

Q.85) लोकसभा के अध्यक्ष (speaker) के बारे में निम्नलिखित में से कौन सा कथन गलत है?

1. अध्यक्ष के पद की शपथ भारत के राष्ट्रपति द्वारा दिलाई जाती है।
2. वह भारत के संविधान के प्रावधानों के अंतिम व्याख्याकार हैं।
3. कोरम के अभाव में, वह राष्ट्रपति की सिफारिश पर ही सदन को निलंबित कर सकता है।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

a) 1 और 2
b) 1 और 3
c) 2 और 3
d) उपरोक्त सभी

Q.85) Solution (d)

कथन 1	कथन 2	कथन 3
असत्य	असत्य	असत्य
लोकसभा अध्यक्ष संसद के सदस्यों में से एक है। वह प्रो-टेम स्पीकर द्वारा अन्य सदस्यों के साथ शपथ लेता है। पुष्टि की कोई अलग शपथ उन्हें व्यक्तिगत रूप से नहीं दी जाती है। तकनीकी रूप से कहे तो लोकसभा अध्यक्ष, देश के राष्ट्रपति और प्रधान मंत्री की तरह अकेले कोई शपथ नहीं लेते हैं।	वह निम्न प्रावधानों के अंतिम व्याख्याकार हैं (a) भारत का संविधान, (b) लोक सभा के व्यवसाय की प्रक्रिया और आचरण के नियम, और (c) सदन के भीतर संसदीय पूर्ववर्ती उदाहरण (precedents)।	वह सदन को स्थगित कर सकता है या कोरम के अभाव में बैठक निलंबित कर सकता है। इसके लिए राष्ट्रपति की सिफारिश की आवश्यकता नहीं है।

Q.86) राज्यसभा के सभापति और लोकसभा अध्यक्ष के बीच निम्नलिखित अंतरों पर विचार करें

1. अध्यक्ष पहली बार में मतदान कर सकता है जब उसके निष्कासन का प्रस्ताव विचाराधीन है, जबकि सभापति मतदान नहीं कर सकता है।
2. अध्यक्ष की तरह, सभापति भी सदन का सदस्य नहीं होता है।
3. अध्यक्ष संसद के दोनों सदनों की संयुक्त बैठक की अध्यक्षता कर सकता है।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

a) 1 और 2
b) 1 और 3
c) 2 और 3
d) उपरोक्त सभी

Q.86) Solution (b)

कथन 1	कथन 2	कथन 3
सत्य	**असत्य**	**सत्य**
सभापति सदन में उपस्थित हो सकते हैं और बोल सकते हैं तथा बिना मतदान के इसकी कार्यवाही में हिस्सा भी ले सकते हैं, यहां तक ऐसे समय में (जबकि अध्यक्ष पहली बार में ही मतदान कर सकते हैं, जब उनके हटाने का प्रस्ताव लोकसभा के विचाराधीन हो)।	अध्यक्ष (जो सदन का सदस्य है) के विपरीत, सभापति सदन का सदस्य नहीं होता है।	अध्यक्ष संसद के दोनों सदनों की संयुक्त बैठक की अध्यक्षता करता है।

Q.87) जनप्रतिनिधित्व कानून, 1950 में निम्नलिखित में से कौन से प्रावधान निहित हैं?

1. निर्वाचन क्षेत्रों का परिसीमन
2. निर्वाचक नामावली तैयार करना
3. संसद के सदनों की सदस्यता के लिए योग्यता
4. मतदाताओं की योग्यता

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

a) 1,2 और 3
b) 1,2 और 4
c) 2,3 और 4
d) 1,2,3 और 4

Q.87) Solution (b)

कथन 1	कथन 2	कथन 3	कथन 4
सत्य	**सत्य**	**असत्य**	**सत्य**
जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 में निम्नलिखित प्रावधान हैं: 1. लोक सभा और राज्यों की विधानसभाओं और विधान परिषदों में सीटों का आवंटन। 2. लोक सभा और विधान सभा के चुनाव के उद्देश्य से निर्वाचन क्षेत्रों का परिसीमन 3. ऐसे चुनाव में मतदाता की योग्यता 4. निर्वाचक नामावली की तैयारी। संसद के सदनों और प्रत्येक राज्य के विधानमंडल के सदनों को चुनाव के वास्तविक आचरण के प्रावधान, इन सदनों की सदस्यता के लिए योग्यता और अयोग्यता, भ्रष्ट आचरण और अन्य चुनाव अपराध, तथा चुनाव का विवाद निर्णय बाद के अधिनियम, जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 में प्रदान किए गए हैं।			

Q.88) लोकसभा के विघटन के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

1. यदि सदन अपने सामान्य कार्यकाल के पूरा होने से पहले भंग हो जाती है, तो राष्ट्रपति के आदेश पर विघटन को रद्द किया जा सकता है।
2. लोकसभा में सभी लंबित विधेयक विघटन के मामले में समाप्त हो जाते हैं।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.88) Solution (b)

कथन 1	कथन 2
असत्य	**सत्य**
एक बार जब लोकसभा अपने सामान्य कार्यकाल के पूरा होने से पहले भंग हो जाती है, तो विघटन अपरिवर्तनीय होता है।	लोकसभा में लंबित सभी विधेयक इसके विघटन पर (चाहे लोकसभा में उत्पन्न हो या राज्यसभा द्वारा इसे प्रेषित किया गया हो) समाप्त हो जाते हैं।

Q.89) प्रश्नकाल के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

1. सदस्य मंत्रियों के साथ-साथ निजी सदस्यों से भी प्रश्न पूछ सकते हैं।
2. एक अल्प सूचना प्रश्न (short notice question) का मौखिक उत्तर या लिखित उत्तर हो सकता है।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.89) Solution (a)

कथन 1	कथन 2
सत्य	**असत्य**
मंत्रियों के अलावा, निजी सदस्यों से भी प्रश्न पूछे जा सकते हैं।	एक अल्प सुचना प्रश्न वह है जो दस दिनों से कम समय का नोटिस देकर पूछा जाता है। इसका उत्तर मौखिक रूप से दिया जाता है।

Q.90) विशेषाधिकार प्रस्ताव के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

1. यह एक मंत्री द्वारा संसदीय विशेषाधिकारों के उल्लंघन के लिए स्थानांतरित किया जा सकता है।
2. यह एक सदस्य द्वारा स्थानांतरित किया जा सकता है जब उसे लगता है कि एक मंत्री ने किसी मामले में तथ्यों को छिपाया है।
3. इसका प्रयोग मंत्रिपरिषद की निंदा (censure) के लिए किया जा सकता है।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

a) 1 और 2
b) 1 और 3
c) 2 और 3
d) उपरोक्त सभी

Q.90) Solution (a)

कथन 1	कथन 2	कथन 3
सत्य	सत्य	असत्य
विशेषाधिकार प्रस्ताव एक मंत्री द्वारा संसदीय विशेषाधिकारों के उल्लंघन से संबंधित है।	किसी सदस्य द्वारा इसे स्थानांतरित किया जाता है जब उसे लगता है कि किसी मंत्री ने किसी मामले के तथ्यों को रोककर या गलत या विकृत तथ्यों को देकर सदन या उसके एक या अधिक सदस्यों के विशेषाधिकार का उल्लंघन किया है।	इसका उद्देश्य संबंधित मंत्री की निंदा करना है।

Q.91) निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

1. प्रत्येक सत्र का पहला दिन राष्ट्रपति द्वारा संबोधित किया जाता है।
2. सरकार को गिरने से बचाने के लिए 'धन्यवाद प्रस्ताव' को केवल लोकसभा में पारित करने की आवश्यकता होती है।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.91) Solution (d)

कथन 1	कथन 2
असत्य	असत्य
प्रत्येक आम चुनाव के बाद का पहला सत्र तथा प्रत्येक वित्तीय वर्ष का पहला सत्र राष्ट्रपति द्वारा संबोधित किया जाता है।	राष्ट्रपति के इस संबोधन पर संसद के दोनों सदनों में 'धन्यवाद प्रस्ताव' नामक प्रस्ताव पर चर्चा होती है। चर्चा के अंत में, मतदान के लिए प्रस्ताव रखा जाता है। यह प्रस्ताव प्रत्येक सदन में पारित होना चाहिए। अन्यथा, यह सरकार की हार मानी जाती है।

Q.92) राष्ट्रपति निम्नलिखित में से किस विधेयक के लिए सदनों की संयुक्त बैठक बुला सकते हैं?

1. अनुच्छेद 368 के अनुसार संशोधनों से संबंधित विधेयक।
2. विधेयक जिसमें भारत के समेकित निधि से व्यय शामिल हैं, लेकिन अनुच्छेद 110 में उल्लिखित के अलावा अन्य प्रावधान हैं।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.92) Solution (b)

कथन 1	कथन 2
असत्य	सत्य
संयुक्त बैठक का प्रावधान केवल साधारण विधेयकों या वित्तीय विधेयकों पर लागू होता है, न कि धन विधेयकों या संवैधानिक संशोधन विधेयकों पर। कथन 1 संवैधानिक संशोधन विधेयक है कथन 2 वित्त विधेयक है	

Q.93) बजट अधिनियमित करने के संबंध में निम्नलिखित संवैधानिक प्रावधानों पर विचार करें

1. राष्ट्रपति की सिफारिश के अलावा अनुदान की कोई मांग नहीं की जाएगी।
2. संसद एक कर को कम या बढ़ा सकती है लेकिन इसे समाप्त नहीं कर सकती।
3. भारत के समेकित कोष पर भारित व्यय पर संसद द्वारा चर्चा की जा सकती है।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

a) 1 और 2
b) 1 और 3
c) 2 और 3
d) उपरोक्त सभी

Q.93) Solution (b)

कथन 1	कथन 2	कथन 3
सत्य	असत्य	सत्य
राष्ट्रपति की सिफारिश के अलावा अनुदान की कोई मांग नहीं की जाएगी।	संसद एक कर को कम या समाप्त कर सकती है लेकिन इसे बढ़ा नहीं सकती है।	भारत के समेकित कोष पर भारित व्यय संसद में मतदान के लिए प्रस्तुत नहीं किया जाएगा। हालाँकि, इस पर संसद द्वारा चर्चा की जा सकती है।

Q.94) निम्नलिखित में से कौन से कटौती प्रस्तावों को सही ढंग से परिभाषित किया गया है?

1. सांकेतिक कटौती प्रस्ताव- यह बताता है कि मांग की राशि को घटाकर 1 रुपये किया जाएगा।
2. आर्थिक कटौती प्रस्ताव- इसमें कहा गया है कि मांग की राशि में 100 रुपये की कमी की जाएगी।
3. नीतिगत कटौती प्रस्ताव- इसमें कहा गया है कि मांग की राशि एक निर्दिष्ट राशि से कम की जाए।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

a) केवल 1
b) 2 और 3
c) उपरोक्त सभी
d) उपरोक्त में से कोई नहीं

Q.94) Solution (d)

कथन 1	कथन 2	कथन 3
असत्य	असत्य	असत्य
सांकेतिक कटौती प्रस्ताव एक	आर्थिक कटौती प्रस्ताव उस	नीतिगत कटौती प्रस्ताव मांग को

विशिष्ट शिकायत को रेखांकित करता है जो भारत सरकार के उत्तरदायित्व के क्षेत्र में है। इसमें कहा गया है कि मांग की राशि में 100 रुपये की कमी की गई है।	अर्थव्यवस्था का प्रतिनिधित्व करता है जो प्रस्तावित व्यय में प्रभावित हो सकती है। इसमें कहा गया है कि मांग की राशि में से एक निर्दिष्ट राशि (जो या तो संपूर्ण मांग में कमी या मांग की वस्तु में कमी) कम हो सकती है।	अंतर्निहित नीति की अस्वीकृति का प्रतिनिधित्व करता है। इसमें कहा गया है कि मांग की राशि को घटाकर 1 रूपए कर दिया जाएगा। सदस्य एक वैकल्पिक नीति को भी प्रस्तुत कर सकते हैं।

Q.95) निम्नलिखित में से कौन सा अनुदान तब दिया जाता है, जब किसी नई सेवा पर प्रस्तावित व्यय को पूरा करने के लिए धन पुनर्विनियोजन (reappropriation) द्वारा उपलब्ध कराया जा सकता है?

a) अनुपूरक अनुदान
b) सांकेतिक अनुदान
c) अतिरिक्त अनुदान
d) आधिक्य अनुदान

Q.95) Solution (b)

कथन 1	कथन 2	कथन 3	कथन 4
असत्य	**सत्य**	**असत्य**	**असत्य**
अनुपूरक अनुदान (Supplementary Grant) तब दिया जाता है जब संसद द्वारा वर्तमान वित्तीय वर्ष के लिए किसी विशेष सेवा के लिए विनियोग अधिनियम के माध्यम से अधिकृत राशि उस वर्ष के लिए अपर्याप्त पाई जाती है।	सांकेतिक अनुदान (Token Grant) तब प्रदान किया जाता है जब किसी नई सेवा पर प्रस्तावित व्यय को पूरा करने के लिए धनराशि फिर से उपलब्ध कराई जा सकती है। एक सांकेतिक राशि (1 रूपए की) के अनुदान की मांग लोकसभा में मत के लिए प्रस्तुत की जाती है और यदि अनुमोदन दिया जाता है, तो धन उपलब्ध कराया जाता है। पुनर्विनियोजन में एक से दूसरे तक धन का हस्तांतरण शामिल है। इसमें कोई अतिरिक्त व्यय शामिल नहीं है।	अतिरिक्त अनुदान (Additional Grant) तब दिया जाता है जब उस वर्ष के बजट में विचार नहीं किए गए कुछ नई सेवा पर अतिरिक्त व्यय के लिए चालू वित्त वर्ष के दौरान एक आवश्यकता उत्पन्न हुई हो।	आधिक्य अनुदान (Excess Grant) उस समय प्रदान किया जाता है जब उस वर्ष के बजट में उस सेवा के लिए दी गई राशि से अधिक राशि किसी वित्तीय वर्ष के दौरान किसी सेवा पर खर्च की गई हो। यह वित्तीय वर्ष के बाद लोकसभा द्वारा मतदान किया जाता है। मतदान के लिए लोकसभा में अतिरिक्त अनुदान की मांग प्रस्तुत करने से पहले, उन्हें संसद की लोक लेखा समिति द्वारा अनुमोदित किया जाना चाहिए।

Q.96) भारत की आकस्मिकता निधि के बारे में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

1. भारतीय संविधान के अनुसार, राष्ट्रपति भारत की आकस्मिकता निधि की स्थापना कर सकते हैं।
2. भारत की आकस्मिक निधि को संसद के निपटान (disposal) के अंतर्गत रखा गया है।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों

d) न तो 1 और न ही 2

Q.96) Solution (d)

कथन 1	कथन 2
असत्य	असत्य
संविधान ने 'भारत की आकस्मिकता निधि' की स्थापना के लिए संसद को अधिकृत किया, जिसमें कानून द्वारा निर्धारित राशियों का समय-समय पर भुगतान किया जाता है। तदनुसार, संसद ने 1950 में भारत की आकस्मिक निधि अधिनियम को अधिनियमित किया।	इस कोष को राष्ट्रपति के निपटान के अंतर्गत रखा गया है, तथा वह संसद से इसके प्राधिकीरण के लंबित अप्रत्याशित व्यय को पूरा करने के लिए इसमें से अग्रिम भुगतान कर सकते हैं। यह धन राष्ट्रपति की ओर से वित्त सचिव के पास होता है।

Q.97) संसद को राज्य सूची में शामिल विषयों पर कानून बनाने के लिए अधिकार दिया गया है, जो निम्नलिखित परिस्थितियों में है

1. अंतर्राष्ट्रीय संधियों को प्रभावी करना।
2. दो राज्यों के बीच विवादों का समाधान करना।
3. राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू होने के मामले में।
4. राष्ट्रीय आपातकाल की उद्घोषणा लागू हो।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

a) 1,2 और 3
b) 1,2 और 4
c) 1,3 और 4
d) उपरोक्त सभी

Q.97) Solution (c)

कथन 1	कथन 2	कथन 3	कथन 4
सत्य	असत्य	सत्य	सत्य
संविधान निम्नलिखित पाँच असामान्य परिस्थितियों में राज्य सूची में शामिल विषयों (जो वर्तमान में 61 विषय, मूल रूप से 66 विषय हैं) पर कानून बनाने के लिए संसद को अधिकार देता है: (a) जब राज्यसभा उस आशय का प्रस्ताव पारित करती है। (b) जब राष्ट्रीय आपातकाल की घोषणा लागु हो। (c) जब दो या अधिक राज्य संसद से इसके लिए एक संयुक्त अनुरोध करते हैं। (d) जब अंतर्राष्ट्रीय समझौतों, संधियों और सम्मेलनों को प्रभाव देने के लिए आवश्यक हो। (e) जब राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू होता है।			

Q.98) संसदीय विशेषाधिकारों के संबंध में निम्नलिखित पर विचार करें

1. गिरफ्तार न किए जाने का विशेषाधिकार केवल दीवानी और निवारक निरोध मामलों के लिए उपलब्ध है तथा आपराधिक मामलों के लिए नहीं।
2. न्यायालयों को संसदीय समितियों की कार्यवाही में पूछताछ करने के लिए निषिद्ध किया गया है।
3. सदस्य साक्ष्य देने से तथा एक न्यायालय में लंबित मामले में एक गवाह के रूप में प्रस्तुत होने से इंकार कर सकते हैं, जब संसद सत्र चल रहा होता है।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

a) 1 और 2
b) 1 और 3
c) 2 और 3
d) उपरोक्त सभी

Q.98) Solution (c)

कथन 1	कथन 2	कथन 3
असत्य	सत्य	सत्य
सदस्यों को संसद के सत्र के दौरान और शुरुआत से 40 दिन पहले और एक सत्र की समाप्ति के 40 दिन बाद तक गिरफ्तार नहीं किया जा सकता है। यह विशेषाधिकार केवल दीवानी मामलों में उपलब्ध है, न कि आपराधिक मामलों या निवारक निरोध के मामलों में।	न्यायालयों को किसी सदन या उसकी समितियों की कार्यवाही में पूछताछ करने के लिए निषिद्ध किया जा सकता है।	सदस्यों को जूरी सेवा से छूट दी गई है। सदस्य साक्ष्य देने से तथा एक न्यायालय में लंबित मामले में एक गवाह के रूप में प्रस्तुत होने से इंकार कर सकते हैं, जब संसद सत्र चल रहा होता है।

Q.99) लोक लेखा समिति के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

1. इसे 1919 के भारत सरकार अधिनियम के प्रावधानों के तहत स्थापित किया गया है।
2. एक मंत्री को समिति के सदस्य के रूप में नहीं चुना जा सकता है।
3. समिति के निर्णय मंत्रालयों के लिए बाध्यकारी होते हैं।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

a) 1 और 2
b) 1 और 3
c) 2 और 3
d) उपरोक्त सभी

Q.99) Solution (a)

कथन 1	कथन 2	कथन 3
सत्य	सत्य	असत्य
लोक लेखा समिति की स्थापना 1921 में भारत सरकार अधिनियम 1919 के प्रावधानों के तहत पहली बार की गई थी और तब से यह अस्तित्व में है।	एक मंत्री को समिति के सदस्य के रूप में नहीं चुना जा सकता है।	इसकी सिफारिशें सलाहकारी होती हैं तथा मंत्रालयों के लिए बाध्यकारी नहीं होती हैं। यह एक कार्यकारी निकाय नहीं है तथा इसलिए, एक आदेश जारी नहीं कर सकता है। केवल संसद ही इसके निष्कर्षों पर अंतिम निर्णय ले सकती है।

Q.100) अध्यादेशों (ordinances) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

1. अध्यादेश तब जारी किया जा सकता है जब केवल एक सदन सत्र में हो।
2. अध्यादेश प्रख्यापित करने के लिए परिस्थितियों के अस्तित्व पर राष्ट्रपति की संतुष्टि दुर्भावना (malafide) के आधार पर न्यायोचित है।
3. संविधान में उल्लिखित किसी भी विषय पर अध्यादेश जारी किया जा सकता है।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

a) 1 और 2
b) 1 और 3
c) 2 और 3
d) उपरोक्त सभी

Q.100) Solution (a)

कथन 1	कथन 2	कथन 3
सत्य	सत्य	असत्य
एक अध्यादेश तब भी जारी किया जा सकता है जब केवल एक सदन सत्र में हो क्योंकि एक कानून दोनों सदनों द्वारा पारित किया जा सकता है और अकेले एक सदन द्वारा नहीं।	राष्ट्रपति केवल उसी समय अध्यादेश ला सकते हैं जब वह संतुष्ट हों कि परिस्थितियाँ मौजूद हैं जो उनके लिए तत्काल कार्यवाही करना आवश्यक है। 1978 के 44 वें संवैधानिक संशोधन अधिनियम के बाद, राष्ट्रपति की संतुष्टि दुर्भावनापूर्ण के आधार पर न्यायोचित है।	एक अध्यादेश केवल उन विषयों पर जारी किया जा सकता है जिन पर संसद कानून बना सकती है (इस प्रकार यह राज्य सूची से विषयों को बाहर करती है)।

Q.101) भारत में राज्यपाल के कार्यालय के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

1. किसी राज्य के राज्यपाल का कार्यालय केंद्र सरकार के अधीन रोजगार नहीं है।
2. संविधान के अनुसार, राज्यपाल को, उस राज्य के लिए, एक बाहरी व्यक्ति होना चाहिए, जहां उसे नियुक्त किया गया है।
3. राष्ट्रपति द्वारा किसी भी समय राज्यपाल को हटाया जा सकता है।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

a) 1 और 2
b) 2 और 3
c) 1 और 3
d) उपरोक्त सभी

Q.101) Solution (c)

कथन 1	कथन 2	कथन 3
सत्य	असत्य	सत्य
जैसा कि 1979 में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा अधिनिर्णय दिया गया था कि, किसी राज्य के राज्यपाल का कार्यालय केंद्र सरकार के अधीन रोजगार नहीं	विकसित किए गए कन्वेंशनों के अनुसार, राज्यपाल को उस राज्य के लिए, बाहरी व्यक्ति होना चाहिए जहां उसे नियुक्त किया गया है।	राज्यपाल के पास कार्यकाल की कोई सुरक्षा नहीं होती है और न ही कोई निश्चित कार्यकाल होता है। उसे किसी भी समय राष्ट्रपति द्वारा हटाया जा

है।		सकता है।

Q.102) राज्यपाल की शक्तियों और कार्यों के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

1. वह राज्य लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष और सदस्यों को नियुक्त करता है और हटाता है।
2. वह राज्य में विश्वविद्यालयों के कुलपतियों की नियुक्ति करता है।
3. वह चुनाव आयोग के परामर्श से राज्य विधायिका के सदस्यों की अयोग्यता के प्रश्न पर निर्णय लेता है।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

a) 1 और 2
b) 2 और 3
c) 1 और 3
d) उपरोक्त सभी

Q.102) Solution (b)

कथन 1	कथन 2	कथन 3
असत्य	**सत्य**	**सत्य**
राज्यपाल राज्य लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष और सदस्यों की नियुक्ति करता है। हालांकि, उन्हें केवल राष्ट्रपति द्वारा हटाया जा सकता है, राज्यपाल द्वारा नहीं।	वह राज्य में विश्वविद्यालयों के चांसलर के रूप में कार्य करते हैं। वह राज्य में विश्वविद्यालयों के कुलपतियों की नियुक्ति भी करता है।	वह चुनाव आयोग के परामर्श से राज्य विधायिका के सदस्यों की अयोग्यता के प्रश्न पर निर्णय लेता है।

Q.103) निम्नलिखित में से किस मामले में, राज्यपाल के लिए राष्ट्रपति के विचारार्थ विधेयक को आरक्षित करना अनिवार्य है?

1. राज्य नीति के निर्देशक सिद्धांतों का विरोध करने वाला विधेयक।
2. राज्य उच्च न्यायालय की स्थिति को खतरे में डालने वाला विधेयक।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.103) Solution (b)

कथन 1	कथन 2
असत्य	**सत्य**
राज्यपाल विधेयक को आरक्षित कर सकता है, यदि वह निम्न प्रकृति का हो: (लेकिन यह अनिवार्य नहीं है) (i) अल्ट्रा-वायर्स, जो कि संविधान के प्रावधानों के विरुद्ध हो। (ii) राज्य नीति के निर्देशक सिद्धांतों का विरोधी हो। (iii) देश के बड़े हित का विरोधी हो।	जब राज्य विधायिका द्वारा पारित होने के बाद एक विधेयक राज्यपाल को प्रेषित किया जाता है, तो वह राष्ट्रपति के विचारार्थ विधेयक को आरक्षित कर सकता है। एक मामले में ऐसा आरक्षण अनिवार्य है, अर्थात्, जहां राज्य विधायिका द्वारा पारित विधेयक राज्य उच्च न्यायालय की स्थिति को खतरे में डालता हो।

(iv) गंभीर राष्ट्रीय महत्व का हो। (v) संविधान के अनुच्छेद 31 ए के तहत संपत्ति के अनिवार्य अधिग्रहण से संबंधित हो।	

Q.104) निम्नलिखित में से किस मामले में, राज्यपाल को, हालांकि मुख्यमंत्री के नेतृत्व वाले मंत्रिपरिषद से परामर्श करना पड़ता है, आखिरकार वह अपने विवेक से कार्य करता है?

1. मणिपुर राज्य में पहाड़ी क्षेत्रों का प्रशासन।
2. राष्ट्रपति के विचार के लिए एक विधेयक का आरक्षण।
3. हैदराबाद-कर्नाटक क्षेत्र के लिए एक अलग विकास बोर्ड की स्थापना।
4. मुख्यमंत्री की नियुक्ति, जब कार्यालय में मुख्यमंत्री की अचानक मृत्यु हो जाती है तथा कोई स्पष्ट उत्तराधिकारी नहीं होता है।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

a) 1 और 3
b) 1,2 और 3
c) 2 और 4
d) उपरोक्त सभी

Q.104) Solution (a)

कथन 1	कथन 3	कथन 2	कथन 4
सत्य	**सत्य**	**असत्य**	**असत्य**
कुछ विशेष उत्तरदायित्वों के मामले में, राज्यपाल को, हालांकि मुख्यमंत्री की अगुवाई में मंत्रिपरिषद से परामर्श करना पड़ता है, लेकिन अंत में, वह अपने विवेक से कार्य करता है। वे इस प्रकार हैं: 1. महाराष्ट्र- विदर्भ और मराठवाड़ा के लिए अलग-अलग विकास बोर्डों की स्थापना। 2. गुजरात-सौराष्ट्र और कच्छ के लिए अलग-अलग विकास बोर्डों की स्थापना। 3. नागालैंड- राज्य में कानून और व्यवस्था के संबंध में उस समय तक, जब तक नागा पहाड़ी-तुएन-सांग क्षेत्र में आंतरिक अशांति जारी है। 4. असम- जनजातीय क्षेत्रों के प्रशासन के संबंध में। 5. मणिपुर - राज्य में पहाड़ी क्षेत्रों के प्रशासन के बारे में। 6. सिक्किम- शांति के लिए और जनसंख्या के विभिन्न वर्गों की सामाजिक और आर्थिक उन्नति सुनिश्चित करने के लिए। 7. अरुणाचल प्रदेश- राज्य में कानून और व्यवस्था के संबंध में। 8. कर्नाटक - हैदराबाद-कर्नाटक क्षेत्र के लिए एक अलग विकास बोर्ड की स्थापना		राज्यपाल के पास राष्ट्रपति के विचारार्थ एक विधेयक के आरक्षण के मामले में संवैधानिक विवेकाधिकार है।	मुख्यमंत्री की नियुक्ति में राज्यपाल के पास स्थितिजन्य विवेकाधिकार होता है, जब राज्य विधान सभा में किसी भी पार्टी के पास स्पष्ट बहुमत नहीं होता है या जब कार्यालय में मुख्यमंत्री की अचानक मृत्यु हो जाती है और कोई स्पष्ट उत्तराधिकारी नहीं होता है।

Q.105) राज्य मंत्रिपरिषद के संबंध में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

1. राज्य में मुख्यमंत्री सहित मंत्रियों की संख्या 12 से कम नहीं हो सकती है।
2. राज्यपाल मुख्यमंत्री की सलाह पर ही किसी मंत्री को हटा सकता है।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.105) Solution (c)

कथन 1	कथन 2
सत्य	**सत्य**
किसी राज्य में मंत्रियों की परिषद में मुख्यमंत्री सहित मंत्रियों की कुल संख्या, उस राज्य की विधान सभा के कुल सदस्य संख्या का 15 प्रतिशत से अधिक नहीं होगी। लेकिन, किसी राज्य में मुख्यमंत्री सहित मंत्रियों की संख्या 12. से कम नहीं होगी। यह प्रावधान 2003 के 91 वें संशोधन अधिनियम द्वारा जोड़ा गया था।	राज्यपाल मुख्यमंत्री की सलाह पर ही किसी मंत्री को हटा सकता है।

Q.106) राज्य विधान परिषद के संबंध में, निम्नलिखित में से कौन सा कथन गलत है?

1. राज्यपाल किसी राज्य में विधान परिषद का पदेन अध्यक्ष होता है।
2. राज्य विधानसभा एक विधान परिषद की संरचना को संशोधित करने के लिए अधिकृत है।
3. राष्ट्रीय आपातकाल की अवधि के दौरान विधान परिषद का कार्यकाल बढ़ाया जा सकता है।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

a) 1 और 2
b) 2 और 3
c) 1 और 3
d) उपरोक्त सभी

Q.106) Solution (d)

कथन 1	कथन 2	कथन 3
असत्य	**असत्य**	**असत्य**
प्रमुख (Chairman) का चुनाव परिषद अपने सदस्यों में से ही करती है।	परिषद की अधिकतम सदस्य संख्या विधानसभा की कुल सदस्य संख्या का एक तिहाई और न्यूनतम सदस्य संख्या 40 निश्चित की गई है हालांकि संविधान ने अधिकतम और न्यूनतम सीमा तय की है, संसद द्वारा परिषद की वास्तविक सदस्य संख्या तय की जाती है	विधान परिषद एक सतत सदन है, अर्थात यह एक स्थायी निकाय है और विघटन के अधीन नहीं है।

Q.107) विधान सभा के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

1. सभी राज्यों के लिए इसकी अधिकतम सदस्य संख्या 500 और न्यूनतम सदस्य संख्या 60 निश्चित की गई है।
2. कुछ राज्यों की विधानसभाओं में कुछ सदस्यों को अप्रत्यक्ष रूप से चुना जाता है।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.107) Solution (b)

कथन 1	कथन 2
असत्य	**सत्य**
इसकी अधिकतम सदस्य संख्या 500 और न्यूनतम सदस्य संख्या 60 निश्चित की गई है। हालाँकि, अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम और गोवा के मामले में, न्यूनतम संख्या 30 तथा मिज़ोरम और नागालैंड के मामले में, क्रमशः 40 और 46 है।	सिक्किम और नागालैंड में विधानसभाओं के कुछ सदस्य अप्रत्यक्ष रूप से चुने जाते हैं।

Q.108) निम्नलिखित में से किस स्थिति में राज्य विधायिका की सीट रिक्त घोषित की जाती है

1. इसकी अनुमति के बिना तीस दिनों की अवधि के लिए सभी बैठक से सदस्य की अनुपस्थिति होने पर।
2. यदि सीट के लिए चुनाव सर्वोच्च न्यायालय द्वारा शून्य घोषित किए जाने हेतु विचाराधीन है।
3. यदि सदस्य संविधान में उल्लिखित किसी भी अयोग्यता के अधीन है।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

a) 1 और 3
b) 1 और 2
c) केवल 3
d) उपरोक्त सभी

Q.108) Solution (c)

कथन 1	कथन 2	कथन 3
असत्य	**असत्य**	**सत्य**
राज्य विधायिका का एक सदन किसी सदस्य की सीट के रिक्तीकरण की घोषणा तब कर सकता है जब वह उसकी अनुमति के बिना अपनी सभी बैठक से साठ दिनों की अवधि के लिए अनुपस्थित रहा हो।	किसी सदस्य को राज्य विधान सभा के किसी भी सदन में अपनी सीट खाली करनी पड़ती है, यदि उसका चुनाव न्यायालय द्वारा शून्य घोषित किया जाता है तथा यह तब तक नहीं किया जाता है, जब तक कि वह न्यायालय में विचराधीन हो।	यदि राज्य विधायिका का सदस्य किसी भी अयोग्यताओं के अधीन हो जाता है, तो उसकी सीट रिक्त हो जाती है।

Q.109) निम्नलिखित में से कौन एक राज्य विधानसभा में अध्यक्ष की शक्ति / कर्तव्य नहीं है?

a) वह विधानसभा के भीतर भारत के संविधान के प्रावधानों का अंतिम व्याख्याकार होता है।
b) वह सदन का नेता होता है।

c) वह विधानसभा की सभी समितियों के अध्यक्षों की नियुक्ति करता है तथा उनके कामकाज का पर्यवेक्षण करता है।

d) वह निर्णय करता है कि कोई विधेयक धन विधेयक है या नहीं तथा इस प्रश्न पर उसका निर्णय अंतिम होता है।

Q.109) Solution (b)

कथन a	कथन c	कथन d	कथन b
सत्य	सत्य	सत्य	असत्य
अध्यक्ष के पास निम्नलिखित शक्तियां और कर्तव्य हैं: 1. वह अपने कार्य संचालन और उसकी कार्यवाही को विनियमित करने के लिए विधानसभा में आदेश और व्यवस्था को बनाए रखता है। यह उनकी प्राथमिक जिम्मेदारी है और इस संबंध में उनकी अंतिम शक्ति है। 2. वह निम्न प्रावधानों के सदन के भीतर अंतिम व्याख्याकार हैं (a) भारत के संविधान, (b) विधानसभा के कार्य संचालन की प्रक्रिया और आचरण के नियम, और (c) विधायी पूर्ववर्ती उदाहरण (legislative precedents)। 3. वह विधानसभा को स्थगित कर देता है या कोरम के अभाव में बैठक स्थगित कर देता है। 4. वह पहली बार में वोट नहीं करता है। लेकिन, वह एक बराबरी के मामले में एक निर्णायक वोट डाल सकते हैं। 5. वह सदन के नेता के अनुरोध पर सदन की 'गुप्त' बैठक की अनुमति दे सकता है। 6. वह तय करता है कि कोई विधेयक धन विधेयक है या नहीं तथा इस प्रश्न पर उसका निर्णय अंतिम होता है। 7. वह दसवीं अनुसूची के प्रावधानों के तहत दलबदल के आधार पर, विधानसभा के सदस्य की अयोग्यता के प्रश्नों का निर्णय करता है। 8. वह विधानसभा की सभी समितियों के अध्यक्षों की नियुक्ति करता है तथा उनके कामकाज का पर्यवेक्षण करता है। वह स्वयं व्यवसाय सलाहकार समिति, नियम समिति और सामान्य प्रयोजन समिति के अध्यक्ष होते हैं।			मुख्यमंत्री सदन के नेता होता है।

Q.110) निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

1. राज्य विधायिका के सदन का तब से ही सत्रावसान किया जा सकता है, जब उसका अनिश्चित कालीन स्थगन (adjourned sine die) घोषित कर दिया जाता है।
2. स्थगन की शक्ति सदन के पीठासीन अधिकारी के पास होती है, जबकि अनिश्चित कालीन स्थगन के लिए, यह राष्ट्रपति और सदन के पीठासीन अधिकारी, दोनों के पास होती है।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

a) केवल 1

b) केवल 2

c) 1 और 2 दोनों

d) न तो 1 और न ही 2

Q.110) Solution (d)

कथन 1	कथन 2
असत्य	असत्य

पीठासीन अधिकारी (अध्यक्ष या सभापति) सत्र का कारोबार पूरा होने पर सदन को स्थगित करने की घोषणा करता है। अगले कुछ दिनों के भीतर, राज्यपाल सत्रावसान के लिए एक अधिसूचना जारी करता है। हालाँकि, राज्यपाल सत्र में चलने वाले सदन का भी सत्रावसान कर सकता है।	एक स्थगन एक निर्दिष्ट समय के लिए बैठकों को निलंबित करता है जो घंटे, दिन या सप्ताह हो सकता है। अनिश्चित कालीन स्थगन का मतलब है कि अनिश्चित काल के लिए राज्य की विधायिका की बैठक को समाप्त करना। स्थगन के साथ-साथ अनिश्चित कालीन स्थगन की शक्ति सदन के पीठासीन अधिकारी के पास होती है।

Q.111) भाग XXI के तहत विशेष प्रावधान, निम्नलिखित में से किस राज्य के लिए प्रदान नहीं किए गए हैं?

a) नागालैंड
b) गोवा
c) सिक्किम
d) पंजाब

Q.111) Solution (d)

कथन a	**कथन b**	**कथन c**	**कथन d**
सत्य	**सत्य**	**सत्य**	**असत्य**
संविधान के भाग XXI में अनुच्छेद 371 से 371-J में बारह राज्यों अर्थात महाराष्ट्र, गुजरात, नागालैंड, असम, मणिपुर, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, सिक्किम, मिजोरम, अरुणाचल प्रदेश, गोवा और कर्नाटक के लिए विशेष प्रावधान हैं।			

Q.112) राज्य विधानमंडल में भाषा के उपयोग के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

1. संविधान ने घोषणा की है कि राज्य विधानमंडल में कार्य संचालन के लिए केवल हिंदी या अंग्रेजी ही भाषाएँ हो सकती हैं।
2. पीठासीन अधिकारी सदस्य को अपनी मातृभाषा में सदन को संबोधित करने की अनुमति दे सकता है।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.112) Solution (b)

कथन 1	**कथन 2**
असत्य	**सत्य**
संविधान ने राज्य की आधिकारिक भाषा को या हिंदी या अंग्रेजी को घोषित किया है, जिस भाषा में राज्य की विधायिका में कार्य संचालन हो सके।	पीठासीन अधिकारी सदस्य को अपनी मातृभाषा में सदन को संबोधित करने की अनुमति दे सकता है।

Q.113) जब कोई विधेयक विधान सभा द्वारा पारित किया जाता है तथा विधान परिषद को प्रेषित किया जाता है, तो उत्तरार्द्ध के पास निम्नलिखित में से कौन सा विकल्प होता है?

1. यह विधानसभा द्वारा भेजे गए विधेयक को पारित कर सकता है
2. यह इसे विधानसभा में पुनर्विचार के लिए वापस भेज सकता है

3. यह विधेयक को पूरी तरह से खारिज कर सकता है
4. यह कोई कार्रवाई नहीं करता है तथा इस प्रकार, विधेयक को लंबित रख सकता है

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

a) 1,2 और 4
b) 1,3 और 4
c) 1 और 2
d) उपरोक्त सभी

Q.113) Solution (d)

कथन 1	कथन 2	कथन 3	कथन 4
सत्य	सत्य	सत्य	सत्य
जब कोई विधेयक विधान सभा द्वारा पारित किया जाता है तथा उसे विधान परिषद में प्रेषित किया जाता है, तो उत्तरार्द्ध के पास चार विकल्प होते हैं: 1. यह विधानसभा द्वारा भेजे गए बिल को पारित कर सकता है (यानी, संशोधनों के बिना); 2. यह संशोधन के साथ विधेयक को पारित कर सकता है तथा इसे पुनर्विचार के लिए विधानसभा को वापस कर सकता है; 3. यह बिल को पूरी तरह से अस्वीकार कर सकता है; तथा 4. यह कोई कार्रवाई नहीं करता है तथा इस प्रकार बिल को लंबित रख सकता है।			

Q.114) संविधान के तहत कुछ राज्यों में द्विसदनीय विधायिकाएं प्रदान की गई हैं। ऐसे राज्यों में दोनों सदनों के बीच गतिरोध के मामले में

a) राज्यपाल द्वारा संयुक्त बैठक को बुलाया जाता है तथा बहुमत से लिया गया निर्णय, अंतिम निर्णय के रूप में लिया जाता है
b) विधेयक समाप्त हो जाता है, हालांकि समान विषय पर एक नया विधेयक, संशोधन के साथ फिर से प्रवर्तित किया जा सकता है।
c) निर्दिष्ट अवधि के अंतराल के बाद, विधान सभा की राय को अंतिम रूप दिया जाता है
d) मामला राष्ट्रपति के समक्ष निर्णय के लिए भेजा जाता है

Q.114) Solution (c)

कथन a	कथन b	कथन c	कथन d
असत्य	असत्य	सत्य	असत्य
साधारण विधेयक पारित करने की अंतिम शक्ति विधानसभा में निहित होती है। सबसे अधिक, परिषद चार महीने की अवधि के लिए विधेयक को रोक सकती है या देरी कर सकती है - पहली बार में तीन महीने और दूसरे चरण में एक महीने के लिए।			

Q.115) विधान परिषद की शक्तियों के बारे में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

1. परिषद न तो बजट पर चर्चा कर सकती है और न ही, अनुदानों की मांगों पर मतदान कर सकती है।
2. परिषद अविश्वास प्रस्ताव पारित करके मंत्रियों की परिषद को हटा नहीं सकती है।
3. संवैधानिक संशोधन विधेयक के अनुसमर्थन में परिषद की कोई प्रभावी स्थिति नहीं है।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

a) 1 और 2

b) 2 और 3
c) 1 और 3
d) उपरोक्त सभी

Q.115) Solution (b)

कथन 1	कथन 2	कथन 3
असत्य	**सत्य**	**सत्य**
परिषद केवल बजट पर चर्चा कर सकती है लेकिन अनुदान की मांगों (जो कि विधानसभा का विशिष्ट विशेषाधिकार है) पर मतदान नहीं कर सकती है।	परिषद अविश्वास प्रस्ताव पारित करके मंत्रियों की परिषद को नहीं हटा सकती। ऐसा इसलिए है, क्योंकि मंत्रिपरिषद सामूहिक रूप से केवल विधानसभा के प्रति उत्तरदायी होती है। लेकिन, परिषद सरकार की नीतियों और गतिविधियों पर बहस और आलोचना कर सकती है।	संवैधानिक संशोधन विधेयक के अनुसमर्थन में परिषद की कोई प्रभावी स्थिति नहीं है। इस संबंध में भी, विधानसभा की इच्छा परिषद से सर्वोच्च होती है

Q.116) केंद्र शासित प्रदेशों में प्रशासन के संबंध में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

1. केंद्र शासित प्रदेश के प्रशासक का पद राज्य के राज्यपाल के समान होता है।
2. संसद किसी राज्य के राज्यपाल को आसन्न संघ क्षेत्र के प्रशासक के रूप में नियुक्त कर सकती है।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q. 116) Solution (d)

कथन 1	कथन 2
असत्य	**असत्य**
प्रत्येक केंद्र शासित प्रदेश को उनके द्वारा नियुक्त प्रशासक के माध्यम से राष्ट्रपति द्वारा प्रशासित किया जाता है। केंद्र शासित प्रदेश का एक प्रशासक राष्ट्रपति का एजेंट होता है तथा राज्यपाल की तरह राज्य का प्रमुख नहीं होता है।	राष्ट्रपति किसी राज्य के राज्यपाल को आसन्न केंद्र शासित प्रदेश का प्रशासक नियुक्त कर सकता है। उस क्षमता में, राज्यपाल को अपने मंत्रिपरिषद से स्वतंत्र रूप से कार्य करना होता है।

Q.117) निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

1. संसद केंद्र शासित प्रदेशों के लिए तीनों सूचियों के किसी भी विषय पर कानून बना सकती है।
2. संघ शासित प्रदेशों के प्रशासन के लिए संवैधानिक प्रावधान अधिग्रहित प्रदेशों पर भी लागू होते हैं।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.117) Solution (c)

कथन 1	कथन 2
सत्य	सत्य
केंद्र शासित प्रदेशों के लिए संसद तीनों सूचियों (राज्य सूची सहित) के किसी भी विषय पर कानून बना सकती है। संसद की यह शक्ति जम्मू और कश्मीर, पुडुचेरी और दिल्ली तक विस्तृत है, जिनकी अपनी स्थानीय विधायिकाएं हैं।	संविधान में अधिग्रहित क्षेत्रों के प्रशासन के लिए कोई अलग प्रावधान नहीं है। लेकिन, केंद्र शासित प्रदेशों के प्रशासन के लिए संवैधानिक प्रावधान अधिग्रहीत प्रदेशों पर भी लागू होते हैं।

Q.118) पुडुचेरी के मामले में, भारत के राष्ट्रपति केवल नियम बनाकर कानून बना सकते हैं

a) जब संसद इस आशय का प्रस्ताव पारित करती है
b) जब विधानसभा उस प्रभाव का प्रस्ताव पारित करती है
c) जब विधानसभा को निलंबित या भंग कर दिया जाता है
d) जब उपराज्यपाल उसे करने का अनुरोध करते हैं

Q.118) Solution (c)

राष्ट्रपति अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, लक्षद्वीप, दादरा और नगर हवेली और दमन और दीव की शांति, प्रगति और अच्छी सरकार के लिए नियम बना सकते हैं। पुडुचेरी के मामले में भी, राष्ट्रपति नियम बनाकर कानून बना सकते हैं, लेकिन केवल तभी जब विधानसभा निलंबित या भंग कर दी गयी हो।

Q.119) विधान परिषदों के संबंध में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

1. विधान परिषदों के निर्माण के लिए, संसद में विशेष बहुमत की आवश्यकता होती है।
2. संसद द्वारा विधान परिषदों का निर्माण, संविधान के अनुच्छेद 368 के संशोधन के रूप में नहीं माना जाना चाहिए

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.119) Solution (b)

<table>
<tr><th>कथन 1</th><th>कथन 2</th></tr>
<tr><td>असत्य</td><td>सत्य</td></tr>
<tr><td colspan="2">संसद एक विधान परिषद (जहां यह पहले से मौजूद है) को समाप्त कर सकती है या इसे सृजित कर सकती है (जहां इसका अस्तित्व नहीं है), यदि संबंधित राज्य का विधान सभा उस प्रभाव का प्रस्ताव पारित करती है।

इस तरह के एक विशिष्ट प्रस्ताव को राज्य विधानसभा द्वारा विशेष बहुमत से पारित किया जाना चाहिए, अर्थात् विधानसभा की कुल सदस्यता का बहुमत तथा विधानसभा के वर्तमान उपस्थित और मतदान करने वाले न्यूनतम दो-तिहाई सदस्यों का बहुमत ।</td></tr>
</table>

संसद के इस अधिनियम को अनुच्छेद 368 के प्रयोजनों के लिए संविधान के संशोधन के रूप में नहीं समझा जाना चाहिए तथा इसे विधान के एक साधारण विधेयक की तरह पारित किया जाता है (अर्थात, साधारण बहुमत द्वारा)।

Q.120) निम्नलिखित में से किस आयोग ने सुझाव दिया था कि "राष्ट्रपति के प्रसादपर्यन्त के दौरान" वाक्यांश को संविधान से हटा दिया जाना चाहिए?

a) सरकारिया आयोग
b) पूँछी आयोग
c) वेंकटचलिया आयोग
d) प्रशासनिक सुधार आयोग

Q.120) Solution (b)

पूँछी आयोग ने सिफारिश की कि- गवर्नर के पद के लिए, प्रसादपर्यंत सिद्धांत समाप्त होना चाहिए तथा इसे संविधान से हटा दिया जाना चाहिए। राज्यपाल को केंद्र सरकार की मर्ज़ी से नहीं हटाया जाना चाहिए। इसके बजाय, राज्यपाल को हटाने के लिए राज्य विधायिका द्वारा एक प्रस्ताव पारित होना चाहिए।

Q.121) सरकार की संघीय प्रणाली के संबंध में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

1. इसमें दोहरी सरकार शामिल होती है।
2. संविधान सर्वोच्च हो भी सकता है और नहीं भी।
3. न्यायिक स्वतंत्रता एक महत्वपूर्ण विशेषता होती है।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

a) 1 और 2
b) 2 और 3
c) 1 और 3
d) उपरोक्त सभी

Q.121) Solution (c)

कथन 1	कथन 2	कथन 3
सत्य	असत्य	सत्य

संघीय सरकारों की निम्न विशिष्ट विशेषताएं हैं:

1. **दोहरी सरकार** (अर्थात राष्ट्रीय सरकार और क्षेत्रीय सरकार)
2. लिखित संविधान
3. राष्ट्रीय और क्षेत्रीय सरकार के बीच शक्तियों का पृथक्करण
4. **संविधान की सर्वोच्चता**
5. कठोर संविधान
6. न्यायपालिका की स्वतंत्रता
7. द्विसदनीय विधायिका

Q.122) निम्नलिखित में से कौन भारतीय क्षेत्र के किसी भी हिस्से के लिए कानून बनाने की संसदीय विधायी शक्ति के लिए प्रतिबंध / अपवाद के रूप में कार्य करता है?

1. अंडमान और निकोबार द्वीप समूह का केंद्र शासित प्रदेश
2. त्रिपुरा में स्वायत्त जिले
3. असम में जनजातीय क्षेत्र

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

a) 1 और 2
b) 2 और 3
c) 1 और 3
d) उपरोक्त सभी

Q.122) Solution (d)

कथन 1	कथन 2	कथन 3
सत्य	सत्य	सत्य
संविधान संसद के पूर्ण क्षेत्राधिकार पर कुछ प्रतिबंध लगाती है। दूसरे शब्दों में, संसद के कानून निम्नलिखित क्षेत्रों में लागू नहीं होते हैं: (i) राष्ट्रपति चार केंद्र शासित प्रदेशों- **अंडमान और निकोबार द्वीप समूह**, लक्षद्वीप, दादरा और नगर हवेली तथा दमन और दीव की शांति, प्रगति और अच्छी सरकार के लिए नियम बना सकते हैं। इस विनियमन में संसद के एक अधिनियम के समान शक्ति और प्रभाव होता है। यह इन केंद्र शासित प्रदेशों के संबंध में संसद के किसी भी कार्य को निरस्त या संशोधित भी कर सकता है। (ii) राज्यपाल को यह निर्देश देने का अधिकार है कि संसद का एक अधिनियम राज्य में अनुसूचित क्षेत्र पर लागू नहीं होता है या निर्दिष्ट संशोधनों और अपवादों के साथ लागू होता है। (iii) **असम** के राज्यपाल निर्देश दे सकते हैं कि संसद का एक अधिनियम राज्य में एक आदिवासी क्षेत्र (स्वायत्त जिला) पर लागू नहीं होता है या निर्दिष्ट संशोधनों और अपवादों के साथ लागू होता है। राष्ट्रपति को मेघालय, **त्रिपुरा** और मिजोरम में आदिवासी क्षेत्रों (स्वायत्त जिलों) के संबंध में भी समान शक्ति प्राप्त है।		

Q.123) भारत में अवशिष्ट शक्ति के विधान के संबंध में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

1. अवशिष्ट विषयों के संबंध में कानून बनाने की शक्ति संसद में निहित है।
2. अवशिष्ट शक्ति के विधान में अवशिष्ट कर (residuary taxes) लगाने की शक्ति शामिल है।
3. अवशिष्ट शक्तियों की वर्तमान प्रणाली, भारत सरकार अधिनियम 1935 से ली गई है।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

a) केवल 1
b) 1 और 2
c) 1 और 3
d) उपरोक्त सभी

Q.123) Solution (b)

कथन 1	कथन 2	कथन 3
सत्य	सत्य	असत्य
अवशिष्ट विषयों के संबंध में कानून बनाने की शक्ति (यानी, जो मामले तीन सूचियों में से किसी में भी निहित नहीं हैं) संसद में निहित है।	कानून की इस अवशिष्ट शक्ति में अवशिष्ट कर लगाने की शक्ति भी शामिल है।	1935 के भारत सरकार अधिनियम के तहत, अवशिष्ट शक्तियां न तो संघीय विधायिका को दी गईं और न ही प्रांतीय विधायिका को बल्कि भारत के गवर्नर-जनरल में निहित थीं।

Q.124) अनुच्छेद 252 के अनुसार, जब दो या दो से अधिक राज्यों की विधानसभाएं संसद से राज्य सूची में किसी मामले पर कानून बनाने का अनुरोध करती हैं, तो संसद उस मामले को विनियमित करने के लिए कानून बना सकती है।

1. इस तरह के कानून को, उन राज्यों के आलावा जिन्होंने प्रस्तावों को पारित किया था, अन्य राज्यों द्वारा भी अपनाया जा सकता है।
2. इस तरह के कानून को केवल संसद द्वारा संशोधित या निरस्त किया जा सकता है, न कि संबंधित राज्यों की विधानसभाओं द्वारा।
3. वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 उपरोक्त प्रावधान के अनुसार पारित कानूनों का एक उदाहरण है।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

a) 1 और 2
b) 2 और 3
c) 1 और 3
d) उपरोक्त सभी

Q.124) Solution (d)

कथन 1	कथन 2	कथन 3
सत्य	**सत्य**	**सत्य**
एक ऐसा कानून जो केवल उन राज्यों पर लागू होता है, जिन्होंने प्रस्तावों को पारित किया है। हालाँकि, कोई अन्य राज्य अपने विधायिका में इस आशय का प्रस्ताव पारित करके बाद में इसे अपना सकते हैं।	इस तरह के कानून को केवल संसद द्वारा संशोधित या निरस्त किया जा सकता है, न कि संबंधित राज्यों की विधानसभाओं द्वारा।	उपरोक्त प्रावधान के तहत पारित कानूनों के कुछ उदाहरण पुरस्कार प्रतिस्पर्धा अधिनियम, 1955; वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972; जल (प्रदूषण की रोकथाम और नियंत्रण) अधिनियम, 1974; शहरी भूमि (सीमा और विनियमन) अधिनियम, 1976; और मानव अंग प्रत्यारोपण अधिनियम, 1994 हैं।

Q.125) राज्य सभा में प्रस्ताव पारित करने वाली स्थिति के संबंध में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें कि संसद को राज्य सूची में किसी मामले पर कानून बनाना चाहिए

1. इस तरह के प्रस्ताव को पूर्ण बहुमत (absolute majority) का उपयोग करके पारित किया जाता है।
2. प्रस्ताव को किसी भी समय नवीनीकृत किया जा सकता है, लेकिन एक बार में एक वर्ष से अधिक के लिए नहीं।
3. यह प्रावधान एक राज्य विधायिका की शक्ति को उसी मामले पर कानून बनाने के लिए प्रतिबंधित करता है।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 3
d) 2 और 3

Q.125) Solution (b)

कथन 1	कथन 2	कथन 3
असत्य	**सत्य**	**असत्य**

इस तरह के प्रस्ताव को उपस्थित और मतदान करने वाले दो-तिहाई सदस्यों का समर्थन होना चाहिए, अर्थात् विशेष बहुमत होना चाहिए।	प्रस्ताव एक वर्ष तक लागू रहता है; इसे किसी भी समय नवीनीकृत किया जा सकता है लेकिन एक बार में एक वर्ष से अधिक के लिए नहीं हो सकता है। प्रस्ताव के समापन के छह महीने बाद समाप्त होने वाले कानूनों का प्रभाव समाप्त हो जाता है।	यह प्रावधान राज्य विधायिका की शक्ति को उसी मामले पर कानून बनाने के लिए प्रतिबंधित नहीं करता है। लेकिन, एक राज्य के कानून और एक संसदीय कानून के बीच असंगति के मामले में, उत्तरार्द्ध प्रबल होता है।

Q.126) विधानों पर केंद्र-राज्य संबंधों के बारे में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

1. राष्ट्रपति को राज्यपाल द्वारा अपने विचारार्थ आरक्षित बिलों पर पूर्ण वीटो (absolute veto) प्राप्त होता है।
2. राज्य सूची में शामिल कुछ मामलों पर विधेयकों को राष्ट्रपति की पूर्व सहमति के साथ ही राज्य विधायिका में प्रस्तुत किया जा सकता है।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.126) Solution (c)

कथन 1	**कथन 2**
सत्य	**सत्य**
राज्यपाल राष्ट्रपति के विचारार्थ राज्य विधानमंडल द्वारा पारित कुछ प्रकार के विधेयकों को आरक्षित कर सकते हैं। राष्ट्रपति को उनके ऊपर पूर्ण वीटो प्राप्त होता है।	राज्य सूची में शामिल कुछ मामलों पर विधेयकों को राष्ट्रपति की पूर्व मंजूरी के साथ ही राज्य विधायिका में प्रस्तुत किया जा सकता है। (उदाहरण के लिए, व्यापार और वाणिज्य की स्वतंत्रता पर प्रतिबंध लगाने वाले विधेयक)।

Q.127) केंद्र-राज्य संबंधों में शक्तियों के प्रत्यायोजन (delegation) के बारे में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

1. राष्ट्रपति केंद्र सरकार के किसी भी कार्य को राज्य सरकार को उसकी सहमति के बिना सौंप सकता है।
2. केंद्र सरकार की सहमति से किसी राज्य का राज्यपाल उस सरकार को राज्य के किसी भी कार्यकारी कार्य को सौंप सकता है।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.127) Solution (b)

कथन 1	**कथन 2**
असत्य	**सत्य**

राष्ट्रपति, राज्य सरकार की सहमति से, उस सरकार को केंद्र के किसी भी कार्यकारी कार्य को सौंप सकता है। संविधान उस राज्य की सहमति के बिना किसी राज्य को केंद्र के कार्यकारी कार्यों को सौंपने का भी प्रावधान करता है। लेकिन, इस मामले में, प्रत्यायोजन संसद द्वारा होता है तथा राष्ट्रपति द्वारा नहीं।	किसी राज्य का राज्यपाल, केंद्र सरकार की सहमति से, उस सरकार को राज्य के किसी भी कार्यकारी कार्य को सौंप सकता है।

Q.128) संविधान ने राज्यों की कर लगाने की शक्तियों पर कुछ प्रतिबंध लगाए हैं

1. एक राज्य विधायिका को वस्तु या सेवाओं या दोनों की आपूर्ति पर कर लगाने से प्रतिबंधित किया जाता है जहां आयात या निर्यात के लिए ऐसी आपूर्ति होती है।
2. एक राज्य विधायिका किसी भी पानी (any water) के संबंध में कर लगा सकती है, लेकिन ऐसा विधेयक राष्ट्रपति के विचार के लिए आरक्षित होना चाहिए।
3. एक राज्य विधायिका रेलवे द्वारा बिजली की खपत पर कर लगा सकती है।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

a) 1 और 2
b) 2 और 3
c) 1 और 3
d) उपरोक्त सभी

Q.128) Solution (a)

कथन 1	कथन 2	कथन 3
सत्य	**सत्य**	**असत्य**
एक राज्य विधायिका को निम्नलिखित दो मामलों में वस्तु या सेवाओं या दोनों की आपूर्ति पर कर लगाने से प्रतिबंधित किया गया है: (a) जहां ऐसी आपूर्ति राज्य के बाहर होती है; और (b) जहां इस तरह की आपूर्ति आयात या निर्यात के लिए होती है। इसके अलावा, संसद को यह निर्धारित करने के लिए सिद्धांतों को तैयार करने का अधिकार है, जब वस्तु या सेवाओं या दोनों की आपूर्ति राज्य के बाहर, अथवा आयात या निर्यात के दौरान होती है।	एक राज्य विधायिका किसी भी अंतर-राज्य नदी या नदी घाटी को विनियमित करने या विकसित करने के लिए संसद द्वारा स्थापित किसी भी प्राधिकरण द्वारा संग्रहीत, निर्मित, उपभोग, वितरित या बेचे गए किसी भी पानी या बिजली के संबंध में एक कर लगा सकती है। लेकिन, ऐसा कानून, प्रभावी होने के लिए, राष्ट्रपति के विचारार्थ आरक्षित होना चाहिए और उसकी सहमति प्राप्त करना चाहिए।	एक राज्य विधायिका बिजली के उपभोग या बिक्री पर कर लगा सकती है। लेकिन, निम्न स्थिति में बिजली के खपत या बिक्री पर कोई कर नहीं लगाया जा सकता है (a) केंद्र द्वारा उपभोग या केंद्र को बेची गई; या (b) केंद्र द्वारा या संबंधित रेलवे कंपनी द्वारा किसी भी रेलवे के निर्माण, रखरखाव या संचालन में उपभोग या केंद्र या रेलवे कंपनी को उसी उद्देश्य से बेची गयी हो।

Q.129) सांविधिक अनुदानों (statutory grants) के संबंध में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

1. ये संविधान के अनुच्छेद 282 के तहत प्रदान किए गए हैं।
2. ये राज्यों को वित्त आयोग की सिफारिश पर दिए जाते हैं।
3. ये प्रति वर्ष भारत के समेकित कोष पर भारित होते हैं।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

a) 1 और 2

b) 2 और 3
c) 1 और 3
d) उपरोक्त सभी

Q.129) Solution (b)

कथन 1	कथन 2	कथन 3
असत्य	सत्य	सत्य
अनुच्छेद 275 संसद को उन राज्यों को अनुदान देने का अधिकार देता है, जिन्हें वित्तीय सहायता की आवश्यकता है, लेकिन प्रत्येक राज्य को नहीं। साथ ही, अलग-अलग राज्यों के लिए अलग-अलग राशि तय की जा सकती है।	अनुच्छेद 275 (सामान्य और विशिष्ट दोनों) के तहत सांविधिक अनुदान राज्यों को वित्त आयोग की सिफारिश पर दिया जाता है।	ये राशि प्रत्येक वर्ष भारत के समेकित कोष पर भारित होती है।

Q.130) राज्य सरकार द्वारा उधार लेने के संबंध में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

1. केंद्र से किसी विशेष राज्य द्वारा लिए जा सकने वाले ऋण की सीमाएं संसद द्वारा तय की जाती हैं।
2. एक राज्य सीधे विदेश से उधार नहीं ले सकता है।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.130) Solution (d)

कथन 1	कथन 2
असत्य	असत्य
एक राज्य सरकार, राज्य के समेकित कोष के आधार पर भारत के भीतर उधार ले सकती है या गारंटी दे सकती है, लेकिन दोनों, उस राज्य की विधायिका द्वारा तय सीमा के भीतर होना चाहिए।	2017 में, केंद्रीय कैबिनेट ने नीतिगत दिशा-निर्देशों को मंजूरी दी ताकि राज्य सरकार की संस्थाओं को महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के कार्यान्वयन के लिए द्विपक्षीय ओडीए (आधिकारिक विकास सहायता) भागीदारों से सीधे उधार लेने की अनुमति दी जा सके। दिशा-निर्देश राज्य सरकार की संस्थाओं को बाहरी द्विपक्षीय वित्त पोषण एजेंसियों से सीधे उधार लेने की सुविधा प्रदान करेंगे, जो कुछ शर्तों की पूर्ति के अधीन होंगी तथा वित्तपोषण एजेंसियों को ऋणों और ब्याज के सभी पुनर्भुगतान सीधे संबंधित उधारकर्ता द्वारा दिए जाएंगे। संबंधित राज्य सरकार ऋण के लिए गारंटी प्रस्तुत करेगी। भारत सरकार ऋण के लिए काउंटर गारंटी प्रदान करेगी।

Q.131) केंद्र-राज्यों के संबंधों के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

1. केंद्र अपनी विधायी शक्तियों को राज्यों को नहीं सौंप सकता है।
2. संसद द्वारा संघ सूची के एक विषय पर बनाया गया कानून शक्तियों को प्रदान करके किसी राज्य पर शुल्कों को लागू कर सकता है।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.131) Solution (c)

कथन 1	कथन 2
सत्य	**सत्य**
केंद्र अपनी विधायी शक्तियों को राज्यों को नहीं सौंप सकता है तथा एक अकेला राज्य संसद से एक राज्य के विषय पर कानून बनाने का अनुरोध नहीं कर सकता है।	संसद द्वारा संघ सूची के एक विषय पर बनाया गया एक कानून शक्तियों को प्रदान कर सकता है और एक राज्य पर शुल्कों को लागू कर सकता है, या एक राज्य पर केंद्र द्वारा शक्तियों के अधिरोपण और शुल्कों को लागू करने के लिए अधिकृत कर सकता है (संबंधित राज्य की सहमति के बिना भी)। विशेषकर, राज्य विधानमंडल द्वारा ऐसा समान कार्य नहीं किया जा सकता है।

Q.132) वित्त आयोग द्वारा राष्ट्रपति को दी गई सिफारिशों में कौन सी सिफारिशें होती हैं?

1. केंद्र और राज्यों के बीच साझा किए जाने वाले करों की शुद्ध आय का वितरण।
2. केंद्र द्वारा राज्यों के बीच साझा की गई कर आय का आवंटन।
3. किसी राज्य के समेकित निधि को बढ़ाने के लिए आवश्यक उपाय।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

a) केवल 1
b) 1 और 2
c) 1 और 3
d) उपरोक्त सभी

Q.132) Solution (d)

कथन 1	कथन 2	कथन 3
सत्य	**सत्य**	**सत्य**
अनुच्छेद 280 एक वित्त आयोग को अर्ध-न्यायिक निकाय के रूप में प्रदान करता है। इसका गठन राष्ट्रपति द्वारा हर पांचवें वर्ष या उससे भी पहले किया जाता है। निम्नलिखित मामलों में राष्ट्रपति को सिफारिश करना आवश्यक है: • केंद्र और राज्यों के बीच साझा किए जाने वाले करों की शुद्ध आय का वितरण, तथा राज्यों के बीच आवंटन, ऐसी आय के संबंधित शेयर। • वे सिद्धांत जो केंद्र द्वारा राज्यों को सहायता प्रदान करना चाहिए (अर्थात, भारत के समेकित कोष से बाहर)। • राज्य के समेकित निधि को बढ़ाने के लिए आवश्यक उपाय राज्य वित्त आयोग द्वारा की गई सिफारिशों के		

आधार पर राज्य में पंचायतों और नगरपालिकाओं के संसाधनों के पूरक होते हैं।
• ठोस वित्त के हितों में राष्ट्रपति द्वारा संदर्भित किसी अन्य मामले को।

Q.133) संविधान के अनुच्छेद 262 में अंतरराज्यीय जल विवादों के अधिनिर्णयन का प्रावधान है। इसके तहत प्रावधान हैं

1. संसद किसी भी अंतरराज्यीय नदी के संबंध में किसी भी विवाद के अधिनिर्णयन हेतु कानून प्रदान कर सकती है।
2. राष्ट्रपति ऐसे विवादों को सर्वोच्च न्यायालय के अधिकार क्षेत्र से बाहर कर सकता है।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.133) Solution (a)

कथन 1	कथन 2
सत्य	असत्य
संविधान के अनुच्छेद 262 में अंतर्राज्यीय जल विवादों के अधिनिर्णयन का प्रावधान है। यह दो प्रावधान करता है: (i) संसद किसी भी अंतर-राज्यीय नदी और नदी घाटी के जल के उपयोग, वितरण और नियंत्रण के संबंध में किसी भी विवाद या शिकायत का अधिनिर्णयन करने का कानून प्रदान कर सकती है। (ii) संसद यह भी प्रदान कर सकती है कि इस तरह के किसी भी विवाद या शिकायत के संबंध में न तो सर्वोच्च न्यायालय और न ही किसी अन्य न्यायालय को क्षेत्राधिकार का प्रयोग करना है।	

Q.134) अंतर-राज्य परिषद (Inter-state council) के बारे में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

1. राष्ट्रपति ऐसे परिषद तथा उसके संगठन और प्रक्रिया द्वारा किए जाने वाले कर्तव्यों की प्रकृति को परिभाषित कर सकते हैं।
2. यह सरकारिया आयोग की सिफारिशों के आधार पर स्थापित किया गया था।
3. प्रधानमंत्री परिषद के अध्यक्ष के रूप में कार्य करता है।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

a) 1 और 2
b) 2 और 3
c) 1 और 3
d) उपरोक्त सभी

Q.134) Solution (d)

कथन 1	कथन 2	कथन 3
सत्य	सत्य	सत्य
अनुच्छेद 263 राज्यों और केंद्र के बीच समन्वय को प्रभावित करने के लिए एक अंतर-राज्य परिषद की	भारत सरकार नेअंतर-राज्य परिषद की स्थापना के लिए सरकारिया आयोग की सिफारिश को स्वीकार कर लिया	परिषद में शामिल हैं: • प्रधान मंत्री - अध्यक्ष • सभी राज्यों के मुख्यमंत्री -

स्थापना पर विचार करता है। इस प्रकार, राष्ट्रपति इस तरह की परिषद की स्थापना कर सकते हैं यदि किसी भी समय उन्हें यह प्रतीत होता है कि इसकी स्थापना से सार्वजनिक हित में काम किया जाएगा। वह ऐसे परिषद तथा उसके संगठन और प्रक्रिया द्वारा किए जाने वाले कर्तव्यों की प्रकृति को परिभाषित कर सकता है।	तथा 1990 में अंतर-राज्य परिषद के राष्ट्रपति आदेश द्वारा स्थापना को अधिसूचित किया।	सदस्य • केंद्रशासित प्रदेशों के मुख्यमंत्री जहां विधानसभा है तथा केंद्र शासित प्रदेशों के प्रशासक जहां विधान सभा नहीं है - सदस्य • केंद्रीय मंत्रिपरिषद में मंत्रिमंडल के छह मंत्रियों को प्रधान मंत्री द्वारा सदस्यों के रूप में नामित किया जाता है

Q.135) अंतरराज्यीय जल विवाद अधिनियम के बारे में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

1. यह संसद को अंतर-राज्यीय नदी के संबंध में राज्यों के बीच विवाद के अधिनिर्णयन के लिए एक तदर्थ न्यायाधिकरण स्थापित करने का अधिकार देता है।
2. न्यायाधिकरण का निर्णय अंतिम तथा विवाद के पक्षकारों के लिए बाध्यकारी होगा।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.135) Solution (b)

कथन 1	**कथन 2**
असत्य	**सत्य**
अंतर-राज्य जल विवाद अधिनियम केंद्र सरकार को एक अंतर-राज्यीय नदी या नदी घाटी के पानी के संबंध में दो या दो से अधिक राज्यों के बीच विवाद के अधिनिर्णयन के लिए एक तदर्थ न्यायाधिकरण स्थापित करने का अधिकार देता है।	न्यायाधिकरण का निर्णय अंतिम होगा तथा विवाद के पक्षकारों पर बाध्य होगा। किसी भी जल विवाद के संबंध में न तो सर्वोच्च न्यायालय और न ही किसी अन्य न्यायालय का अधिकार क्षेत्र होता है, जिसे इस अधिनियम के तहत ऐसे न्यायाधिकरण के पास भेजा जा सकता है।

Q.136) आंचलिक परिषदों (Zonal Councils) के बारे में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

1. आंचलिक परिषदें सांविधिक निकाय हैं।
2. प्रधानमंत्री परिषदों के अध्यक्ष के रूप में कार्य करते हैं।
3. ये सरकारिया आयोग की सिफारिशों पर स्थापित किए गए हैं।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

a) केवल 1
b) 1 और 2
c) 1 और 3
d) उपरोक्त सभी

Q.136) Solution (a)

कथन 1	कथन 2	कथन 3
सत्य	असत्य	असत्य
आंचलिक परिषद सांविधिक (और संवैधानिक नहीं) निकाय हैं। वे संसद के एक अधिनियम, अर्थात्, राज्य पुनर्गठन अधिनियम 1956 द्वारा स्थापित किए गए हैं। इस अधिनियम ने देश को पांच क्षेत्रों (उत्तरी, मध्य, पूर्वी, पश्चिमी और दक्षिणी) में विभाजित किया है तथा प्रत्येक क्षेत्र के लिए एक आंचलिक परिषद प्रदान की है।		केंद्र सरकार के गृह मंत्री पाँचों आंचलिक परिषदों के अध्यक्ष होते हैं। प्रत्येक मुख्यमंत्री एक बार में एक वर्ष की अवधि के लिए कार्यालय में, रोटेशन द्वारा परिषद के उपाध्यक्ष के रूप में कार्य करता है।

Q.137) अंतर-राज्यीय व्यापार और वाणिज्य (inter-state trade and commerce) के बारे में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

1. संसद सार्वजनिक हित में राज्यों के बीच व्यापार, वाणिज्य और आवागमन की स्वतंत्रता पर प्रतिबंध लगा सकती है।
2. किसी राज्य की विधायिका सार्वजनिक हित में राज्य के साथ व्यापार, वाणिज्य और आवागमन की स्वतंत्रता पर उचित प्रतिबंध लगा सकती है।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.137) Solution (c)

कथन 1	कथन 2
सत्य	सत्य
संसद सार्वजनिक हित में व्यापार, वाणिज्य और राज्यों के बीच या राज्य के भीतर आवागमन की स्वतंत्रता पर प्रतिबंध लगा सकती है। लेकिन, संसद भारत के किसी भी हिस्से में वस्तु की कमी के मामले में एक राज्य को दूसरे राज्य पर वरीयता नहीं दे सकती है या राज्यों के बीच भेदभाव नहीं कर सकती है।	किसी राज्य की विधायिका सार्वजनिक हित में, उस राज्य के साथ या उस राज्य के भीतर व्यापार, वाणिज्य और आवागमन की स्वतंत्रता पर उचित प्रतिबंध लगा सकती है। लेकिन, इस उद्देश्य के लिए विधेयक को राष्ट्रपति की पूर्व मंजूरी के साथ ही विधायिका में प्रस्तुत किया जा सकता है। इसके अलावा, राज्य विधायिका एक राज्य को दूसरे राज्य पर वरीयता नहीं दे सकती है या राज्यों के बीच भेदभाव नहीं कर सकती है।

Q.138) अखिल भारतीय सेवाओं (All India Services) के बारे में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

1. अखिल भारतीय सेवाओं के सदस्य राष्ट्रपति के प्रसादपर्यंत कार्यालय में बने रहते हैं।
2. इन अधिकारियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई केंद्र सरकार और राज्य सरकारों दोनों द्वारा की जा सकती है।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.138) Solution (a)

कथन 1	कथन 2
सत्य	**असत्य**
अनुच्छेद 310 के अनुसार, रक्षा सेवाओं के सदस्य, केंद्र की नागरिक सेवाओं और अखिल भारतीय सेवाओं या केंद्र के तहत सैन्य पदों या नागरिक पदों पर रहने वाले सदस्य, राष्ट्रपति के प्रसादपर्यंत कार्यालय में बने रहते हैं।	अखिल भारतीय सेवाओं को केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा संयुक्त रूप से नियंत्रित किया जाता है। अंतिम नियंत्रण केंद्र सरकार के पास होते है, जबकि तत्काल नियंत्रण राज्य सरकारों में निहित होते है। इन अधिकारियों के खिलाफ कोई भी अनुशासनात्मक कार्रवाई (दंड का प्रावधान) केवल केंद्र सरकार द्वारा की जा सकती है।

Q.139) निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

1. केंद्र की कार्यकारी शक्ति उन मामलों के संबंध में पूरे भारत में विस्तारित होती है, जिन पर संसद के पास कानून बनाने की विशेष शक्ति है।
2. समवर्ती सूची में उल्लिखित विषयों के संबंध में, कार्यकारी शक्ति स्वाभाविक रूप से (by default) केंद्र के पास होती है।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.139) Solution (a)

कथन 1	कथन 2
सत्य	**असत्य**
केंद्र की कार्यकारी शक्ति पूरे भारत में विस्तारित होती है: (i) उन मामलों पर, जिन पर संसद के पास कानून बनाने की विशेष शक्ति है (यानी, संघ सूची में शामिल विषय); और (ii) किसी संधि या समझौते द्वारा उस पर प्रदत्त अधिकारों, अधिकरणों और प्राधिकार क्षेत्र के अभ्यास के लिए।	उन मामलों के संबंध में, जिन पर संसद और राज्य विधानसभाओं को कानून की शक्ति है (अर्थात, समवर्ती सूची में शामिल विषय), कार्यकारी शक्ति राज्यों के पास होती है, सिवाय इसके कि जब कोई संवैधानिक प्रावधान या संसदीय कानून विशेष रूप से इसे केंद्र में निहित करता है।

Q.140) केंद्र को निम्नलिखित मामलों में से अपनी कार्यकारी शक्ति के प्रयोग के संबंध में, राज्यों को निर्देश देने का अधिकार है

1. संचार
2. रेलवे
3. कृषि
4. भाषाई अल्पसंख्यक समूह

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

a) 1 और 2
b) 2 और 3

c) 1,2 और 4
d) उपरोक्त सभी

Q.140) Solution (c)

कथन 1	कथन 2	कथन 3	कथन 4
सत्य	सत्य	असत्य	सत्य
केंद्र को निम्नलिखित मामलों में अपनी कार्यकारी शक्ति के प्रयोग के संबंध में राज्यों को निर्देश देने का अधिकार दिया गया है: (i) राज्य द्वारा संचार के साधनों (राष्ट्रीय या सैन्य महत्व के) का निर्माण और रखरखाव; (ii) राज्य के भीतर रेलवे की सुरक्षा के लिए किए जाने वाले उपाय; (iii) राज्य में भाषाई अल्पसंख्यक समूहों से संबंधित बच्चों को शिक्षा के प्राथमिक स्तर पर मातृभाषा में शिक्षा के लिए पर्याप्त सुविधाओं का प्रावधान; तथा (iv) राज्य में अनुसूचित जनजातियों के कल्याण के लिए निर्दिष्ट योजनाओं का निरूपण और निष्पादन।			

Q.141) निम्नलिखित में से कौन सा प्रावधान, भारत में सर्वोच्च न्यायालय की स्वतंत्रता सुनिश्चित करता है?

1. न्यायपालिका के परामर्श से राष्ट्रपति द्वारा न्यायाधीशों की नियुक्ति
2. व्ययों का भारत के समेकित कोष पर भारित होना
3. न्यायाधीशों को केवल भारत के मुख्य न्यायाधीश द्वारा हटाया जा सकता है
4. न्यायाधीशों के आचरण पर केवल संसद में चर्चा हो सकती है

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

a) 1 और 2
b) 2 और 4
c) 1,2 और 4
d) उपरोक्त सभी

Q.141) Solution (a)

कथन 1	कथन 2	कथन 3	कथन 4
सत्य	सत्य	असत्य	असत्य
सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की नियुक्ति राष्ट्रपति (जिसका अर्थ कैबिनेट की सलाह पर) द्वारा न्यायपालिका के सदस्यों (यानी सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालयों के न्यायाधीशों) के परामर्श से किया जाता है। यह प्रावधान कार्यपालिका के पूर्ण विवेकाधिकार पर अंकुश	न्यायाधीशों और कर्मचारियों के वेतन, भत्ते और पेंशन के साथ-साथ सुप्रीम कोर्ट के सभी प्रशासनिक खर्चों को भारत के समेकित कोष पर भारित किया गया है। इस प्रकार, वे संसद द्वारा गैर-मतदान योग्य हैं (हालांकि उन पर चर्चा की जा सकती है)।	सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों को आवधिक सुरक्षा प्रदान की जाती है। उन्हें राष्ट्रपति द्वारा पद से केवल उस तरीके से और संविधान में वर्णित आधारों पर हटाया जा सकता है। इसका अर्थ यह है कि वे राष्ट्रपति के प्रसादपर्यंत अपने पद पर नहीं रहते हैं, हालांकि वे उनके द्वारा नियुक्त किए जाते हैं। यह इस	संविधान संसद में या राज्य विधानमंडल में किसी भी चर्चा पर प्रतिबंध लगाता है, जिसमें सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों के आचरण के संबंध में उनके कर्तव्यों का निर्वहन किया जाता है, सिवाय जब महाभियोग प्रस्ताव संसद में विचाराधीन हो।

लगाता है तथा साथ ही, यह सुनिश्चित करता है कि न्यायिक नियुक्तियां किसी भी राजनीतिक या व्यावहारिक प्रक्रियाओं पर आधारित नहीं हैं।		तथ्य से स्पष्ट है कि उच्चतम न्यायालय के किसी भी न्यायाधीश को अब तक नहीं हटाया गया है (या महाभियोग लगाया गया है)।	

Q.142) सर्वोच्च न्यायालय के सलाहकारी क्षेत्राधिकार के बारे में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

1. किसी भी मामले पर सर्वोच्च न्यायालय राष्ट्रपति को राय दे सकता है या अपनी राय देने से इंकार कर सकता है।
2. सर्वोच्च न्यायालय द्वारा व्यक्त की गई राय केवल सलाहकारी होती है।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.142) Solution (b)

कथन 1	**कथन 2**
असत्य	**सत्य**
संविधान (अनुच्छेद 143) राष्ट्रपति को मामलों की दो श्रेणियों में सर्वोच्च न्यायालय की राय लेने का अधिकार देता है: a. कानून या सार्वजनिक महत्व के किसी भी प्रश्न पर जो उत्पन्न हुआ है या जो उत्पन्न होने की संभावना है। b. किसी भी संविधान-पूर्व संधि, समझौते, वाचा, अंतःक्रिया, या अन्य समान साधनों से उत्पन्न विवाद पर। पहले मामले में, सर्वोच्च न्यायालय राष्ट्रपति को अपनी राय दे सकता है या राय देने से मना कर सकता है। लेकिन, दूसरे मामले में, सर्वोच्च न्यायालय को राष्ट्रपति को 'अवश्य' अपनी राय देनी होगी। दोनों मामलों में, सर्वोच्च न्यायालय द्वारा व्यक्त की गई राय केवल सलाहकारी होती है तथा न्यायिक घोषणा नहीं होती है।	

Q.143) अभिलेख-न्यायालय (Court of Record) के रूप में, निम्नलिखित में से कौन सी शक्तियाँ सर्वोच्च न्यायालय को प्रदान की गई हैं?

1. सर्वोच्च न्यायालय के अभिलिखित किए गए निर्णयों पर प्रश्न नहीं किया जा सकता है, जब किसी भी न्यायालय में प्रस्तुत किया जाता है।
2. सर्वोच्च न्यायालय को न्यायालय की अवमानना के लिए दंडित करने की शक्ति है

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.143) Solution (c)

कथन 1	**कथन 2**

सत्य	सत्य

अभिलेख न्यायालय (Court of Record) के रूप में, सर्वोच्च न्यायालय के पास दो शक्तियाँ हैं:

a. सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय, कार्यवाही और कार्य सदा स्मृति और साक्ष्य के लिए दर्ज किए जाते हैं। इन अभिलेखों को स्पष्ट मूल्यों के रूप में स्वीकार किया जाता है तथा किसी भी न्यायालय में प्रस्तुत किए जाने पर पूछताछ नहीं की जा सकती है। वे कानूनी मिसाल और कानूनी संदर्भ के रूप में पहचाने जाते हैं।
b. इसमें न्यायालय की अवमानना के लिए दंडित करने की शक्ति है, यह या तो छह महीने तक के लिए साधारण कारावास या 2,000 तक जुर्माना या दोनों के साथ होती है। 1991 में, सर्वोच्च न्यायालय ने फैसला दिया कि उसके पास न केवल स्वयं की बल्कि पूरे देश में उच्च न्यायालयों, अधीनस्थ अदालतों और न्यायाधिकरणों की अवमानना के लिए दंडित करने की शक्ति है।

Q.144) राष्ट्रीय आपातकाल (National emergency) के बारे में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

1. आपातकाल की घोषणा दोनों सदनों से अनुमोदन के बिना 6 महीने से अधिक बनी रह सकती है।
2. इसे संसदीय स्वीकृति के बिना राष्ट्रपति द्वारा निरस्त किया जा सकता है।
3. इसे भारत में 1975 के बाद केवल एक बार घोषित किया गया है।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

a) 1 और 2
b) 1 और 3
c) 2 और 3
d) उपरोक्त सभी

Q.144) Solution (a)

कथन 1	कथन 2	कथन 3
सत्य	**सत्य**	**असत्य**
आपातकाल की घोषणा को संसद के दोनों सदनों द्वारा इसकी घोषणा की तारीख से एक महीने के भीतर अनुमोदित किया जाना चाहिए। हालाँकि, यदि आपातकाल की घोषणा ऐसे समय में जारी की जाती है, जब लोकसभा भंग कर दी गई हो या लोकसभा का विघटन एक महीने की अवधि के दौरान उद्घोषणा को मंजूरी दिए बिना हो जाता है, तो उद्घोषणा, लोकसभा के पुनर्गठन के बाद, पहली बैठक से 30 दिनों तक बनी रहती है (इसमें 6 महीने लग सकते हैं), बशर्ते राज्यसभा ने इस बीच इसे मंजूरी दे दी हो।	राष्ट्रपति द्वारा बाद में किसी भी समय आपातकाल की घोषणा रद्द की जा सकती है। इस तरह की उद्घोषणा को संसदीय अनुमोदन की आवश्यकता नहीं होती है।	1975 के पश्चात् कोई भी आपातकाल लागु नहीं हुआ है, कारगिल युद्ध के दौरान भी नहीं।

Q.145) राष्ट्रीय आपातकाल (National emergency) के बारे में, निम्नलिखित में से कौन सा कथन गलत है?

1. राज्य सरकारें निलंबित हो सकती हैं, जब आपातकालीन स्थिति संचलन में हो।

2. राष्ट्रीय आपातकाल के दौरान राज्य के विषयों पर संसद द्वारा बनाए गए कानून, आपातकाल की समाप्ति के बाद भी परिचालन में रहते हैं।
3. आपातकाल के दौरान, राष्ट्रपति संसद की मंजूरी के बिना केंद्र से राज्यों को वित्त हस्तांतरण को रद्द कर सकता है।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

a) 1 और 2
b) 1 और 3
c) 2 और 3
d) उपरोक्त सभी

Q.145) Solution (d)

कथन 1	**कथन 2**	**कथन 3**
असत्य	**असत्य**	**असत्य**
एक राष्ट्रीय आपातकाल के दौरान, केंद्र की कार्यकारी शक्ति किसी भी राज्य को उस तरीके के बारे में निर्देश देने के लिए विस्तारित होती है, जिस तरीके से उसकी कार्यकारी शक्ति का प्रयोग किया जाना है। सामान्य समय में, केंद्र केवल कुछ निर्दिष्ट मामलों पर किसी राज्य को कार्यकारी निर्देश दे सकता है। हालाँकि, राष्ट्रीय आपातकाल के दौरान, केंद्र किसी भी 'मामले' पर किसी राज्य को कार्यकारी निर्देश देने का हकदार बन जाता है। इस प्रकार, राज्य सरकारों को केंद्र के पूर्ण नियंत्रण में लाया जाता है, हालांकि उन्हें निलंबित नहीं किया जाता है।	राष्ट्रीय आपातकाल के दौरान राज्य के विषयों पर संसद द्वारा बनाए गए कानून आपातकाल की समाप्ति के छह महीने बाद निष्क्रिय हो जाते हैं।	जबकि राष्ट्रीय आपातकाल की घोषणा चल रही हो, राष्ट्रपति केंद्र और राज्यों के बीच राजस्व के संवैधानिक वितरण को संशोधित कर सकता है। इसका अर्थ है कि राष्ट्रपति केंद्र से राज्यों को वित्त हस्तांतरण को कम कर सकते हैं या रद्द कर सकते हैं। इस तरह का संशोधन वित्तीय वर्ष के अंत तक जारी रहता है जिसमें आपातकाल संचालित होता है। साथ ही, राष्ट्रपति के ऐसे प्रत्येक आदेश को संसद के दोनों सदनों के समक्ष रखा जाना चाहिए।

Q.146) मौलिक अधिकारों पर राष्ट्रीय आपातकाल के प्रभाव के बारे में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

1. जब राष्ट्रीय आपातकाल की घोषणा की जाती है, तो अनुच्छेद 19 के तहत छह मौलिक अधिकार स्वतः निलंबित हो जाते हैं।
2. अनुच्छेद 20 और 21 आपातकाल के दौरान भी लागू रहते हैं।
3. आपातकाल के दौरान ली गई विधायी और कार्यकारी कार्रवाइयों को आपातकाल के बाद भी चुनौती नहीं दी जा सकती है।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

a) 1 और 2
b) केवल 2
c) 1 और 3
d) उपरोक्त सभी

Q.146) Solution (b)

कथन 1	कथन 2	कथन 3
असत्य	सत्य	असत्य
अनुच्छेद 358 के अनुसार, जब राष्ट्रीय आपातकाल की घोषणा की जाती है, तो अनुच्छेद 19 के तहत छह मौलिक अधिकार स्वतः निलंबित हो जाते हैं। उनके निलंबन के लिए कोई अलग आदेश की आवश्यकता नहीं है। हालाँकि, 1978 के 44 वें संशोधन अधिनियम ने अनुच्छेद 358 के दायरे को प्रतिबंधित कर दिया। अनुच्छेद 19 के तहत छह मौलिक अधिकार केवल तभी निलंबित किए जा सकते हैं, जब राष्ट्रीय आपातकाल युद्ध या बाहरी आक्रमण के आधार पर घोषित किया जाए, न कि सशस्त्र विद्रोह के आधार पर।	44 वें संशोधन अधिनियम के बाद, अपराधों के लिए सजा के संबंध में सुरक्षा का अधिकार (अनुच्छेद 20) तथा जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार (अनुच्छेद 21) आपातकाल के दौरान भी लागू रहने योग्य होता है।	44 वें संशोधन के अनुसार, केवल संबंधित कानून के तहत आपातकाल के दौरान की गई कार्यकारी कार्रवाई संरक्षित है तथा विधायी कार्रवाई संरक्षित नहीं है।

Q.147) राष्ट्रपति शासन (President's rule) के बारे में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

1. राष्ट्रपति शासन तब लागू किया जा सकता है, जब कोई राज्य केंद्र से निर्देश का पालन करने में विफल रहता है।
2. राष्ट्रपति शासन की घोषणा को मंजूरी देने वाला प्रस्ताव संसद के किसी भी सदन द्वारा केवल साधारण बहुमत से पारित किया जा सकता है।
3. संसद राष्ट्रपति शासन लगने के दौरान, राज्य बजट पारित करती है।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

a) 1 और 2
b) 2 और 3
c) 1 और 3
d) उपरोक्त सभी

Q.147) Solution (d)

कथन 1	कथन 2	कथन 3
सत्य	सत्य	सत्य
अनुच्छेद 365 कहता है कि जब भी कोई राज्य केंद्र के किसी भी दिशा-निर्देश का पालन करने या उसे लागू करने में विफल रहता है, तो राष्ट्रपति के लिए यह सुनिश्चित करना आवश्यक होगा कि जिसमें राज्य में शासन संविधान के प्रावधान के अनुसार कार्य कर सके। ।	राष्ट्रपति शासन की घोषणा या उसकी निरंतरता को मंजूरी देने वाले प्रत्येक प्रस्ताव को संसद के किसी भी सदन द्वारा केवल एक साधारण बहुमत द्वारा पारित किया जा सकता है, अर्थात उस सदन के उपस्थित सदस्य और मतदान करने वालों का बहुमत हो।	राष्ट्रपति या तो राज्य विधान सभा को निलंबित या भंग करता है। संसद राज्य विधायी बिल और राज्य बजट पारित करती है।

Q.148) राष्ट्रपति शासन के बारे में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

1. राष्ट्रपति शासन लागू होने के दौरान, राज्य कार्यपालिका को बर्खास्त कर दिया जाता है तथा राज्य विधायिका या तो निलंबित या भंग कर दी जाती है।
2. राष्ट्रपति शासन के निरसन के लिए लोकसभा को प्रस्ताव पारित करना होता है।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.148) Solution (a)

कथन 1	कथन 2
सत्य	**असत्य**
इसके संचालन के दौरान, राज्य की कार्यकारिणी बर्खास्त कर दी जाती है तथा राज्य विधायिका या तो निलंबित या भंग कर दी जाती है। राष्ट्रपति राज्यपाल के माध्यम से राज्य का संचालन करता है और संसद राज्य के लिए कानून बनाती है।	ऐसा कोई प्रावधान नहीं है। इसे राष्ट्रपति द्वारा केवल अपनी स्वयं की शक्तियों के आधार पर निरस्त किया जा सकता है।

Q.149) वित्तीय आपातकाल (Financial Emergency) के बारे में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

1. इसे अनिश्चित काल तक जारी रखा जा सकता है, लेकिन इसके लिए प्रत्येक वर्ष संसद की मंजूरी की आवश्यकता होती है।
2. इसके संचालन के दौरान, केंद्र राज्यों के वित्तीय मामलों पर पूर्ण नियंत्रण प्राप्त कर लेता है।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.149) Solution (b)

कथन 1	कथन 2
असत्य	**सत्य**
एक बार संसद के दोनों सदनों द्वारा अनुमोदित किए जाने के बाद, वित्तीय आपातकाल अनिश्चित काल तक जारी रहता है। इसका तात्पर्य दो चीजों से है: 1. इसके संचालन के लिए कोई अधिकतम अवधि निर्धारित नहीं है; तथा 2. इसके जारी रहने के लिए बार-बार संसदीय अनुमोदन की आवश्यकता नहीं होती है।	वित्तीय आपातकाल के संचालन के दौरान, केंद्र वित्तीय मामलों में राज्यों पर पूर्ण नियंत्रण प्राप्त करता है।

Q.150) बोम्मई मामले (1994) में सर्वोच्च न्यायालय ने उन स्थितियों को सूचीबद्ध किया, जहां अनुच्छेद 356 के तहत शक्ति का प्रयोग उचित या अनुचित हो सकता है। किसी राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू करने के लिए निम्नलिखित में से कौन सी स्थितियाँ हैं?

1. त्रिशंकु विधानसभा (Hung assembly)
2. कुशासन (Maladministration)
3. केंद्र सरकार द्वारा दिए गए संवैधानिक निर्देशों की अवहेलना
4. कठोर वित्तीय अनिवार्यता (Stringent financial exigencies)

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

a) 1 और 3
b) 2 और 3
c) 1,3 और 4
d) उपरोक्त सभी

Q.150) Solution (a)

कथन 1	कथन 3	कथन 2	कथन 4
सत्य	सत्य	असत्य	असत्य
एक राज्य में राष्ट्रपति शासन का प्रभाव निम्नलिखित स्थितियों में उचित होगा: 1. जहां विधानसभा के आम चुनावों के बाद, कोई भी पार्टी बहुमत हासिल नहीं करती है, यानी 'त्रिशंकु विधान सभा'। 2. जहाँ विधानसभा में बहुमत रखने वाली पार्टी सरकार गठन से इंकार कर देती तथा राज्यपाल को कोई गठबंधन सरकार गठन के लिए विधानसभा में बहुमत की शक्ति वाला नहीं मिल रहा है। 3. जहां एक सरकार विधानसभा में अपनी पराजय के बाद इस्तीफा दे देती है तथा कोई अन्य पार्टी विधानसभा में बहुमत रखने वाली सरकार के गठन लिए तैयार या सक्षम नहीं होती है। 4. जहां केंद्र सरकार के एक संवैधानिक निर्देश की राज्य सरकार द्वारा अवहेलना की जाती है। 5. आंतरिक उपद्रव जहां, उदाहरण के लिए, एक सरकार जानबूझकर संविधान और कानून के खिलाफ काम कर रही है या एक हिंसक विद्रोह कर रही है। 6. भौतिक विखंडन, जहां सरकार अपने संवैधानिक दायित्वों का निर्वहन करने से इनकार कर राज्य की सुरक्षा को खतरे में डाल रही है।		एक राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू करना निम्नलिखित परिस्थितियों में अनुचित होगा: 1. जहां एक सरकार इस्तीफा देती है या विधानसभा में बहुमत का समर्थन खोने पर बर्खास्त कर दी जाती है तथा राज्यपाल वैकल्पिक सरकार बनाने की संभावना देखे बिना राष्ट्रपति शासन लगाने की सिफारिश करता है। 2. जहां राज्यपाल स्वयं विधानसभा में एक सरकार के समर्थन का अपना आकलन करता है तथा उन्हें विधानसभा के फ्लोर पर बहुमत साबित करने की अनुमति दिए बिना राष्ट्रपति शासन लगाने की सिफारिश करता है। 3. जहां विधानसभा में बहुमत का समर्थन करने वाली सत्ताधारी पार्टी को 1977 और 1980 की तरह लोकसभा के आम चुनावों में भारी हार का सामना करना पड़ा हो। 4. आंतरिक गड़बड़ी आंतरिक उपद्रव या भौतिक विखंडन की सीमा तक नहीं हो। 5. राज्य में कुप्रबंधन या सरकार के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोप या राज्य की कठोर वित्तीय अनिवार्यता। 6. जहां राज्य सरकार को विनाशकारी परिणाम के लिए अत्यधिक आग्रह के मामले को छोड़कर स्वयं को सुधारने के लिए पूर्व चेतावनी नहीं दी जाती है। 7. जहां सत्ता का उपयोग सत्ता पक्ष की अंतर-पार्टी समस्याओं को सुलझाने के लिए किया जाता है, या एक उद्देश्य के लिए जो बहिष्कृत या	

	अप्रासंगिक है, जिसके लिए इसे संविधान में उल्लेख किया गया है।

Q.151) सर्वोच्च न्यायालय के संबंध में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

1. इसके पास राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति के चुनाव के विवादों का निर्णय करने का मूल, अनन्य और अंतिम अधिकार है।
2. संघ सूची में मामलों के संबंध में इसके अधिकार क्षेत्र और शक्तियां संसद द्वारा विस्तारित की जा सकती हैं।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.151) Solution (c)

कथन 1	**कथन 2**
सत्य	**सत्य**
यह राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति के चुनाव के बारे में विवादों का निर्णय करता है। इस संबंध में, इसके पास मूल, अनन्य और अंतिम प्राधिकार है।	सर्वोच्च न्यायालय के अधिकार क्षेत्र और संघ सूची में मामलों के संबंध में शक्तियां संसद द्वारा विस्तारित की जा सकती हैं। इसके अलावा, इसके अधिकार क्षेत्र और अन्य मामलों के संबंध में शक्तियों को केंद्र और राज्यों के एक विशेष समझौते द्वारा विस्तारित किया जा सकता है।

Q.152) भारत के सर्वोच्च न्यायालय के बारे में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

1. यूएसए के सर्वोच्च न्यायालय के विपरीत, भारत में सर्वोच्च न्यायालय के पास किसी भी न्यायालय या न्यायाधिकरण के निर्णय के खिलाफ किसी भी मामले में अपील करने के लिए विशेष अवकाश (special leave) देने का व्यापक विवेकाधिकार है।
2. यूएसए के विपरीत, भारत में सर्वोच्च न्यायालय के पास न्यायिक समीक्षा का दायरा अधिक व्यापक है।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.152) Solution (a)

कथन 1	**कथन 2**
सत्य	**असत्य**
भारतीय सर्वोच्च न्यायालय में किसी भी न्यायालय या न्यायाधिकरण (सैन्य को छोड़कर) के फैसले के खिलाफ किसी भी मामले में अपील करने के लिए विशेष अवकाश (special leave) प्रदान करने का एक बहुत विस्तृत	भारतीय सर्वोच्च न्यायालय की न्यायिक समीक्षा का दायरा सीमित है। अमेरिकी सर्वोच्च न्यायालय की न्यायिक समीक्षा का

विवेकाधिकार है। अमेरिकी सर्वोच्च न्यायालय के पास ऐसी कोई पूर्ण शक्ति नहीं है।	दायरा बहुत विस्तृत है।

Q.153) भारतीय संविधान के अनुसार, न्यायिक समीक्षा का दायरा कहाँ तक सीमित है

1. मौलिक अधिकारों का उल्लंघन
2. कानून, उस प्राधिकरण की सक्षमता से बाहर है, जिसने उसे बनाया है
3. तर्कशीलता, उपयुक्तता या नीतिगत निहितार्थ का प्रश्न

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

a) 1 और 2
b) 2 और 3
c) 1 और 3
d) उपरोक्त सभी

Q.153) Solution (a)

कथन 1	कथन 2	कथन 3
सत्य	सत्य	असत्य
विधायी अधिनियम या कार्यकारी आदेश की संवैधानिक वैधता को उच्चतम न्यायालय या उच्च न्यायालय में निम्नलिखित तीन आधारों पर चुनौती दी जा सकती है। a. यह मौलिक अधिकारों (भाग III) का उल्लंघन करता है, b. यह उस प्राधिकरण की सक्षमता से बाहर है, जिसने इसे बनाया है, और c. यह संवैधानिक प्रावधानों के लिए प्रतिकूल है। हमारा सर्वोच्च न्यायालय, किसी कानून की संवैधानिकता का निर्धारण करते समय, केवल ठोस प्रश्न की जाँच करता है, अर्थात् कानून संबंधित प्राधिकारी की शक्तियों के भीतर है या नहीं। इसकी तर्कशीलता, उपयुक्तता या नीतिगत निहितार्थ के प्रश्न पर जाने की आशा नहीं है।		

Q.154) सर्वोच्च न्यायालय के दिशा-निर्देशों के अनुसार, निम्नलिखित में से किस श्रेणी से संबंधित याचिकाएं पीआईएल के रूप में स्वीकार की जा सकती हैं?

1. महिलाओं पर अत्याचार के विरुद्ध याचिकाएँ
2. पर्यावरण प्रदूषण से संबंधित याचिकाएँ
3. उच्च न्यायालयों और अधीनस्थ न्यायालयों में लंबित मामलों की त्वरित सुनवाई के लिए याचिकाएँ

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

a) 1 और 2
b) 2 और 3
c) 1 और 3
d) उपरोक्त सभी

Q.154) Solution (a)

कथन 1	कथन 2	कथन 3

<table>
<tr><th>सत्य</th><th>सत्य</th><th>असत्य</th></tr>
<tr><td colspan="2">1998 में, सर्वोच्च न्यायालय ने पीआईएल के रूप में प्राप्त पत्रों या याचिकाओं को देखने के लिए दिशानिर्देशों का एक समूह तैयार किया। इन दिशा-निर्देशों को 1993 और 2003 में संशोधित किया गया था। उनके अनुसार, निम्नलिखित श्रेणियों के अंतर्गत आने वाले पत्रों या याचिकाओं को आमतौर पर जनहित याचिका के रूप में स्वीकार किया जाएगा:
1. बंधुआ श्रमिक मामले
2. उपेक्षित बच्चे
3. श्रमिकों को न्यूनतम मजदूरी का भुगतान न करना तथा सामयिक श्रमिकों का शोषण और श्रम कानूनों के उल्लंघन की शिकायतें (व्यक्तिगत मामलों को छोड़कर)
4. जेलों से याचिकाएं जैसे उत्पीड़न की शिकायत, पूर्व-परिपक्व रिहाई के लिए और जेल में 14 साल पूरे होने के बाद रिहाई की मांग, जेल में मौत, स्थानांतरण, व्यक्तिगत बांड पर रिहाई, मौलिक अधिकार के रूप में त्वरित सुनवाई
5. मामला दर्ज करने से इंकार करने पर पुलिस के खिलाफ याचिका, पुलिस द्वारा उत्पीड़न और पुलिस हिरासत में मौत
6. महिलाओं पर होने वाले अत्याचारों के खिलाफ याचिकाएँ, विशेष रूप से दुल्हन, दुल्हन को जलाने, बलात्कार, हत्या, अपहरण आदि।
7. अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति तथा आर्थिक रूप से पिछड़े वर्गों के व्यक्तियों से सह-ग्रामीणों या पुलिस द्वारा ग्रामीणों के उत्पीड़न या यातना की शिकायत करने वाली याचिकाएं
8. पर्यावरण प्रदूषण, पारिस्थितिक संतुलन की गड़बड़ी, ड्रग्स, खाद्य अपमिश्रण, विरासत और संस्कृति के रखरखाव से संबंधित याचिकाएँ, प्राचीन वस्तुएँ, वन और वन्य जीवन और सार्वजनिक महत्व के अन्य मामले
9. दंगा-पीड़ितों से याचिकाएँ
10. पारिवारिक पेंशन</td><td>निम्नलिखित श्रेणियों के अंतर्गत आने वाले मामलों को पीआईएल के रूप में स्वीकार नहीं किया जाएगा:
1. मकान मालिक-किरायेदार मामले
2. सेवा मामला तथा जो पेंशन और ग्रेच्युटी से संबंधित हैं
3. (1 से 10 तक) पिछले बिंदुओं से संबंधित लोगों को छोड़कर केंद्र / राज्य सरकार के विभागों और स्थानीय निकायों के खिलाफ शिकायतें।
4. चिकित्सा और अन्य शैक्षणिक संस्थान में प्रवेश
5. उच्च न्यायालयों और अधीनस्थ न्यायालयों में लंबित मामलों की जल्द सुनवाई के लिए याचिकाएँ</td></tr>
</table>

Q.155) भारत में उच्च न्यायालयों के संबंध में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

1. संसद उच्च न्यायालय के क्षेत्राधिकार को किसी भी केंद्र शासित प्रदेश तक विस्तारित कर सकती है।
2. संसद उच्च न्यायालय के क्षेत्राधिकार को किसी भी केंद्र शासित प्रदेश से समाप्त कर सकती है।
3. संसद समय-समय पर उच्च न्यायालय की सदस्य संख्या (strength) का निर्धारण करती है।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

a) 1 और 2
b) 2 और 3
c) 1 और 3
d) उपरोक्त सभी

Q.155) Solution (a)

कथन 1	कथन 2	कथन 3
सत्य	सत्य	असत्य

संसद एक उच्च न्यायालय के क्षेत्राधिकार को किसी भी केंद्र शासित प्रदेश में विस्तारित कर सकती है या किसी केंद्र प्रशासित क्षेत्र से उच्च न्यायालय के क्षेत्राधिकार को बाहर कर सकती है।	संविधान एक उच्च न्यायालय के सदस्य संख्या को निर्दिष्ट नहीं करता है तथा इसे राष्ट्रपति के विवेक पर छोड़ देता है। तदनुसार, राष्ट्रपति इसके कार्यभार के आधार पर समय-समय पर उच्च न्यायालय में सदस्य संख्या का निर्धारण करता है।

Q.156) उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के लिए, निम्नलिखित में से कौन-सी योग्यता संविधान में निर्धारित है?

1. वह भारत का नागरिक होना चाहिए।
2. उसे 35 वर्ष की आयु पूरी करनी चाहिए।
3. उसे दस वर्ष के लिए उच्च न्यायालय का अधिवक्ता होना चाहिए।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

a) 1 और 2
b) 2 और 3
c) 1 और 3
d) उपरोक्त सभी

Q.156) Solution (c)

कथन 1	कथन 2	कथन 3
सत्य	असत्य	सत्य

एक व्यक्ति को एक उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किए जाने के लिए, उसके पास निम्नलिखित योग्यताएं होनी चाहिए:

1. वह भारत का नागरिक होना चाहिए।
2. (a) उसे दस वर्षों के लिए भारत के क्षेत्र में एक न्यायिक पद रखना चाहिए; या
   (b) उन्हें दस वर्षों के लिए उच्च न्यायालय का अधिवक्ता होना चाहिए।

उपरोक्त से, यह स्पष्ट है कि संविधान ने उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में नियुक्ति के लिए न्यूनतम आयु निर्धारित नहीं की है। इसके अलावा, सर्वोच्च न्यायालय के मामले के विपरीत, संविधान उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में प्रतिष्ठित न्यायविद की नियुक्ति का कोई प्रावधान नहीं करता है।

Q.157) भारत में उच्च न्यायालयों के संबंध में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

1. एक उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों को भारत के मुख्य न्यायाधीश और उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के परामर्श से राज्यपाल द्वारा नियुक्त किया जाता है।
2. वित्तीय आपातकाल के दौरान, न्यायाधीशों के वेतन को उनकी नियुक्ति के बाद कम किया जा सकता है।
3. न्यायाधीशों के वेतन और भत्ते, राज्य के समेकित निधि पर भारित होते हैं।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

a) 1 और 2
b) 2 और 3
c) 1 और 3
d) उपरोक्त सभी

Q.157) Solution (b)

कथन 1	कथन 2	कथन 3
असत्य	सत्य	सत्य
न्यायपालिका के सदस्यों (यानी, भारत के मुख्य न्यायाधीश और उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश) के परामर्श से एक उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की नियुक्ति राष्ट्रपति (जिसका अर्थ कैबिनेट की सलाह) द्वारा की जाती है। यह प्रावधान कार्यपालिका के पूर्ण विवेक पर अंकुश लगाता है तथा साथ ही यह सुनिश्चित करता है कि न्यायिक नियुक्तियां किसी भी राजनीतिक या व्यावहारिक प्रक्रियाओं पर आधारित नहीं हैं।	एक उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों के वेतन, भत्ते, विशेषाधिकार, छुट्टी और पेंशन समय-समय पर संसद द्वारा निर्धारित किए जाते हैं। लेकिन, वित्तीय आपातकाल के आलावा उनकी नियुक्ति के बाद उनके लाभ शर्तों में कोई हानिकारक परिवर्तन नहीं किया जा सकता है। इस प्रकार, उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की सेवा की शर्तें उनके पद के कार्यकाल के दौरान समान बनी रहती हैं।	न्यायाधीशों के वेतन और भत्ते, कर्मचारियों के वेतन, भत्ते और पेंशन के साथ-साथ उच्च न्यायालय के प्रशासनिक खर्चों को राज्य के समेकित निधि पर भारित किया जाता है। इस प्रकार, वे राज्य विधायिका (हालांकि इस पर चर्चा की जा सकती हैं) द्वारा गैर-मतदान योग्य होते हैं। यहां यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि उच्च न्यायालय के न्यायाधीश की पेंशन भारत के समेकित कोष पर भारित होती है, न कि राज्य पर।

Q.158) निम्नलिखित में से किस मामले में, उच्च न्यायालय भारत में मूल क्षेत्राधिकार (original jurisdiction) का आनंद लेते हैं?

1. संसद के सदस्यों के चुनाव से संबंधित विवाद
2. नागरिकों के मौलिक अधिकारों का प्रवर्तन
3. शादी और तलाक के मामले

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

a) 1 और 2
b) 2 और 3
c) 1 और 3
d) उपरोक्त सभी

Q.158) Solution (d)

<table>
<tr><th>कथन 1</th><th>कथन 2</th><th>कथन 3</th></tr>
<tr><td>सत्य</td><td>सत्य</td><td>सत्य</td></tr>
<tr><td colspan="3">मूल क्षेत्राधिकार का अर्थ है उच्च न्यायालय में प्रथम दृष्टया विवादों को सुनने की शक्ति, अपील के माध्यम से नहीं। यह निम्नलिखित तक विस्तृत है:
a. वसीयत, विवाह, तलाक, कंपनी कानूनों और अदालत की अवमानना के मामले।
b. संसद और राज्य विधानसभाओं के सदस्यों के चुनाव से संबंधित विवाद।
c. राजस्व मामले के बारे में या राजस्व संग्रह में आदेशित या किया गया अधिनियम।
d. नागरिकों के मौलिक अधिकारों का प्रवर्तन।
e. मामलों को एक अधीनस्थ न्यायालय से स्थानांतरित करने का आदेश दिया गया जिसमें संविधान की व्याख्या इसकी फाइल में शामिल थी।
f. चार उच्च न्यायालयों (यानी, कलकत्ता, बॉम्बे, मद्रास और दिल्ली उच्च न्यायालयों) में उच्च मूल्य के मामलों (cases of higher value) में मूल नागरिक अधिकार क्षेत्र हैं।</td></tr>
</table>

Q.159) राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (NALSA) के तहत स्थापित कानूनी सेवा प्राधिकरणों के प्राथमिक कार्य हैं

1. पात्र व्यक्तियों को मुफ्त कानूनी सेवाएं प्रदान करना
2. लोक अदालतों का आयोजन करना
3. ग्रामीण क्षेत्रों में कानूनी जागरूकता शिविर आयोजित करना

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

a) 1 और 2
b) 2 और 3
c) 1 और 3
d) उपरोक्त सभी

Q.159) Solution (d)

कथन 1	**कथन 2**	**कथन 3**
सत्य	**सत्य**	**सत्य**
राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (NALSA) के तहत स्थापित कानूनी सेवा प्राधिकरण नियमित आधार पर निम्नलिखित मुख्य कार्यों का निर्वहन करते हैं: 1. पात्र व्यक्तियों को मुफ्त और सक्षम कानूनी सेवाएं प्रदान करना। 2. विवादों के सौहार्दपूर्ण निपटारे के लिए लोक अदालतों का आयोजन करना। 3. ग्रामीण क्षेत्रों में कानूनी जागरूकता शिविर आयोजित करना।		

Q.160) लोक अदालतों के संबंध में, निम्नलिखित में से कौन सा कथन गलत है?

a) लोक अदालत द्वारा दिए गए निर्णय पक्षकारों पर बाध्यकारी होते हैं।
b) लोक अदालत के पास वैसी ही शक्तियां हैं, जैसी कि एक सिविल कोर्ट में निहित होती हैं।
c) लोक अदालत द्वारा दिए गए निर्णय के विरुद्ध अपील उच्च न्यायालय में निहित होती है।
d) उपरोक्त सभी सही हैं।

Q.160) Solution (c)

कथन 1	**कथन 2**	**कथन 3**
सत्य	**सत्य**	**असत्य**
लोक अदालत के निर्णय को दीवानी न्यायालय का आदेश या किसी अन्य न्यायालय का आदेश माना जाएगा। लोक अदालत द्वारा किया गया प्रत्येक निर्णय अंतिम होगा और विवाद के सभी पक्षकारों पर बाध्यकारी होगा।	लोक अदालत में उतनी ही शक्तियां हैं जितनी कि सिविल प्रक्रिया संहिता (1908) के तहत एक सिविल कोर्ट में निहित हैं।	लोक अदालत के निर्णय के खिलाफ कोई अपील किसी न्यायलय में नहीं होगी।

Q.161) भारत में पंचायती राज व्यवस्था की स्थापना के संबंध में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

1. पंचायती राज की स्थापना करने वाला पहला राज्य राजस्थान था।
2. सभी राज्यों ने 1960 के दशक के मध्य तक पंचायती राज संस्थानों का निर्माण कर, त्रि-स्तरीय प्रणाली को अपनाया।
3. 1960 के दशक में ये पंचायती राज संस्थान अशोक मेहता समिति की सिफारिशों पर आधारित थे।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

a) केवल 1
b) 1 और 2
c) 2 और 3
d) 1 और 3

Q.161) Solution (a)

कथन 1	कथन 2	कथन 3
सत्य	**असत्य**	**असत्य**
पंचायती राज की स्थापना करने वाला पहला राज्य राजस्थान था।	यद्यपि अधिकांश राज्यों ने 1960 के दशक के मध्य तक पंचायती राज संस्थानों का निर्माण किया, लेकिन एक राज्य से दूसरे राज्य में, संख्या के संबंध में, समति और परिषद की सापेक्ष स्थिति, उनका कार्यकाल, संरचना, कार्य, वित्त और अन्य पर विभिन्नता थी। उदाहरण के लिए, राजस्थान ने त्रि-स्तरीय प्रणाली को अपनाया जबकि तमिलनाडु ने द्वि-स्तरीय प्रणाली को अपनाया।	1960 के दशक की ये पंचायती राज संस्थाएं बलवंत राय मेहता समिति की सिफारिशों पर आधारित थीं। अशोक मेहता समिति की नियुक्ति 1977 में हुई थी।

Q.162) 73 वें संवैधानिक संशोधन अधिनियम, 1992 के बारे में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

1. इस अधिनियम ने भारतीय संविधान में एक नया भाग- IX जोड़ा है।
2. अधिनियम ने पंचायती राज संस्थाओं को संविधान के न्यायोचित भाग (justiciable part) के अंतर्गत में लाया है।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.162) Solution (c)

कथन 1	कथन 2
सत्य	**सत्य**
73 वें संवैधानिक संशोधन अधिनियम, 1992 ने भारत के संविधान में एक नया भाग- IX जोड़ा है। यह भाग 'पंचायतों' के रूप में उल्लेखित है और इसमें अनुच्छेद 243 से 243 O तक के प्रावधान शामिल हैं।	अधिनियम पंचायती राज संस्थाओं को एक संवैधानिक दर्जा देता है। इसने उन्हें संविधान के न्यायोचित भाग (justiciable part) के अंतर्गत में लाया है। दूसरे शब्दों में, राज्य सरकारें अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार नई पंचायती राज प्रणाली को अपनाने के लिए संवैधानिक दायित्व के अधीन हैं।

Q.163) निम्नलिखित में से कौन सा कथन ग्राम सभा का सही विवरण है, जैसा कि 73 वें संवैधानिक संशोधन अधिनियम द्वारा प्रदान किया गया है?

a) यह एक ऐसा निकाय है जिसमें ग्राम पंचायत के उस क्षेत्र के 18 वर्ष से अधिक आयु के सभी वयस्क शामिल होते हैं।
b) यह एक ऐसा निकाय है, जिसमें ग्राम पंचायत के उस क्षेत्र के सभी पंजीकृत मतदाता शामिल होते हैं।
c) यह एक ऐसा निकाय है, जिसमें ग्राम पंचायत के उस क्षेत्र के राज्य विधान सभा के सदस्यों के रूप में चुने जाने योग्य व्यक्ति शामिल होते हैं।
d) यह एक ऐसा निकाय है, जिसमें ग्राम पंचायत के उस क्षेत्र के 21 वर्ष से अधिक आयु के व्यक्ति शामिल होते हैं।

Q.163) Solution (b)

ग्राम सभा एक निकाय है, जिसमें पंचायत के क्षेत्र के भीतर शामिल एक गाँव की मतदाता सूची में गाँव स्तर पर पंजीकृत व्यक्ति होते हैं। इस प्रकार, यह एक ग्राम सभा है जिसमें एक पंचायत के क्षेत्र के सभी पंजीकृत मतदाता शामिल होते हैं।

Q.164) 73 वें संवैधानिक संशोधन अधिनियम के अनुसार, चुनाव के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

1. सभी स्तरों पर पंचायतों के सदस्य सीधे लोगों द्वारा चुने जाएंगे।
2. सभी स्तरों पर पंचायतों के अध्यक्ष का चुनाव अप्रत्यक्ष रूप से लोगों द्वारा किया जाएगा।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.164) Solution (a)

कथन 1	कथन 2
सत्य	असत्य
ग्राम, मध्यवर्ती और जिला स्तरों पर पंचायतों के सभी सदस्य सीधे लोगों द्वारा चुने जाएंगे।	मध्यवर्ती और जिला स्तर पर पंचायतों के अध्यक्ष का निर्वाचन अप्रत्यक्ष रूप से तथा उसके अपने चुने गए सदस्यों में से किया जाएगा। हालाँकि, ग्रामीण स्तर पर एक पंचायत के अध्यक्ष को इस तरह से चुना जाएगा जैसे राज्य विधानमंडल निर्धारित करता है।

Q.165) 73 वें संवैधानिक संशोधन अधिनियम के अनुसार, सीटों के आरक्षण के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

1. अधिनियम में प्रत्येक पंचायत में अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के लिए सीटों की कुल संख्या के न्यूनतम एक तिहाई के आरक्षण का प्रावधान है।
2. यह अधिनियम प्रदान करता है कि प्रत्येक स्तर पर पंचायतों में अध्यक्षों की कुल संख्या के न्यूनतम एक तिहाई महिलाओं के लिए आरक्षित होंगे।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों

d) न तो 1 और न ही 2

Q.165) Solution (b)

कथन 1	कथन 2
असत्य	सत्य
अधिनियम में पंचायत क्षेत्र में कुल आबादी के अनुपात में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लिए प्रत्येक पंचायत (यानी सभी तीन स्तरों पर) के लिए सीटों के आरक्षण का प्रावधान है। इसके अलावा, राज्य विधायिका गांव में पंचायत में अध्यक्ष के कार्यालयों या किसी अन्य स्तर पर एससी और एसटी के लिए आरक्षण प्रदान करेगी।	अधिनियम में महिलाओं के लिए कुल सीटों की संख्या के एक तिहाई से कम नहीं होने का प्रावधान है (एससी और एसटी से संबंधित महिलाओं के लिए आरक्षित सीटों की संख्या सहित)। इसके अलावा, प्रत्येक स्तर पर पंचायतों में अध्यक्षों की कुल संख्या की न्यूनतम एक तिहाई सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित होंगी।

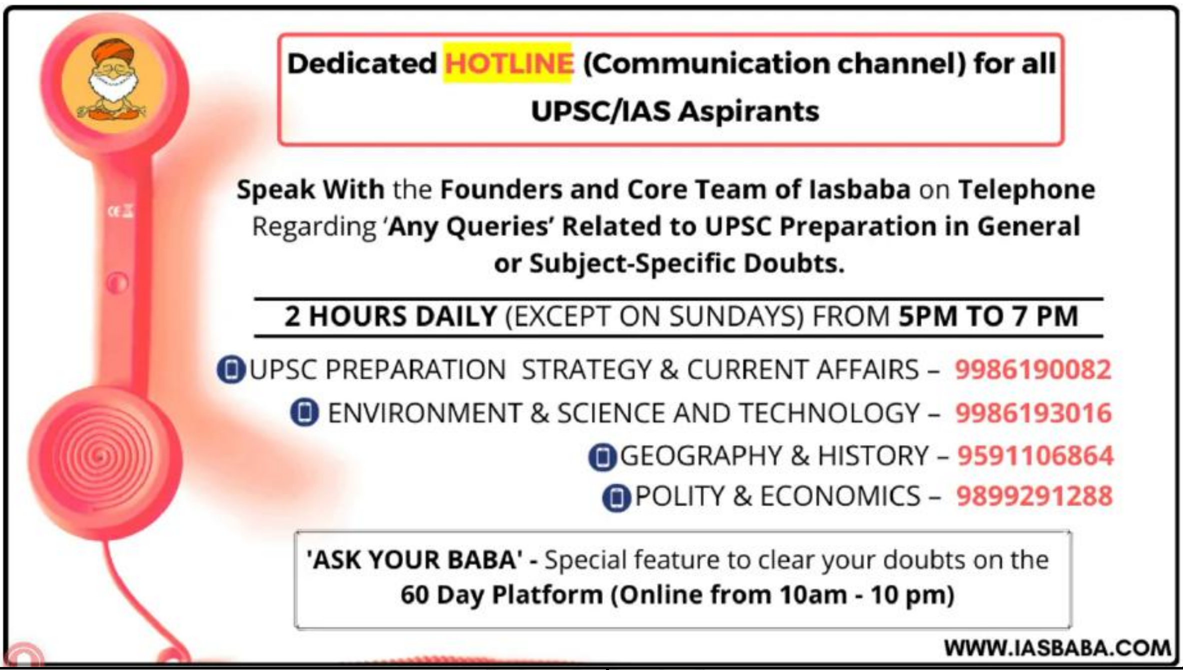

Q.166) भारत में पंचायतों के कार्यकाल के बारे में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

1. विघटन के मामले में, किसी भी परिस्थिति में, अपने विघटन की तारीख से छह महीने की अवधि की समाप्ति से पहले पंचायत का गठन करने के लिए नए चुनाव होने चाहिए।
2. समय से पहले विघटन के बाद पुनर्गठित की गई पंचायत का कार्यकाल पूरे पांच वर्ष के लिए नहीं होता है।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.166) Solution (b)

कथन 1	कथन 2
असत्य	सत्य
अधिनियम प्रत्येक स्तर पर पंचायत को पांच वर्ष के कार्यकाल के लिए प्रावधान प्रदान करता है। हालांकि, यह अपने कार्यकाल के पूरा होने से पहले ही भंग हो सकती है। इसके अलावा, पंचायत गठित करने के लिए नए चुनाव पांच साल की अवधि पूरी होने से पहले (a) पूरे किए जाएंगे; या (b) विघटन के मामले में, इसके विघटन की तारीख से छह महीने की अवधि समाप्त होने से पहले। लेकिन, जहां **शेष अवधि** (जिसके लिए विघटित पंचायत जारी रही होगी) **छह महीने से कम है**, तो ऐसी अवधि के लिए **नई पंचायत के गठन के लिए कोई चुनाव आयोजित करना आवश्यक नहीं** होगा।	विघटन के बाद, गठित एक पंचायत की अवधि, पहले की शेष अवधि के लिए जारी रहेगी, जिसके लिए भंग की गई पंचायत जारी रहती, यदि यह भंग नहीं होती। दूसरे शब्दों में, समय से पहले विघटन के बाद पुनर्गठित की गई पंचायत पांच वर्ष की पूरी अवधि का आनंद नहीं लेती है, बल्कि शेष अवधि के लिए कार्यालय में ही रहती है।

Q.167) 73 वें संवैधानिक संशोधन अधिनियम के कार्यान्वयन के बारे में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

1. एक संवैधानिक प्रावधान होने के नाते, अधिनियम भारत के सभी राज्यों में लागू है।
2. संसद यह निर्देश दे सकती है कि इस अधिनियम के प्रावधान ऐसे अपवादों और संशोधनों के अधीन किसी भी केंद्र शासित प्रदेश पर लागू होंगे, जैसा कि यह निर्दिष्ट कर सकती है।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.167) Solution (d)

कथन 1	कथन 2
असत्य	असत्य
यह अधिनियम नागालैंड, मेघालय और मिजोरम और कुछ अन्य क्षेत्रों में लागू नहीं होता है। इन क्षेत्रों में (a) अनुसूचित क्षेत्रों और राज्यों में आदिवासी क्षेत्र शामिल हैं; (b) मणिपुर का पहाड़ी क्षेत्र जिसके लिए एक जिला परिषद मौजूद है; और (c) पश्चिम बंगाल का दार्जिलिंग जिला जिसके लिए दार्जिलिंग गोरखा हिल काउंसिल मौजूद है। हालाँकि, संसद इस भाग के प्रावधानों को अनुसूचित क्षेत्रों और जनजातीय क्षेत्रों में ऐसे अपवादों और संशोधनों के अधीन विस्तारित कर सकती है, जैसे इसे निर्दिष्ट कर सकती हैं।	भारत का राष्ट्रपति यह निर्देश दे सकता है कि इस अधिनियम के प्रावधान ऐसे अपवादों और संशोधनों के अधीन किसी भी केंद्र शासित प्रदेश पर लागू होंगे जैसा कि वह निर्दिष्ट कर सकता है।

Q.168) निम्नलिखित में से किसे 73 वें संवैधानिक संशोधन अधिनियम के तहत अनिवार्य प्रावधानों के रूप में सूचीबद्ध किया गया है?

1. पंचायतों के चुनाव लड़ने के लिए न्यूनतम आयु 21 वर्ष होनी चाहिए।
2. तीनों स्तरों पर पंचायतों में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लिए सीटों (दोनों सदस्यों और अध्यक्षों) का आरक्षण।
3. किसी भी स्तर पर पंचायतों में पिछड़े वर्गों के लिए सीटों (दोनों सदस्यों और अध्यक्षों) का आरक्षण।
4. ग्राम पंचायत के अध्यक्ष के चुनाव के तरीके का निर्धारण।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

a) 1 और 2
b) केवल 2
c) 2 और 4
d) उपरोक्त सभी

Q.168) Solution (a)

कथन 1	कथन 2	कथन 3	कथन 4
सत्य	सत्य	असत्य	असत्य

अनिवार्य प्रावधान 1. एक ग्राम या ग्रामों के समूह में ग्राम सभा का संगठन। 2. ग्राम, मध्यवर्ती और जिला स्तरों पर पंचायतों की स्थापना। 3. ग्राम, मध्यवर्ती और जिला स्तरों पर पंचायतों की सभी सीटों पर प्रत्यक्ष चुनाव। 4. मध्यवर्ती और जिला स्तरों पर पंचायतों के अध्यक्ष के पद पर अप्रत्यक्ष चुनाव। 5. प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से चुने गए पंचायत के अध्यक्ष और अन्य सदस्यों के वोटिंग अधिकार। 6. पंचायतों के चुनाव लड़ने के लिए न्यूनतम आयु 21 वर्ष होनी चाहिए। 7. तीनों स्तरों पर पंचायतों में एससी और एसटी के लिए सीटों (दोनों सदस्यों और अध्यक्षों) का आरक्षण। 8. तीनों स्तरों पर पंचायतों में महिलाओं के लिए एक-तिहाई सीटें (दोनों सदस्य और चेयरपर्सन) का आरक्षण। 9. सभी स्तरों पर पंचायतों के लिए पांच साल का कार्यकाल तय करना तथा किसी भी पंचायत के विघटन की स्थिति में छह महीने के भीतर नए चुनाव कराना। 10. पंचायतों के चुनाव कराने के लिए एक राज्य चुनाव आयोग की स्थापना। 11. पंचायतों की वित्तीय स्थिति की समीक्षा के लिए हर पांच साल के बाद एक राज्य वित्त आयोग का गठन।	**स्वैच्छिक प्रावधान** 1. ग्राम स्तर पर शक्तियों और कार्यों को ग्राम सभा को हस्तांतरण। 2. ग्राम पंचायत के अध्यक्ष के चुनाव के तरीके का निर्धारण करना। 3. मध्यवर्ती पंचायतों में ग्राम पंचायतों के अध्यक्षों को प्रतिनिधित्व देना या राज्य में मध्यवर्ती पंचायतों न होने की स्थिति में, जिला पंचायतों में प्रतिनिधित्व देना। 4. जिला पंचायतों में मध्यवर्ती पंचायतों के अध्यक्षों को प्रतिनिधित्व देना। 5. अपने निर्वाचन क्षेत्रों के भीतर आने वाले विभिन्न स्तरों पर संसद के सदस्यों (दोनों सदनों) और राज्य विधानमंडल (दोनों सदनों) को पंचायतों में प्रतिनिधित्व देना। 6. किसी भी स्तर पर पंचायतों में पिछड़े वर्गों के लिए सीटों (दोनों सदस्यों और अध्यक्षों) का आरक्षण प्रदान करना। 7. पंचायतों को शक्तियां और अधिकार प्रदान करना, ताकि वे स्व-सरकार की संस्थाओं के रूप में कार्य कर सकें (संक्षेप में, उन्हें स्वायत्त निकाय बनाकर)। 8. आर्थिक विकास और सामाजिक न्याय की योजना तैयार करने के लिए तथा संविधान की ग्यारहवीं अनुसूची में सूचीबद्ध 29 कार्यों में से कुछ या सभी को पूरा करने के लिए पंचायतों पर शक्तियों और उत्तरदायित्वों का हस्तांतरण;। 9. पंचायतों को वित्तीय शक्तियां प्रदान करना, अर्थात उन्हें कर, शुल्क और फीस, टोल, आदि के लिए अधिकृत करना। 10. एक पंचायत को राज्य सरकार द्वारा लगाए गए करों,

	शुल्कों, टोलों और फीस को सौंपना। 11. राज्य के समेकित कोष से पंचायतों को अनुदान देना। 12. पंचायतों के सभी धन संग्रहित करने के लिए धन के गठन का प्रावधान।

Q.169) जिला योजना समिति (District Planning Committee) के बारे में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

1. यह जिले में पंचायतों और नगरपालिकाओं द्वारा तैयार योजनाओं को समेकित करती है।
2. राज्यपाल के पास ऐसी समितियों की संरचना के संबंध में प्रावधान करने की शक्ति है।
3. 74 वें संशोधन अधिनियम के अनुसार, इसके चार- पांचवें (4/5) सदस्य अप्रत्यक्ष चुनाव द्वारा चुने जाते हैं।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

a) 1 और 2
b) 1 और 3
c) 2 और 3
d) उपरोक्त सभी

Q.169) Solution (b)

कथन 1	कथन 2	कथन 3
सत्य	असत्य	सत्य
प्रत्येक राज्य जिला स्तर पर, जिले में पंचायतों और नगरपालिकाओं द्वारा तैयार की गई योजनाओं को समेकित करने के लिए, तथा समग्र रूप से जिले के लिए एक मसौदा विकास योजना तैयार करने के लिए एक जिला योजना समिति का गठन करेगा।	राज्य विधायिका निम्नलिखित के संबंध में प्रावधान कर सकती है: 1. ऐसी समितियों की संरचना; 2. ऐसी समितियों के सदस्यों के चुनाव का तरीका; 3. जिला योजना के संबंध में ऐसी समितियों के कार्य; तथा 4. ऐसी समितियों के अध्यक्षों के चुनाव का ढंग।	यह अधिनियम इस बात की पुष्टि करता है कि जिला योजना समिति के सदस्यों में से चार- पांचवें (4/5) सदस्य जिला पंचायत और नगर पालिकाओं के निर्वाचित सदस्यों द्वारा अपने बीच से चुने जाने चाहिए। समिति में इन सदस्यों का प्रतिनिधित्व जिले में ग्रामीण और शहरी आबादी की जनसंख्या के अनुपात में होना चाहिए।

Q.170) नगर निगमों (Municipal Corporations) के बारे में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

1. ये भारत के राष्ट्रपति के आदेश से केंद्रशासित प्रदेशों में स्थापित होते हैं।
2. नगर निगम आयुक्त, निगम का मुख्य कार्यकारी अधिकारी होता है।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.170) Solution (b)

कथन 1	कथन 2
असत्य	सत्य

दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, हैदराबाद, बैंगलोर और अन्य जैसे बड़े शहरों के प्रशासन के लिए नगर निगम बनाए जाते हैं। वे राज्यों में संबंधित राज्य विधानसभाओं के अधिनियमों और भारत के संसद के अधिनियमों द्वारा केंद्र शासित प्रदेशों में स्थापित किए जाते हैं। राज्य के सभी नगर निगमों के लिए एक सामान्य अधिनियम हो सकता है या प्रत्येक नगर निगम के लिए एक पृथक अधिनियम हो सकता है।	नगरपालिका आयुक्त परिषद और उसकी स्थायी समितियों द्वारा लिए गए निर्णयों के कार्यान्वयन के लिए उत्तरदायी होता है। इस प्रकार, वह निगम का मुख्य कार्यकारी अधिकारी होता है। वह राज्य सरकार द्वारा नियुक्त किया जाता है और आम तौर पर आईएएस का सदस्य होता है।

Q.171) अधिसूचित क्षेत्र समिति (Notified Area Committee) के बारे में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

1. यह राज्य विधानमंडल के एक अधिनियम के माध्यम से स्थापित एक वैधानिक निकाय है।
2. यह औद्योगीकरण के कारण तेजी से विकसित हो रहे शहर के प्रशासन के लिए बनाया जा सकता है।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.171) Solution (b)

कथन 1	**कथन 2**
असत्य	**सत्य**
चूंकि यह सरकारी गजट में एक अधिसूचना द्वारा स्थापित है, इसलिए इसे अधिसूचित क्षेत्र समिति कहा जाता है। यद्यपि यह राज्य नगरपालिका अधिनियम के ढांचे के भीतर कार्य करता है, लेकिन अधिनियम के केवल वही प्रावधान इस पर लागू होते हैं जो सरकारी गजट में अधिसूचित किए जाते हैं जिसके द्वारा इसे बनाया जाता है। इसे किसी अन्य अधिनियम के तहत कार्यान्वयन शक्तियों को भी सौंपा जा सकता है। **यह एक वैधानिक निकाय नहीं है।**	दो प्रकार के क्षेत्रों के प्रशासन के लिए एक अधिसूचित क्षेत्र समिति बनाई गई है - औद्योगीकरण के कारण तेजी से विकसित हो रहा शहर, तथा एक नगर जो अभी तक नगरपालिका के गठन के लिए आवश्यक सभी शर्तों को पूरा नहीं करता है, लेकिन जिसे अन्यथा राज्य सरकार द्वारा महत्वपूर्ण माना जाता है।

Q.172) भारत में शहरी स्थानीय शासन (urban local governance) के संबंध में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

1. जल आपूर्ति एवं सीवरेज बोर्ड, स्थानीय नगर निकायों की अधीनस्थ एजेंसियों के रूप में कार्य करते हैं।
2. सड़कें और पुल, बारहवीं अनुसूची के अनुसार नगरपालिकाओं के अंतर्गत आते हैं।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.172) Solution (b)

कथन 1	कथन 2
असत्य	सत्य
राज्यों ने नामित गतिविधियों या विशिष्ट कार्यों को करने के लिए कुछ एजेंसियों की स्थापना की है जो 'वैध रूप से' नगर निगमों या नगर पालिकाओं या अन्य स्थानीय शहरी सरकारों के डोमेन से संबंधित हैं। कुछ ऐसे निकाय हैं: 1. नगर सुधार न्यास। 2. शहरी विकास प्राधिकरण। 3. जल आपूर्ति एवं सीवरेज बोर्ड। 4. हाउसिंग बोर्ड। 5. प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड। 6. बिजली आपूर्ति बोर्ड। 7. शहरी परिवहन बोर्ड। ये कार्यात्मक स्थानीय निकाय राज्य विधायिका के एक अधिनियम या एक कार्यकारी संकल्प द्वारा विभागों के रूप में वैधानिक निकायों के रूप में स्थापित किए जाते हैं। वे स्वायत्त निकायों के रूप में कार्य करते हैं तथा स्थानीय शहरी सरकारों, अर्थात् नगर निगमों या नगर पालिकाओं और अन्य में स्वतंत्र रूप से आवंटित कार्यों को देखते हैं। इस प्रकार, वे स्थानीय नगर निकायों की अधीनस्थ एजेंसियां नहीं हैं।	बारहवीं अनुसूची में नगरपालिकाओं के दायरे में निम्नलिखित 18 कार्यात्मक वस्तुएं शामिल हैं: 1. नगर नियोजन सहित शहरी नियोजन; 2. भूमि उपयोग और भवनों के निर्माण का विनियमन; 3. आर्थिक और सामाजिक विकास के लिए योजना; 4. सड़कें और पुल; 5. घरेलू, औद्योगिक और वाणिज्यिक प्रयोजनों के लिए पानी की आपूर्ति; 6. सार्वजनिक स्वास्थ्य, स्वच्छता, संरक्षण और ठोस अपशिष्ट प्रबंधन; 7. अग्नि सेवाएं; 8. शहरी वानिकी, पर्यावरण की सुरक्षा और पारिस्थितिक पहलुओं का संवर्धन; 9. विकलांग और मानसिक रूप से मंद सहित समाज के कमजोर वर्गों के हितों की रक्षा करना; 10. स्लम सुधार और उन्नयन; 11. शहरी गरीबी उन्मूलन; 12. शहरी सुविधाओं और पार्क, उद्यान, खेल के मैदान जैसी सुविधाओं का प्रावधान; 13. सांस्कृतिक, शैक्षिक और सौंदर्य संबंधी पहलुओं को बढ़ावा देना; 14. दफन और कब्रगाह मैदान, श्मशान और शवदाह और विद्युतीकृत श्मशान; 15. मवेशी तालाब, जानवरों के प्रति क्रूरता की रोकथाम; 16. जन्म और मृत्यु के पंजीकरण सहित महत्वपूर्ण आँकड़े; 17. सार्वजनिक सुविधाएं जिनमें स्ट्रीट लाइटिंग, पार्किंग स्थल, बस स्टॉप और सार्वजनिक सुविधाएं शामिल हैं; तथा 18. बूचड़खानों और टेनरियों का नियमन।

Q.173) चुनाव आयोग के स्वतंत्र और निष्पक्ष कामकाज को सुरक्षित रखने और सुनिश्चित करने के लिए संविधान में निम्नलिखित में से कौन से प्रावधान प्रदान किए गए हैं?

1. मुख्य चुनाव आयुक्त को कार्यकाल की सुरक्षा प्रदान की जाती है।
2. संविधान ने चुनाव आयोग के सदस्यों का कार्यकाल निर्दिष्ट किया है।
3. मुख्य चुनाव आयुक्त की सिफारिश के अलावा किसी अन्य चुनाव आयुक्त या एक क्षेत्रीय आयुक्त को पद से हटाया नहीं जा सकता है।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

a) 1 और 2
b) 1 और 3
c) 2 और 3
d) उपरोक्त सभी

Q.173) Solution (b)

कथन 1	कथन 2	कथन 3
सत्य	असत्य	सत्य
मुख्य चुनाव आयुक्त को कार्यकाल की सुरक्षा प्रदान की जाती है। उन्हें केवल सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश के समान उसी तरह और उसी आधार पर उनके कार्यालय से हटाया जा सकता है। दूसरे शब्दों में, उन्हें राष्ट्रपति द्वारा, या तो दुर्व्यवहार या अक्षमता के आधार पर संसद के दोनों सदनों द्वारा विशेष बहुमत के साथ उस प्रभाव को पारित एक प्रस्ताव के आधार पर हटाया जा सकता है। इस प्रकार, वह राष्ट्रपति के प्रसादपर्यन्त अपना पद नहीं धारण करता है, हालांकि वह उसके द्वारा नियुक्त किया जाता है।	संविधान ने चुनाव आयोग के सदस्यों के कार्यकाल को निर्दिष्ट नहीं किया है।	मुख्य चुनाव आयुक्त की सिफारिश के अलावा किसी अन्य चुनाव आयुक्त या एक क्षेत्रीय आयुक्त को पद से हटाया नहीं जा सकता है।

Q.174) यूपीएससी (UPSC) से कार्मिक प्रबंधन से संबंधित, निम्नलिखित में से किस मामले पर सलाह ली जाती है?

1. सिविल सेवाओं और पदों पर नियुक्तियों के लिए उम्मीदवारों की उपयुक्तता।
2. सिविल सेवाओं में भर्ती के तरीकों से संबंधित मामले।
3. किसी भी पिछड़े वर्ग के नागरिकों के पक्ष में नियुक्तियों या पदों का आरक्षण करना।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

a) 1 और 2
b) 1 और 3
c) 2 और 3
d) उपरोक्त सभी

Q.174) Solution (a)

कथन 1	कथन 2	कथन 3
सत्य	सत्य	असत्य
यूपीएससी द्वारा सिविल सेवाओं और पदों पर नियुक्तियों के लिए उम्मीदवारों की उपयुक्तता पर; पदोन्नति और एक सेवा से दूसरी में स्थानान्तरण के लिए; तथा स्थानांतरण या प्रतिनियुक्ति द्वारा नियुक्तियों पर परामर्श दिया जाता है। संबंधित विभाग पदोन्नति के लिए सिफारिशें करते हैं और यूपीएससी से अनुरोध करते हैं कि वे इसकी पुष्टि करें।	यूपीएससी द्वारा सिविल सेवाओं और सिविल पदों के लिए भर्ती के तरीकों से संबंधित सभी मामलों पर परामर्श लिया जाता है।	किसी पिछड़े वर्ग के नागरिकों के पक्ष में नियुक्तियों या पदों का आरक्षण करते समय UPSC से सलाह नहीं ली जाती है।

Q.175) वित्त आयोग (Finance Commission) के बारे में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

1. संविधान आयोग के सदस्यों की योग्यता निर्धारित करने के लिए संसद को अधिकृत करता है।
2. राज्यों को अनुदान सहायता देने से संबंधित वित्त आयोग की सिफारिश सरकार के लिए बाध्यकारी है।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.175) Solution (a)

कथन 1	कथन 2
सत्य	असत्य
संविधान आयोग के सदस्यों की योग्यता और उन्हें चुने जाने के तरीके को निर्धारित करने के लिए संसद को अधिकृत करता है। तदनुसार, संसद ने आयोग के अध्यक्ष और सदस्यों की योग्यता निर्दिष्ट की है	वित्त आयोग द्वारा की गई सिफारिशें केवल सलाहकारी प्रकृति की हैं तथा इसलिए, सरकार पर बाध्यकारी नहीं हैं। राज्यों को अनुदान देने की इसकी सिफारिशों को लागू करना केंद्र सरकार पर निर्भर होता है।

Q.176) अनुसूचित जाति (SC) के राष्ट्रीय आयोग की शक्तियों के बारे में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें।

1. किसी भी शिकायत में पूछताछ करते समय उसके पास सिविल कोर्ट की सभी शक्तियां होती हैं।
2. आयोग को अन्य पिछड़े वर्गों (ओबीसी) और एंग्लो-इंडियन समुदाय के संबंध में समान कार्यों का निर्वहन करने की भी आवश्यकता है।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.176) Solution (a)

कथन 1	कथन 2
सत्य	असत्य
आयोग, जब किसी भी मामले की जांच कर रहा होता है या किसी शिकायत की जांच कर रहा होता है, उसके पास दीवानी न्यायालय (सिविल कोर्ट) की सभी शक्तियाँ होती हैं।	2018 तक, आयोग को अन्य पिछड़े वर्गों (ओबीसी) के संबंध में समान कार्यों का निर्वहन करने की भी आवश्यकता थी। यह उत्तरदायित्व से 102 वें संशोधन अधिनियम 2018 के द्वारा समाप्त हुआ

Q.177) राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग (NCBC) के बारे में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें।

1. 101 वें संशोधन अधिनियम ने आयोग को संवैधानिक दर्जा प्रदान किया।
2. सदस्यों की सेवा और कार्यकाल की शर्तें संसद द्वारा निर्धारित की जाती हैं।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

a) केवल 1

b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.177) Solution (d)

कथन 1	कथन 2
असत्य	**असत्य**
राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग (NCBC) की स्थापना 1993 में की गई थी। बाद में, 2018 के 102 वें संशोधन अधिनियम ने आयोग को संवैधानिक दर्जा प्रदान किया। इस उद्देश्य के लिए, संशोधन ने संविधान में एक नया अनुच्छेद 338-B जोड़ा है।	आयोग में एक अध्यक्ष, एक उपाध्यक्ष और तीन अन्य सदस्य होते हैं। वे राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त किए जाते हैं। उनकी सेवा की शर्तें और कार्यकाल की अवधि भी राष्ट्रपति द्वारा निर्धारित की जाती है

Q.178) जीएसटी परिषद के बारे में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

1. केंद्रीय वित्त सचिव, परिषद के पदेन सचिव के रूप में कार्य करता है।
2. परिषद के प्रत्येक निर्णय को बैठक में उपस्थित और मतदान करने वाले सदस्यों के भारित मतों के न्यूनतम तीन-चौथाई बहुमत से लिया जाता है।
3. केंद्र सरकार के मत का भार, उस बैठक में डाले गए कुल मतों का एक-चौथाई होगा।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

a) 1 और 2
b) केवल 2
c) 1 और 3
d) उपरोक्त सभी

Q.178) Solution (b)

कथन 1	कथन 2	कथन 3
असत्य	**सत्य**	**असत्य**
केंद्रीय राजस्व सचिव, परिषद के पदेन सचिव के रूप में कार्य करता है।	परिषद के निर्णय इसकी बैठकों में लिए जाते हैं। एक बैठक आयोजित करने के लिए परिषद के कुल सदस्यों की संख्या का आधा भाग कोरम है। परिषद के प्रत्येक निर्णय को बैठक में उपस्थित और मतदान करने वाले सदस्यों के भारित मतों के न्यूनतम तीन-चौथाई बहुमत से लिया जाता है।	निर्णय निम्नलिखित सिद्धांतों के अनुसार लिया जाता है: (i) केंद्र सरकार के मत में उस बैठक में डाले गए कुल मतों का एक तिहाई भारांश होगा। (ii) संयुक्त रूप से राज्य की सभी सरकारों के मतों का भारांश, उस बैठक में डाले गए कुल मतों का दो-तिहाई होगा।

Q.179) भाषाई अल्पसंख्यकों के लिए विशेष अधिकारी के बारे में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

1. संविधान भाषाई अल्पसंख्यकों के लिए विशेष अधिकारी की योग्यता, कार्यकाल, वेतन और भत्ते, सेवा शर्तों और हटाने के लिए प्रक्रिया को निर्दिष्ट नहीं करता है।
2. वह केंद्रीय अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री के माध्यम से राष्ट्रपति को वार्षिक रिपोर्ट या अन्य रिपोर्ट प्रस्तुत करता है।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.179) Solution (c)

कथन 1	कथन 2
सत्य	सत्य
संविधान भाषाई अल्पसंख्यकों के लिए विशेष अधिकारी के लिए योग्यता, कार्यकाल, वेतन और भत्ते, सेवा शर्तों और हटाने की प्रक्रिया को निर्दिष्ट नहीं करता है।	केंद्रीय स्तर पर, आयुक्त अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय के अंतर्गत आता है। इसलिए, वह केंद्रीय अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री के माध्यम से राष्ट्रपति को वार्षिक रिपोर्ट या अन्य रिपोर्ट प्रस्तुत करता है।

Q.180) भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (CAG) के कार्यालय के बारे में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें।

1. वह अपने कार्यकाल के समाप्त होने के बाद, भारत सरकार या किसी भी राज्य के तहत, आगे किसी कार्यालय के लिए पात्र नहीं है।
2. उन्हें राष्ट्रपति द्वारा, या तो दुर्व्यवहार या अक्षमता के आधार पर संसद के दोनों सदनों द्वारा विशेष बहुमत के साथ उस प्रभाव को पारित एक प्रस्ताव के आधार पर हटाया जा सकता है।
3. वह स्थानीय निकायों के खातों का ऑडिट कर सकता है।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

a) 1 और 2
b) 1 और 3
c) 2 और 3
d) उपरोक्त सभी

Q.180) Solution (d)

कथन 1	कथन 2	कथन 3
सत्य	सत्य	सत्य
वह अपने कार्यकाल के समाप्त होने के बाद, भारत सरकार या किसी भी राज्य के तहत, आगे किसी कार्यालय के लिए पात्र नहीं है।	उन्हें सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश के सामान उसी आधार पर राष्ट्रपति द्वारा, या तो दुर्व्यवहार या अक्षमता के आधार पर संसद के दोनों सदनों द्वारा विशेष बहुमत के साथ उस प्रभाव को पारित एक प्रस्ताव के आधार पर हटाया जा सकता है।	वह राष्ट्रपति या राज्यपाल द्वारा अनुरोध किए जाने पर किसी अन्य प्राधिकरण के खातों का ऑडिट करता है। उदाहरण के लिए, स्थानीय निकायों का ऑडिट।

Q.181) नीति आयोग के बारे में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

1. यह भारत सरकार के एक कार्यकारी संकल्प द्वारा बनाया गया है।
2. इसका एक उद्देश्य ग्रामीण स्तर पर विश्वसनीय योजनाओं को तैयार करने के लिए तंत्र विकसित करना है।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.181) Solution (c)

कथन 1	कथन 2
सत्य	सत्य
नीति आयोग, भारत सरकार के एक कार्यकारी संकल्प (अर्थात, केंद्रीय मंत्रिमंडल) द्वारा स्थापित एक निकाय है। इसलिए, यह न तो एक संवैधानिक निकाय है और न ही एक वैधानिक निकाय है।	नीति आयोग के उद्देश्य में शामिल हैं- ग्रामीण स्तर पर विश्वसनीय योजनाएँ बनाने के लिए तंत्र विकसित करना तथा सरकार के उच्च स्तरों पर इन्हें उत्तरोत्तर रूप से व्यवस्थित करना।

Q.182) राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (NHRC) के बारे में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें।

1. आयोग एक बहु-सदस्यीय निकाय है जिसमें एक अध्यक्ष और पाँच सदस्य होते हैं।
2. आयोग का अध्यक्ष, भारत का एक सेवारत या सेवानिवृत्त मुख्य न्यायाधीश होना चाहिए।
3. सदस्यों में, तीन व्यक्ति (जिनमें से कम से कम एक महिला होनी चाहिए) को मानव अधिकारों के संबंध में ज्ञान या व्यावहारिक अनुभव होना चाहिए।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

a) 1 और 2
b) 1 और 3
c) 2 और 3
d) उपरोक्त सभी

Q.182) Solution (b)

कथन 1	कथन 2	कथन 3
सत्य	असत्य	सत्य
आयोग एक बहु-सदस्यीय निकाय है जिसमें एक अध्यक्ष और पाँच सदस्य होते हैं।	अध्यक्ष को भारत का सेवानिवृत्त मुख्य न्यायाधीश या सर्वोच्च न्यायालय का न्यायाधीश होना चाहिए।	सदस्यों को सर्वोच्च न्यायालय का एक सेवारत या सेवानिवृत्त न्यायाधीश, एक उच्च न्यायालय का एक सेवारत या सेवानिवृत्त मुख्य न्यायाधीश होना चाहिए तथा तीन व्यक्ति (जिनमें से कम से कम एक महिला होनी चाहिए) को मानव अधिकारों के संबंध में ज्ञान या व्यावहारिक अनुभव होना चाहिए।

Q.183) निम्नलिखित आयोगों में से किसके अध्यक्ष, राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (NHRC) के पदेन सदस्यों के रूप में कार्य करते हैं?

1. राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग
2. राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग
3. राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग
4. राष्ट्रीय महिला आयोग

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

a) 1 और 2
b) 1,2 और 4
c) 2 और 3
d) उपरोक्त सभी

Q.183) Solution (d)

कथन 1	कथन 2	कथन 3	कथन 4
सत्य	सत्य	सत्य	सत्य

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (NHRC) के सात पदेन सदस्य होते हैं - निम्न आयोग के अध्यक्ष

- राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग,
- राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग,
- राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग,
- राष्ट्रीय महिला आयोग,
- राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग और
- राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग
- विकलांग व्यक्तियों के लिए मुख्य आयुक्त।

Q.184) राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (NHRC) के बारे में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें।

1. अध्यक्ष और सदस्य तीन वर्ष के कार्यकाल के लिए या जब तक वे 70 वर्ष की आयु प्राप्त नहीं कर लेते, जो भी पहले हो, पद पर बने रहते हैं।
2. अध्यक्ष या सदस्य की सेवा के वेतन, भत्ते और अन्य शर्तें संसद द्वारा निर्धारित की जाती हैं।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.184) Solution (a)

कथन 1	कथन 2
सत्य	असत्य
अध्यक्ष और सदस्य तीन वर्ष की अवधि के लिए या जब तक वे 70 वर्ष की आयु प्राप्त नहीं कर लेते, जो भी पहले हो, पद धारण करते हैं।	अध्यक्ष या सदस्य की सेवा के वेतन, भत्ते और अन्य शर्तें केंद्र सरकार द्वारा निर्धारित की जाती हैं।

Q.185) राज्य मानवाधिकार आयोग (SHRC) के बारे में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें।

1. एक SHRC केवल संविधान की सातवीं अनुसूची में राज्य सूची में उल्लिखित विषयों के संबंध में मानव अधिकारों के उल्लंघन की जांच कर सकता है।
2. केंद्र सरकार, किसी भी केंद्र शासित प्रदेश में मानव अधिकारों से संबंधित कार्यों को SHRCs को दे सकती है।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.185) Solution (d)

कथन 1	कथन 2
असत्य	असत्य
राज्य मानवाधिकार आयोग केवल **संविधान की सातवीं अनुसूची की राज्य सूची (सूची- II) और समवर्ती सूची (सूची- III)** में उल्लिखित विषयों के संबंध में मानव अधिकारों के उल्लंघन की जांच कर सकता है।	केंद्र सरकार राज्य मानवाधिकार आयोगों को दिल्ली के केंद्र शासित प्रदेश को छोड़कर केंद्र शासित प्रदेशों के मानव अधिकारों से संबंधित कार्यों को दे सकती है। **दिल्ली के केंद्र शासित प्रदेश के मामले में मानवाधिकारों से संबंधित कार्यों को राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग** द्वारा निपटाया जाना है।

Q.186) केंद्रीय सूचना आयोग (CIC) के बारे में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें।

1. राज्य के विधानमंडल के सदस्य को सीआईसी में सूचना आयुक्त के रूप में नियुक्त किया जा सकता है।
2. राष्ट्रपति द्वारा दुर्व्यवहार या अक्षमता के आधार पर मुख्य सूचना आयुक्त या किसी सूचना आयुक्त को हटाते समय सर्वोच्च न्यायालय की कोई भूमिका नहीं होती है।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.186) Solution (d)

कथन 1	कथन 2
असत्य	असत्य
आयोग में एक मुख्य सूचना आयुक्त होता है और अधिकतम दस सूचना आयुक्त (वर्तमान में 6) होते हैं। उन्हें कानून, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, सामाजिक सेवा, प्रबंधन, पत्रकारिता, जनसंचार या प्रशासन और शासन में व्यापक ज्ञान और अनुभव के साथ सार्वजनिक जीवन में श्रेष्ठता प्राप्त करनी चाहिए। उन्हें संसद सदस्य या किसी राज्य या केंद्र शासित प्रदेश के विधानमंडल का सदस्य नहीं होना चाहिए।	राष्ट्रपति दुर्व्यवहार या अक्षमता के आधार पर मुख्य सूचना आयुक्त या किसी भी सूचना आयुक्त को हटा सकते हैं। हालाँकि, इन मामलों में, राष्ट्रपति को इस मामले को जांच के लिए सर्वोच्च न्यायालय में भेजना होगा। अगर सर्वोच्च न्यायालय, जांच के बाद, हटाने के कारण को बताता है और सलाह देता है, तो राष्ट्रपति उसे हटा सकते हैं।

Q.187) निम्नलिखित में से कौन से निकाय गृह मंत्रालय के अंतर्गत आते हैं?

1. अंतर-राज्य परिषद (Inter-State Council)
2. आंचलिक परिषद (Zonal Councils)
3. राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग
4. राष्ट्रीय जांच एजेंसी

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

a) 1 और 2
b) 1,2 और 4
c) 2 और 3
d) उपरोक्त सभी

Q.187) Solution (d)

कथन 1	कथन 2	कथन 3	कथन 4
सत्य	सत्य	सत्य	सत्य
गृह मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले निकाय निम्न हैं: • अंतर-राज्य परिषद • आंचलिक परिषद • राष्ट्रीय जांच एजेंसी • राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग • राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण			

Q.188) राज्य सूचना आयोग के बारे में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

1. राज्य सूचना आयुक्त ऐसे पद के लिए राज्य सरकार द्वारा निर्धारित या जब तक वे 65 वर्ष की आयु प्राप्त नहीं कर लेता, जो भी पहले हो, पद धारण करेगा।
2. राज्यपाल के पास राज्य के मुख्य सूचना आयुक्त या किसी राज्य सूचना आयुक्त को हटाने की शक्तियां होती हैं।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.188) Solution (b)

कथन 1	कथन 2
असत्य	सत्य
राज्य के मुख्य सूचना आयुक्त और एक राज्य सूचना आयुक्त ऐसे पद के लिए **केंद्र सरकार द्वारा निर्धारित** या जब तक वे 65 वर्ष की आयु प्राप्त नहीं करते, जो भी पहले हो, के लिए पद धारण करते हैं।	राज्यपाल निम्नलिखित परिस्थितियों में राज्य के मुख्य सूचना आयुक्त या किसी भी राज्य सूचना आयुक्त को कार्यालय से हटा सकता है: (a) यदि उसे दिवालिया माना जाता है; या (b) यदि उसे अपराध का दोषी ठहराया गया है

	(राज्यपाल की राय में) इसमें नैतिक भ्रष्टता शामिल है; या (c) यदि वह अपने कार्यालय के कर्तव्यों के बाहर किसी भी भुगतान किए गए रोजगार में अपने कार्यकाल के दौरान संलग्न है; या (d) यदि वह (राज्यपाल की राय में) मन या शरीर की दुर्बलता के कारण पद पर बने रहने के लिए अयोग्य है; या (e) यदि उसने ऐसे वित्तीय या अन्य हित का अधिग्रहण किया है, जिससे कि उसके आधिकारिक कार्यों को पूर्वाग्रह से प्रभावित करने की संभावना है। इनके अतिरिक्त, राज्यपाल राज्य मुख्य सूचना आयुक्त या किसी भी राज्य सूचना आयुक्त को दुर्व्यवहार या अक्षमता के आधार पर भी हटा सकते हैं। हालाँकि, इन मामलों में, राज्यपाल को मामले को जांच के लिए सर्वोच्च न्यायालय में भेजना पड़ता है। यदि सर्वोच्च न्यायालय, जांच के बाद, हटाने के कारण को बताता है और सलाह देता है, तो राज्यपाल उसे हटा सकते हैं।

Q.189) केंद्रीय सतर्कता आयोग (CVC) के बारे में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें।

1. CVC की स्थापना 1964 में केंद्र सरकार में भ्रष्टाचार को रोकने के लिए एक सांविधिक निकाय के रूप में की गई थी।
2. इसकी स्थापना की अनुशंसा भ्रष्टाचार निवारण पर संथानम समिति द्वारा की गई थी।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.189) Solution (b)

कथन 1	कथन 2
असत्य	**सत्य**
केंद्रीय सतर्कता आयोग (CVC) केंद्र सरकार में भ्रष्टाचार को रोकने के लिए मुख्य एजेंसी है। इसकी स्थापना 1964 में केंद्र सरकार के एक कार्यकारी संकल्प द्वारा की गई थी। इस प्रकार, मूल रूप से CVC न तो संवैधानिक निकाय था और न ही वैधानिक निकाय। बाद में, 2003 में, संसद ने सीवीसी पर वैधानिक दर्जा देने वाला विधान अधिनियमित बनाया।	इसकी स्थापना की सिफारिश भ्रष्टाचार निवारण पर संथानम समिति द्वारा (1962-64) द्वारा की गई थी।

Q.190) केंद्रीय सतर्कता आयोग (CVC) के बारे में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें।

1. केंद्र सरकार को केंद्रीय सेवाओं और अखिल भारतीय सेवाओं के सदस्यों से संबंधित सतर्कता और अनुशासनात्मक मामलों को नियंत्रित करने वाले नियम और कानून बनाने में सीवीसी से परामर्श करने की आवश्यकता होती है।

2. धन शोधन निवारण अधिनियम, 2002 के तहत संदिग्ध लेनदेन से संबंधित सूचना प्राप्त करने के लिए CVC को एक विशिष्ट प्राधिकारी के रूप में अधिसूचित किया गया है।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.190) Solution (c)

कथन 1	**कथन 2**
सत्य	**सत्य**
केंद्र सरकार को केंद्रीय सेवाओं और अखिल भारतीय सेवाओं के सदस्यों से संबंधित सतर्कता और अनुशासनात्मक मामलों को नियंत्रित करने वाले नियम और कानून बनाने में सीवीसी से परामर्श करने की आवश्यकता होती है।	धन शोधन निवारण अधिनियम, 2002 के तहत संदिग्ध लेनदेन से संबंधित सूचना प्राप्त करने के लिए केंद्रीय सतर्कता आयोग को एक विशिष्ट प्राधिकारी के रूप में अधिसूचित किया गया है।

Q.191) केंद्रीय जांच ब्यूरो (CBI) के बारे में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें।

1. सीबीआई दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना अधिनियम, 1946 के तहत स्थापित एक वैधानिक निकाय है।
2. सीबीआई भ्रष्टाचार, आर्थिक अपराधों, आतंक से संबंधित अपराधों तथा गंभीर और संगठित अपराध की जांच करती है।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.191) Solution (d)

कथन 1	**कथन 2**
असत्य	**असत्य**
CBI की स्थापना की भ्रष्टाचार पर संथानम समिति (1962-1964) द्वारा संस्तुति की गई थी। इसकी स्थापना 1963 में गृह मंत्रालय के एक प्रस्ताव द्वारा की गई थी। बाद में, इसे कार्मिक मंत्रालय में स्थानांतरित कर दिया गया था तथा अब इसे संलग्न कार्यालय का दर्जा प्राप्त है। सीबीआई एक सांविधिक निकाय नहीं है। यह दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना अधिनियम, 1946 से अपनी शक्तियों को प्राप्त करता है।	राष्ट्रीय जांच एजेंसी (NIA) और CBI द्वारा जांच किए गए मामलों की प्रकृति में अंतर है। एनआईए का गठन मुख्य रूप से आतंकवादी हमलों, आतंकवाद के वित्तपोषण और अन्य आतंकवादी संबंधित अपराधों की घटनाओं की जांच के लिए 2008 में मुंबई आतंकवादी हमले के बाद किया गया है, जबकि सीबीआई भ्रष्टाचार, आर्थिक अपराधों और आतंकवाद के अलावा गंभीर और संगठित अपराध की जांच करती है।

Q.192) लोकपाल और लोकायुक्त अधिनियम (2013) के तहत, भारत में लोकपाल की विशेषताओं के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें।

1. वे संस्थाएँ जो सरकार द्वारा पूरी तरह से या आंशिक रूप से वित्तपोषित और सरकार द्वारा सहायता प्राप्त संस्थान हैं, लोकपाल के प्राधिकार क्षेत्र में आते हैं।
2. लोकपाल को लोकपाल द्वारा संदर्भित मामलों के लिए सीबीआई पर अधीक्षण और निर्देश की शक्ति है।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.192) Solution (b)

कथन 1	कथन 2
असत्य	**सत्य**
सरकार द्वारा पूरी तरह या आंशिक रूप से वित्तपोषित संस्थानों को लोकपाल के अधिकार क्षेत्र में रखा गया है, लेकिन सरकार द्वारा सहायता प्राप्त संस्थानों को बाहर रखा गया है।	लोकपाल द्वारा संदर्भित मामलों के लिए लोकपाल के पास सीबीआई सहित किसी भी जांच एजेंसी पर अधीक्षण और निर्देश की शक्ति होगी।

Q.193) लोकपाल और लोकायुक्त अधिनियम (2013) के तहत, भारत में लोकपाल की विशेषताओं के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें।

1. लोकपाल किसी भी लोक सेवक के विरुद्ध स्वत:संज्ञान (suo motu) कार्यवाही नहीं कर सकता है।
2. लोकपाल के पास शिकायतें दर्ज करने के लिए 7 वर्ष की सीमा अवधि होती है।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.193) Solution (c)

कथन 1	कथन 2
सत्य	**सत्य**
लोकपाल किसी भी लोक सेवक के विरुद्ध स्वत:संज्ञान (suo motu) कार्यवाही नहीं कर सकता है।	लोकपाल के समक्ष शिकायतें दर्ज करने के लिए 7 वर्ष की सीमा अवधि होती है।

Q.194) राष्ट्रीय जांच एजेंसी (NIA) के बारे में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें।

1. एनआईए की स्थापना 2008 के मुंबई आतंकी हमलों की पृष्ठभूमि में हुई थी।
2. एनआईए का क्षेत्राधिकार आतंकी हमलों, साइबर आतंकवाद, जाली नोटों और मानव तस्करी तक विस्तारित है।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों

d) न तो 1 और न ही 2

Q.194) Solution (c)

कथन 1	कथन 2
सत्य	**सत्य**
एनआईए को 2008 के मुंबई आतंकवादी हमलों की पृष्ठभूमि में स्थापित किया गया था, जिसे 26/11 की घटना के रूप में जाना जाता था। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (NIA) का गठन 2009 में राष्ट्रीय जांच एजेंसी अधिनियम, 2008 (NIA Act) के प्रावधानों के तहत किया गया था। यह देश में केंद्रीय आतंकवाद विरोधी कानून प्रवर्तन एजेंसी है।	एनआईए को बम विस्फोटों, हवाई जहाजों और जहाजों के अपहरण, परमाणु प्रतिष्ठानों पर हमले और सामूहिक विनाश के हथियारों के उपयोग सहित आतंकवादी हमलों की जांच करने का अधिकार है। 2019 में, एनआईए के अधिकार क्षेत्र को विस्तारित किया गया था। परिणाम स्वरूप, एनआईए को मानव तस्करी, जाली मुद्रा या बैंक नोटों से संबंधित अपराधों की जांच करने, निषिद्ध हथियारों के निर्माण या बिक्री, साइबर-आतंकवाद और विस्फोटक पदार्थों की बिक्री की जाँच करने का भी अधिकार है।

Q.195) राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (NDMA) के संबंध में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

1. यह केंद्रीय गृह मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण में काम करता है।
2. गृह मंत्री एनडीएमए के पदेन अध्यक्ष होते हैं।
3. एनडीएमए के कार्यों में आपदा प्रबंधन पर नीतियां बनाना शामिल है।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

a) 1 और 2
b) 1 और 3
c) 2 और 3
d) उपरोक्त सभी

Q.195) Solution (b)

कथन 1	कथन 2	कथन 3
सत्य	**असत्य**	**सत्य**
एनडीएमए केंद्रीय गृह मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण में काम करता है।	**प्रधान मंत्री** एनडीएमए का पदेन अध्यक्ष होता है।	एनडीएमए के कार्यों में आपदा प्रबंधन पर नीतियां बनाना शामिल है।

Q.196) जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (DDMA) के संबंध में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

1. जिले का कलेक्टर / जिला मजिस्ट्रेट / उपायुक्त डीडीएमए का पदेन अध्यक्ष होता है।
2. जिले के मुख्य चिकित्सा अधिकारी, डीडीएमए के पदेन सदस्यों में से एक हैं।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों

d) न तो 1 और न ही 2

Q.196) Solution (c)

कथन 1	कथन 2
सत्य	**सत्य**
एक डीडीएमए में एक अध्यक्ष और अन्य सदस्य होते हैं, लेकिन सात से अधिक नहीं। जिले का कलेक्टर (या जिला मजिस्ट्रेट या उपायुक्त) डीडीएमए का पदेन अध्यक्ष होता है।	डीडीएमए के मुख्य कार्यकारी अधिकारी, पुलिस अधीक्षक तथा जिले के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डीडीएमए के पदेन सदस्य होते हैं। राज्य सरकार द्वारा अधिकतम दो जिला स्तरीय अधिकारियों को डीडीएमए के सदस्यों के रूप में नियुक्त किया जाता है।

Q.197) भारत में सहकारी समितियों के बारे में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

1. सहकारी समितियों के गठन का अधिकार एक मौलिक अधिकार है।
2. एक शीर्ष सहकारी समिति के खातों की ऑडिट रिपोर्ट राज्य विधायिका के समक्ष रखी जाती है।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.197) Solution (c)

कथन 1	कथन 2
सत्य	**सत्य**
2011 के 97 वें संवैधानिक संशोधन अधिनियम ने सहकारी समितियों को संवैधानिक दर्जा और संरक्षण दिया। इस संदर्भ में, इसने संविधान में निम्नलिखित तीन परिवर्तन किए: 1. इसने सहकारी समितियों के गठन को मौलिक अधिकार बनाया (अनुच्छेद 19)। 2. इसमें सहकारी समितियों के संवर्धन पर एक नया राज्य नीति का निर्देश सिद्धांत शामिल किया (अनुच्छेद 43-B)। 3. इसने संविधान में एक नया भाग IX-B जोड़ा, जिसका शीर्षक "सहकारी समितियां" (अनुच्छेद 243-ZH से 243-ZT) हैं।	वित्तीय वर्ष के समाप्त होने के छह महीने के भीतर प्रत्येक सहकारी समिति के खातों का ऑडिट किया जाएगा। एक शीर्ष सहकारी समिति के खातों की ऑडिट रिपोर्ट राज्य विधायिका के समक्ष रखी जाएगी।

Q.198) संविधान के तहत दिए गए संघ और राज्यों की संपत्ति के बारे में, निम्नलिखित पर विचार करें

1. संघ या राज्य अपनी कार्यकारी शक्ति के अभ्यास के तहत संपत्ति का अधिग्रहण, धारण और निपटान कर सकते हैं।
2. राज्यों के पास प्रादेशिक जल (territorial waters) में मौजूद खनिजों पर अधिकार होता है जबकि महाद्वीपीय शेल्फ और विशेष आर्थिक क्षेत्र में खनिजों के मामले में, केवल संघ का अधिकार होता है।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.198) Solution (a)

कथन 1	कथन 2
सत्य	**असत्य**
अनुच्छेद 298 के अनुसार, संघ या एक राज्य अपनी कार्यकारी शक्ति के अभ्यास के तहत संपत्ति का अधिग्रहण, धारण और निपटान कर सकता है।	भारत के समुद्री जल (प्रादेशिक जल, महाद्वीपीय शेल्फ और भारत का अनन्य आर्थिक क्षेत्र) के अंतर्गत सभी भूमि, खनिज और मूल्य की अन्य चीजें, **संघ में निहित है।** इसलिए, समुद्र क्षेत्र में एक राज्य इन चीजों पर अधिकार क्षेत्र का दावा नहीं कर सकता है।

Q.199) निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

1. संविधान में उन जातियों या जनजातियों को निर्दिष्ट किया गया है जिन्हें अनुसूचित जाति या जनजाति कहा जाता है।
2. संविधान ने उन व्यक्तियों को परिभाषित किया है जो एंग्लो-इंडियन समुदाय से हैं।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.199) Solution (b)

कथन 1	कथन 2
असत्य	**सत्य**
संविधान उन जातियों या जनजातियों को निर्दिष्ट नहीं करता है जिन्हें अनुसूचित जाति या जनजाति कहा जाता है। यह राष्ट्रपति को यह निर्दिष्ट करने की शक्ति देता है कि प्रत्येक राज्य और केंद्रशासित प्रदेश में किन जातियों या जनजातियों को अनुसूचित जाति और जनजाति के रूप में माना जाए।	अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्गों के मामले के विपरीत, संविधान ने उन व्यक्तियों को परिभाषित किया है जो एंग्लो-इंडियन समुदाय से हैं। तदनुसार, 'एंग्लो-इंडियन का अर्थ, एक व्यक्ति जिसका पिता या पुरुष लाइन में कोई अन्य पुरुष पूर्वज यूरोपीय वंश का है या जो भारत के क्षेत्र के भीतर अधिवासित है और माता-पिता एक ऐसे क्षेत्र के भीतर पैदा हुए थे, जहाँ सामान्य निवासी थे और केवल अस्थायी उद्देश्यों के लिए वहां स्थापित नहीं किए गए थे' हैं।

Q.200) केंद्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण (CAT) के बारे, में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें।

1. CAT, भर्ती और इसके द्वारा कवर किए गए लोक सेवकों के सभी सेवा संबंधी मामलों के संबंध में मूल अधिकार क्षेत्र (original jurisdiction) का उपयोग करता है।
2. CAT सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 में निर्धारित प्रक्रिया से बाध्य है।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.200) Solution (a)

कथन 1	कथन 2
सत्य	**असत्य**
CAT भर्ती और उसके द्वारा कवर किए गए लोक सेवकों के सभी सेवा मामलों के संबंध में मूल अधिकार क्षेत्र का उपयोग करता है। इसका अधिकार क्षेत्र अखिल भारतीय सेवाओं, केंद्रीय नागरिक सेवाओं, केंद्र के अधीन नागरिक पदों और रक्षा सेवाओं के नागरिक कर्मचारियों तक विस्तारित है। हालांकि, रक्षा बलों के सदस्य, सर्वोच्च न्यायालय के अधिकारी और कर्मचारी तथा संसद के सचिवीय कर्मचारी इसके अंतर्गत नहीं हैं।	CAT 1908 के सिविल प्रक्रिया संहिता में निर्धारित प्रक्रिया से बाध्य नहीं है। यह प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों द्वारा निर्देशित है। ये सिद्धांत CAT को दृष्टिकोण में लचीला रखते हैं।

Copyright © by IASbaba

All rights are reserved. No part of this document may be reproduced, stored in a retrieval system or transmitted in any form or by any means, electronic, mechanical, photocopying, recording or otherwise, without prior permission of IASbaba.